दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, रविवार, 11 जनवरी 2026 कृष्ण पक्ष-अष्टमीं, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 323 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री कॉस्मो ट्रेड एंड बिल्ड फेयर एक्सपो 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ के निर्माण में उद्यमियों की अहम भूमिका : साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विगत दिवस राजधानी रायपुर में रोटरी क्लब ऑफ कॉस्मोपॉलिटन रायपुर द्वारा आयोजित कॉस्मो ट्रेड एंड बिल्ड फेयर एक्सपो 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। व्यापार जगत की बेहतरी और ग्राहकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जीएसटी दरों में कटौती की गई, जिसका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। जीएसटी रिफॉर्म्स से कई वस्तुओं की कीमत में कमी आई है। जीएसटी की प्रक्रिया को काफी सुगम बनाया गया है।

रोटरी क्लब और उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में रोटरी क्लब और उद्यमियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। रोटरी क्लब उद्यम ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आठ लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई उद्योग नीति को देश-विदेश में सराहा जा रहा है। लगभग आठ लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हमें प्राप्त हो चुके हैं। हर सेक्टर में हमें ये निवेश प्रस्ताव मिले हैं जिनपर धरातल पर कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। प्रदेश में रोजगार सृजन पर हमारा विशेष फोकस है। नई उद्योग नीति में एक हजार से अधिक रोजगार प्रदान करने वाले उद्यमियों को विशेष इंसेंटिव प्रदान करने के प्रावधान किए गए हैं।

इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा

बड़ी सौगात : मंडी शुल्क छूट एक साल और बढ़ाई

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के नीजि रिसॉर्ट में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने चावल निर्यातकों को बड़ी सौगात दी है। मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई है। इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान सीएम साय ने की घोषणा से चावल निर्यातकों और किसान दोनों के लिए बड़ी सौगात है। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और दंतेवाड़ा में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है, जिसे और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ से चावल के एक्सपोर्ट को मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का यह दूसरा संस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस आयोजन में 12 देशों के बायर्स तथा 6 देशों के एम्बेसी प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति से छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न किस्मों के चावल, क्षेत्र विशेष में उत्पादित प्रजातियों, चावल उत्पादन में हो रहे नवाचारों तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी ली।

आज बेबाक

वो जमाना गया जब लोटा चोर और भुट्टा चोर होते थे। अब नए नए छोट्टे सामने आ रहे हैं। चोरो की इस बारात में तरह तरह के चोर शामिल हैं। कोई चारा चोर है तो कोई टोटी चोर, कोई वोट चोर है तो कोइ जमीन चोर। अब इसमें एक फाइल चोर भी शामिल हो गई है। जो कहती तो खुद को शेरनी है लेकिन निकली चोरनी। ऊपर से तुर्रा यह की वह चोट्टी उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर कोतवाल के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करा चुकी है। सही बात है। चोरों को सारे नजर आते हैं चोर।

गोयल ने किया व्यापार समझौता

नई दिल्ली(वार्ता)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ब्रुसेल्स में दो दिन की बातचीत एक आधुनिक, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता शीघ्र संपन्न करने पर दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दृढ़ संकल्प व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुई है। वाणिज्य मंत्री आठ-नौ जनवरी को एफ्टीए वार्ताओं के लिए ब्रुसेल्स में थे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में श्री गोयल की इस यात्रा समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया है। कई बार बाचतीत की और दोनों नेताओं ने वार्ता टीमों को लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

शाह केरल में भाजपा के विधानसभा चुनाव अभियान की करेंगे शुरूआत

तिरुवनंतपुरम(वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह रविवार को केरल में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत करेंगे। इस दौरान श्री शाह कौडियार में स्थानीय निकाय चुनावों में जीते भाजपा प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। श्री शाह पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक सभा को भी संबोधित करेंगे एवं केरल के लिए भाजपा का राजनीतिक रोडमैप बताएंगे। वह जमीनी स्तर पर पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा बंगाल V/S ईडी विवाद

पहले ममता ने दाखिल किया कैविएट, अब एजेंसी ने भी लगाया आरोप

नई दिल्ली/वार्ता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले आई-पैक के कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने इसे चुनावी समय में विपक्ष को निशाना बनाने की कार्रवाई बताया है, जबकि दूसरी ओर ईडी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल सरकार उसकी जांच और तलाशी अभियान में दखल दे रही है और काम में बाधा डाल रही है। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की तरफ से दायर याचिका में बताया गया है कि गुरुवार को जब एजेंसी ने इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के मुख्यालय और कोलकाता में उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर तलाशी अभियान चलाया, तब राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से रुकावटें डाली गईं।

एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट से की ये मांग: ऐसे में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि उसे निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के अपनी जांच करने की अनुमति दी जाए। साथ ही एजेंसी ने यह भी कहा है कि किसी भी राज्य सरकार को केंद्रीय जांच एजेंसियों के काम में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है।

ममता सरकार ने ईडी पर लगाए आरोप: वहीं सीएम ममता बनर्जी ने इसके बाद ईडी पर अधिकारी क्षेत्र से बाहर कदम उठाने का आरोप लगाया। ईडी ने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

बंगाल सरकार ने भी दाखिल की कैविएट

बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर दिया है। इस कैविएट में बंगाल सरकार ने अनुरोध किया है कि सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश पारित करने से पहले उसका पक्ष सुने। सूत्रों के मुताबिक, ईडी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना पर विचार कर रही है। एजेंसी मौजूदा कानूनी विकल्पों को अंतिम रूप देने से पहले सभी संभावनाओं पर गौर कर रही है। बता दें कि कैविएट उन मामलों में दाखिल किया जाता है ताकि अदालत किसी पक्ष की सुनवाई के बिना कोई निर्णय न ले सके।

आईपीएसी विवाद की शुरुआत

गुरुवार को ईडी ने कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के कोलकाता स्थित ऑफिस और इसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंच गईं और एजेंसी का दावा है कि इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तलाशी स्थलों पर प्रवेश कर महत्वपूर्ण साक्ष्य, जैसे दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अपने कब्जे में ले लिए। ईडी और टीएमसी ने इस मामले में एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

'सीधे हमसे डील करनी है, वेनेजुएला से नहीं'

दुनिया की दिग्गज तेल कंपनियों के सामने दादागिरी पर उतरे ट्रंप

वॉशिंगटन/वार्ता। वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने ऊर्जा कूटनीति में बड़ा दांव चला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की दिग्गज तेल-गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर साफ कर दिया कि वेनेजुएला में निवेश अब सीधे अमेरिका के साथ होगा, न कि वेनेजुएला सरकार के साथ।

ट्रंप ने सुरक्षा की गारंटी देते हुए तेल उद्योग को बड़े निवेश के लिए खुला न्योता दिया। ट्रंप ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका ने समय रहते कार्रवाई नहीं की होती, तो चीन या रूस वेनेजुएला में अपनी मजबूत मौजूदगी बना चुके होते। व्हाइट हाउस ■ शेष पृष्ठ 6 पर

इतने अरब डॉलर निवेश की योजना

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी तेल कंपनियां सरकारी नहीं, बल्कि अपना पैसा लगाकर कम से कम 100 अरब डॉलर का निवेश करेंगी। यह निवेश वेनेजुएला के तेल ढांचे और उत्पादन क्षमता को दोबारा खड़ा करने के लिए होगा। उनके मुताबिक, इससे पश्चिमी गोलार्ध की दो बड़ी ऊर्जा शक्तियों की अर्थव्यवस्थाएं और गहराई से जुड़ेंगी।

योगी ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में लगे माघ मेले में संगम पर स्नान किया और मां गंगा की पूजा अर्चना की। उन्होंने तीन बार आस्था की डुबकी लगाई और बाद में संगम नोज के पास सतुआ बाबा के साथ नौका की सवारी भी की।मुख्यमंत्री के साथ मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और नंद गोपाल नंदी ने भी संगम में स्नान किया। इसके बाद योगी ने संगम नोज पर गंगा पूजन किया। संगम तट के पास वे करीब 32 मिनट तक रहे। योगी ने लेटे हनुमान जी का भी दर्शन-पूजन किया फिर सतुआ बाबा के शिविर की ओर प्रस्थान किए। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अयोध्या के राम मंदिर में नमाज पढ़ने वाला हिरासत में

अयोध्या/ए.। अयोध्या में राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कश्मीरी युवक को धार्मिक गतिविधि करते हुए सुरक्षा बलों ने हिरासत में लिया। सूत्रों के अनुसार, युवक ने राम मंदिर परिसर के दक्षिणी परकोटे क्षेत्र में सीता रसोई के पास नमाज पढ़ने का प्रयास किया। युवक कश्मीरी वेशभूषा में था। युवक राममंदिर के गेट ष्ठ1 से घुसा था। पकड़े गए युवक का नाम अब अहमद शेख है। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि सुरक्षा कर्मियों द्वारा रोके जाने पर युवक ने कथित तौर पर नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही खुफिया एजेंसियां, स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ प्रशासनिक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

विकसित भारत यंग लीडर्स ▶ कार्यक्रम से पहले पीएम मोदी ने युवाओं से संवाद को लेकर जताई उत्सुकता

यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के समापन सत्र को संबोधित करेंगे मोदी

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में देश के युवाओं से संवाद करेंगे। शनिवार को उन्होंने कहा कि वे 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में देशभर के अपने युवा साथियों से संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के पोस्ट पर जवाब में लिखा, अद्भुत जोश और बेमिसाल जज्बे से भरी हमारी युवा शक्ति सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के लिए संकल्पबद्ध है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में देशभर के अपने युवा साथियों से संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हूं। इस कार्यक्रम में 12 जनवरी को आप सभी से मिलने वाला हूं। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के लिए देशभर से 3,000 ऊर्जावान युवा दिल्ली पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की समृद्ध ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सोमनाथ में पहुंचे पीएम मोदी हुआ भव्य स्वागत

पीएम मोदी शनिवार को देर रात 8 बजे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के मौके पर सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। सोमनाथ मंदिर पर भव्य आयोजन के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी को भव्य स्वागत कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ किया। कर्नाटक की रहने वाली एक कलाकार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने परफॉर्म करना हमारी खुशकिस्मती है। हमारी टीम और हमारी संस्कृति को दिखाया जा रहा है, और हमें इस मौके पर गर्व है। भरतनाट्यम के लिए पहुंचीं कलाकारों ने कहा, 'हमें यहां कई स्टेज मिले हैं। हम अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो बहुत बढ़िया है। यहां का माहौल भी बहुत अच्छा है। हम यहां भरतनाट्यम कर रहे हैं। हमारे पास एक कच्छी लोक ग्रुप भी है। हम बहुत समय से ये डांस कर रहे हैं, और यहां आकर हमें बहुत अच्छा लग रहा है।

ओडिशा में हादसा : हवाई पट्टी के पास गिरा विमान, पायलट गंभीर

■ नौ यात्री थे सवार, पायलट गंभीर रूप से जख्मी

राउरकेला/भुवनेश्वर। ओडिशा के राउरकेला में शनिवार (10 जनवरी) को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान प्राइवेट एयरलाइन का बताया जा रहा है, जिसमें छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आई हैं। राज्य के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बी बी जेना ने बताया कि प्राइवेट एयरलाइन के छोटे विमान की क्रैश लैंडिंग में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

मंत्री जेना ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि यात्रियों को ले जा रहा एक,-1 नौ सीटर प्राइवेट विमान हादसे का शिकार हो गया है। यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर है। यह घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जल्दा में हुई। हादसे में घायल यात्रियों को बचाकर पास के अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए ■ शेष पृष्ठ 6 पर

नव प्रदेश छत्तीसगढ़

न्यूज गैलरी

रायगढ़ वन मंडल में 5 सालों में हाथी के हमले से 11 की मौत

रायगढ़/नवप्रदेश। जिले विभिन्न वन मंडलों में सबसे अधिक हाथियों की आवाजाही होती है। इसमें केवल रायगढ़ वन मंडल की बात करें तो संख्या अधिक होने के बाद भी यहां हाथियों के हमले से मानव हानि की घटनाएं कम ही होती है। इसका कारण लोगों की जागरूकता को माना जा रहा है। हाथियों ने फसल, मकान व संपत्ति को जरूर नुकसान पहुंचाया है, लेकिन पिछले पांच सालों में केवल रायगढ़ वन मंडल क्षेत्र में हाथियों के हमले से 11 लोगों की मौत हुई है। इस वर्ष की पहली छमाही में केवल दो लोगों की ही जान हाथी के हमले से गई है। वन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में इन दिनों करीब 400 से अधिक हाथियों की चहलकदमी मानी जा रही है। इनमें से करीब 150 हाथी तो रायगढ़ जिले के ही धरमजयगढ़, रायगढ़ वन मंडलों के विभिन्न वृत्तों में या तो भ्रमण कर रहे हैं या फिर कुछ दिनों से स्थायी ठिकाना ही बना लिया है। इनमें से कुछ हाथी कभी सरगुजा वन मंडल तो कभी जशपुर की ओर चले जाते हैं, फिर लौट जा रहे हैं। यह अच्छी बात है कि रायगढ़ जिले में हाथियों की संख्या अधिक होने के बाद भी उनके द्वारा मानवों को कुचलने की घटनाएं कम होती हैं।

अमित जोगी बने मोदी!, अनोखे अंदाज में पीएम को याद दिलाई गारंटी

रायपुर/नवप्रदेश। जेसीसी-जे अध्यक्ष जोगी ने आज शनिवार को एक वीडियो जारी कर बीजेपी की डबल इंजन की सरकार पर बरसते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव 2023 के पूर्व किये वादे (मोदी की गारंटी) की याद दिलाई। पीएम मोदी का मुखौटा लगाकर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज नवा रायपुर के तूता मैदान में आमरण अनशन पर बैठे डीएड के साथियों के अधिकारों के लिए और रिक्त पदों पर भर्ती के लिए और 'मोदी की गारंटी' याद दिलाने के लिये तूता, नवा रायपुर जा रहा हूं। उनके साथ अनशन पर बैठकर उनकी मांगों का समर्थन करता हूं। पीएम मोदी पर और राज्य की बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि 'मैं और मेरी पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2023 के पूर्व रिक्त पदों पर भर्तियों और शिक्षा के सशक्तिकरण की गारंटी दी थी पर दो साल से ज्यादा हो गए, लेकिन अब तक मेरी गारंटी पूरी नहीं हुई है। राज्यभर के डीएड के साथी पिछले कई दिनों से नया रायपुर तूता में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे हैं। वो भूखे-प्यासे नया रायपुर में बैठे हैं। अपने परिवारों को, अपने बच्चों को, अपने घर को और अपने माता-पिता को छोड़कर बैठे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद राज्य सरकार लगभग 2300 पदों पर नियुक्तियां नहीं कर रही है और ना ही रिक्त पदों को भर रही है। राज्य सरकार देश के प्रधानमंत्री की दी हुई गारंटी को पूरा नहीं कर रही है। ऐसा न करके यह उस पद और उस व्यक्ति की गरिमा को अपमानित करने के समान है और इसे हलके में लेना है। उन्होंने सीएम विष्णुदेव से निवेदन करते हुए कहा कि वह तत्काल 2300 पदों पर भर्ती का आदेश निकालें और यह अन्याय रोकने से रोकें।

चौपाल में सामने आई ग्रामीणो की समस्याओं का तय समय में निकाले हल

जगदलपुर /नवप्रदेश। सूबे की सरकार की नई पहल के तहत जिला प्रशासन ने लोहंडीगुड़ा ब्लाक से जन चौपाल की शुरुआत की। कलेक्टर हरिस एस. के निर्देश पर पूरा प्रशासनिक अमला न केवल गांवों में मुस्तैद रहा, बल्कि उनकी रिपोर्टिंग भी गूगल फॉर्म के जरिए की गई। सुबह 10 बजे से शुरू हुए निरीक्षण और दोपहर की चौपाल के बाद शाम को जनपद पंचायत कार्यालय में अपर कलेक्टर सीपी बघेल ने समीक्षा बैठक लेकर विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सहित जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। लोहंडीगुड़ा ब्लाक में निर्धारित? जन चौपाल के अनुसार सभी नोडल अधिकारी ठीक सुबह 10 बजे अपने आबंटित ग्राम पंचायतों में पहुंचे। प्रशासन द्वारा इस बार निरीक्षण के साथ स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र और राशन दुकानों के भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए गए थे। रिपोर्टिंग में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वे गूगल फॉर्म में स्कूल,आश्रम, छात्रावास,आंगनबाड़ीकेन्द्र , उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केन्द्र, पेयजल व्यवस्था, सड़क इत्यादि अधोसंरचना विकास सहित प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड प्रदाय स्थिति की प्रविष्टियां ही दर्ज करें। साथ ही विभिन्न लोक सेवाओं की उपलब्धता सम्बन्धी फीडबैक ग्रामीणों से प्राप्त किया जाए।

बिना मंजूरी के पेड़ों की अवैध कटाई, विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बीजापुर/नवप्रदेश। विधायक विक्रम मंडावी ने जिले में इन दिनों वन विभाग द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार पेड़ों की कटाई

करवाये जाने को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि वन विभाग द्वारा बिना ग्राम सभा और ग्रामीणों की सहमति के बिना पेड़ों की कटाई हो रही है, जिसपर तत्काल रोक लगाई जाए। विधायक ने बिना ग्राम सभा की अनुमति के हो रहे अवैध वनों की कटाई करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि बीजापुर जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और यहां पेसा कानून लागू है । ऐसे में वन विभाग द्वारा ग्राम सभा और ग्रामीणों की सहमति के बिना फलदार पेड़ों महुआ, तेंदू, शीशम, सागौन, आंवला, हल्दू, बीजा जैसे बेस कीमती पेड़ों की अवैध कटाई कराई जा रही है। जबकि ग्रामीण लगातार इस कटाई का विरोध कर रहे है, इसके बावजूद उनकी एक नहीं सुनी जा रही है। विक्रम मंडावी ने पत्र के माध्यम से इसे अवैध कटाई बताते हुए विभाग से सभी प्रक्रिया को गोपनीय रखने के साथ साथ कूप की श्रेणी और प्रोजेक्ट को गोपनीय रखने का आरोप लगाते हुए इस अवैध कटाई को तत्काल रुकवाते हुए आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन की नई पहल

विद्यार्थियों को सिखाने टीवी चैनल की मदद लेंगे स्कूल

रायपुर/नवप्रदेश। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने अपने सभी स्कूलों को पीएम ई-विद्या चैनल 15 का एक्टिव तरह से इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। बोर्ड का कहना है कि इससे क्लासरूम टीचिंग स्ट्रॉन्ग होगी और छात्रों की लर्निंग भी बेहतर बनेगी। सीबीएसई ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें कहा कि चैनल पर उपलब्ध कंटेंट सीबीएसई सिलेबस के अनुसार ही तैयार किया गया है। बोर्ड के अनुसार यह कदम डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने और देश के हर स्टूडेंट्स तक एक जैसी क्वालिटी एजुकेशन पहुंचाने में अहम साबित होगा।

पीएम ई-विद्या पहल की शुरुआत साल 2024 में की गई थी,जिसका मकसद टीवी के जरिए छात्रों को सप्लीमेंट्री एजूकेशन सपोर्ट देना है। इस पहल के तहत 200 डीटीएच टीवी चैनल्स शुरू किए गए हैं। इनमें से सीबीएसई को चैनल नंबर 15 अलॉट किया गया है, जहां इस समय कुल 67 एजूकेशनल ई-वीडियो उपलब्ध हैं। ये वीडियो खासतौर पर कक्षा 9 से 11 तक के छात्रों और शिक्षकों की ट्रेनिंग को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

हर छात्र तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश

बोर्ड के मुताबिक, इन कार्यक्रमों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि भौगोलिक या सामाजिक-आर्थिक बाधाएं छात्रों की पढ़ाई में रुकावट न बनें। टीवी के जरिए बार-बार टेलीकास्ट होने से छात्र अपनी सुविधा के अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा, सभी वीडियो यूट्यूब पर सीबीएसई टीवी चैनल पर भी उपलब्ध हैं, जिससे छात्र और शिक्षक कभी भी इन्हें दोबारा देख सकते हैं और अपनी स्पीड से सीख सकते हैं।

इन विषयों और टॉपिक्स पर हैं वीडियो

चैनल-15 पर मौजूद वीडियो में छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए यूज कंटेंट शामिल है। इसमें मैथ्स, साइंस और सोशल साइंस जैसे मुख्य विषयों के अलावा कई जरूरी एजुकेशनल टॉपिक्स को कवर किया गया है। शिक्षकों के लिए बनाए गए वीडियो में एक्सपीरियंशियल लर्निंग, स्टोरीटेलिंग पेडागॉजी, असेसमेंट स्ट्रेटेजी, साइबर सेफ्टी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसे अहम सब्जेक्ट शामिल हैं। बोर्ड का कहना है कि ये वीडियो क्लासरूम में पढ़ाने के तरीकों को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराकर कर रहे अपने गैंग का प्रचार

रायपुर में बेखौफ बदमाशों का तांडव आम जनता में बना रहे डर का माहौल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि, अब उन्हें न तो कानून का डर है न ही पुलिस का। बदमाश खुलेआम हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं।

चाकू, देसी कट्टा और पिस्टल लहराते हुए खुद को गैंगस्टर बताकर प्रचार किया जा रहा है, जिससे आम जनता में डर का माहौल बन रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि, इनमें से कई युवक विभिन्न थानों के निगरानी बदमाश बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद वे बिना किसी भय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक वीडियो अपलोड कर रहे हैं। कुछ वीडियो में प्रतिबंधित हुक्का के इस्तेमाल की भी झलक देखी जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर बदमाश की हत्याः वहीं 29 दिसंबर को राजिम इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश की ग्रामीणों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद ग्रामीणों ने शव को सड़क किनारे फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। इस सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला गरियाबंद जिले के राजिम थाना क्षेत्र का है।

घर से घसीटकर ले गए, लाठी-डंडों से की हत्या

पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई गई, जिसके बाद इसी एंगल से जांच की गई। जांच में खुलासा हुआ कि, 28 दिसंबर की रात करीब 11 बजे गांव के ही 11 लोगों ने एक राय होकर पुरानी रंजिश के चलते हितेश्वर तारक को उसके घर से जबरदस्ती घसीटते हुए बाहर निकाला। इसके बाद उसे कोपरा-बोरसी मार्ग के किनारे ले जाकर लाठी-डंडा और पत्थरों से बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने शव को सड़क किनारे फेंक दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, राजिम क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी में सोमवार सुबह सड़क किनारे एक युवक की क्षत-विक्षत लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर सड़क के किनारे घसीटने के स्पष्ट निशान भी पाए गए। सूचना मिलते ही राजिम थाना प्रभारी अमृत लाल साहू पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। मृतक की पहचान हितेश्वर तारक उर्फ चंदु तारक के रूप में की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक आदतन अपराधी था। थाना राजिम में उसके खिलाफ मारपीट एवं चोरी के कुल 8 आपराधिक मामले दर्ज थे। वहीं 9 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी थी। मृतक के विरुद्ध थाने में गुण्डा बदमाश का फाइल भी दर्ज है।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पुलिस ने आरोपियों की तलाश करते हुए सभी संदेहियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अलग-अलग बयान में लाठी-डंडा व पत्थरों से हत्या करना स्वीकार किया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 332(ख), 296, 115(2), 351(3), 191(2), 191(3), 191 एवं 103(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

करण साहू, नोहर विश्वकर्मा, विमलेश, थानचंद, सुनील, शिव, गजेन्द्र साहू, लक्ष्मीचंद सतनामी, भुरू उर्फ ओमप्रकाश सतनामी, उमाशंकर यादव एवं अक्षय साहू शामिल है।

महाराणा प्रताप चौंक से घंटाघर सड़क पर सुगम हुआ आवागमन

कोरबा/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत बुधवारी बाजार स्थित महाराणा प्रताप चैक से घंटाघर तक जीर्ण हुई सड़क का पेंच रिपेयर व डामरीकरण का कार्य कर निगम द्वारा सड़क का जीर्णोद्धार किया गया है, परिणाम स्वरूप उक्त सड़क मार्ग पर वर्षा ऋतु के दौरान हुए गड्ढे व उखड़ चुकी सड़क अब पुनः दुरूस्त हो चुकी है तथा मार्ग पर आवागमन सुगम हो गया है। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बुधवारी बाजार महाराणा प्रताप चैक से घंटाघर तक की सड़क की मरम्मत व डामरीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है, यहॉं उल्लेखनीय है कि बारिश के दौरान महाराणा प्रताप चैक से घंटाघर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क उखड़ गई थी व सड़क पर गड्ढे हो गए थे, जिसके कारण वाहन चालकों व आमनागरिकों को आवागमन में असुविधा हो रही थी। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में उक्त सड़क का डामरीकरण, पेंच रिपेयर व जीर्णोद्धार का कार्य निगम द्वारा कराया गया है, अब शहर की उक्त महत्वपूर्ण सड़क पुनः दुरूस्त हो गई है तथा सड़क में आवागमन सुगम हो गया है।

मिशन वरुण से निगम ने अब तक की 35 लाख रु. बकाया जलकर राशि की वसूली

कोरबा /नवप्रदेश। बर्षो से बकाया जलकर की वसूली एवं जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने हेतु नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा संचालित किए जा रहे '' मिशन वरूण '' को आशातीत सफलता मिल रही है, एक ओर जहॉं लोग बर्षो से बकाया जलकर की राशि निगम में जमा करा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण एवं पानी के व्यर्थ बरबादी के प्रति जागरूक होकर जल के अपव्यय को रोक रहे हैं। मिशन वरुण संचालित कर निगम ने अब तक 35 लाख रूपये बकाया जलकर की राशि निगम कोष में जमा कराई है। यहॉं उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत सभी वार्ड व बस्तियों, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति जलप्रदाय की विशाल संरचनात्मक ढांचे के माध्यम से प्रतिदिन दो बार की जा रही है तथा इस हेतु नियमानुसार जलकर की राशि आरोपित की गई है किन्तु बर्षो से जलकर की वसूली नहीं हो पा रही थी, जिसके मद्देनजर निगम द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में एक अभिनव कदम उठाते हुए '' मिशन वरूण '' की शुरूआत विगत 14 नवम्बर 2025 को की गई, '' मिशन वरूण '' का प्रमुख उद्देश्य एक ओर जहॉं बर्षो से बकाया जलकर की राशि निगम कोष में जमा कराने का है।

जंबूरी का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य राष्ट्रीय कमिश्नर खण्डेलवाल

■ **बोले- छत्तीसगढ़ ने एक महीने के भीतर की बेहतरीन व्यवस्था**

रायपुर/नवप्रदेश। भारत स्काउट एंड गाइड के मुख्य राष्ट्रीय कमिश्नर डॉ. केके खंडेलवाल ने बालोद के ग्राम दुधली में आयोजित राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी में की गई व्यवस्थाओं की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ ने एक महीने के भीतर इतनी बेहतरीन व्यवस्था करके एक मिसाल कायम की है। डॉ. खंडेलवाल ने कहा कि, मुझे अत्यंत गर्व के साथ यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत का प्रथम रोवर एंड रेंजर जंबूरी का आयोजन बालोद के ग्राम दुधली

में किया जा रहा है। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह युवा शक्ति का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है।

सभी व्यवस्थाओं का किया गया निरीक्षण

इस कार्यक्रम में देश भर से रोवर एंड रेंजर्स, ट्रेनर्स, स्काउट्स, वालंटियर्स भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि, मैंने स्वयं यहां की व्यवस्थाओं, एडवेंचर्स, भोजन व्यवस्था, टॉयलेट और प्रतिभागियों के रुकने के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया है। हर स्तर पर अनुशासन सुरक्षा और उत्कृष्ट व्यवस्था स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मैं छत्तीसगढ़ राज्य भारत स्काउट गाइड का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

दो वर्ष के कार्य को छत्तीसगढ़ ने एक महीने के समय में किया है- डॉ. खण्डेलवाल

डॉ. खण्डेलवाल ने कहा कि, जंबूरी के उद्घाटन का सुंदर आयोजन था, यह ऐतिहासिक जंबूरी है। इसका उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में जिस प्रकार से व्यवस्थाओं की तारीफ की। स्काउट एंड गाइड की सेवा भावना और समर्पण की प्रसंशा की। डॉ. खण्डेलवाल ने कहा कि, भारत स्काउट एंड गाइड का अनुकरणीय सेवा का इतिहास रहा है। जिस कार्य के लिए सामन्यतः दो वर्ष का समय लगता है। छत्तीसगढ़ ने इस कार्य को एक महीने के समय में किया है। यह समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना केवल सच्चे स्काउट में ही देखने को मिलता है।

'बस्तर पंडुम' का भव्य आगाज: जनजातीय संस्कृति और लोककला की दिखेगी रंगीन झलक

रायपुर/नवप्रदेश। जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की रंगीन छटा बिखरने वाला बस्तर का सबसे बड़ा सांस्कृतिक उत्सव 'बस्तर पंडुम' शनिवार से पूरे उत्साह और उमंग के साथ शुरू हो रहा है। आदिवासी विरासत, लोककला और परंपराओं को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित यह महोत्सव तीन चरणों में संपन्न होगा। बस्तर पंडुम का आयोजन पहले ग्राम पंचायत स्तर, इसके बाद विकासखंड एवं जिला स्तर, और अंत में संभाग-राज्य स्तरीय भव्य समापन समारोह के रूप में किया जाएगा। इस आयोजन में बस्तर

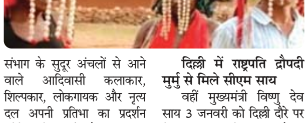

संभाग के सुदूर अंचलों से आने वाले आदिवासी कलाकार, शिल्पकार, लोकगायक और नृत्य दल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। महोत्सव के दौरान माड़िया, मुरिया, गोंड, हल्बा, भतरा सहित विभिन्न जनजातियों के पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत और हस्तशिल्प प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले सीएम साय

वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 3 जनवरी को दिल्ली दौरे पर थे। सीएम साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें 'बस्तर पंडुम 2026' में आमंत्रित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम'

मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव 'बस्तर पंडुम 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। यह आयोजन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका अंतिम चरण फरवरी 2026 में बस्तर में संपन्न होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय संस्कृति से जुड़े इस आयोजन की सराहना करते हुए बस्तर पंडुम 2026 के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन चैरसिया पर जानलेवा हमला

■ **चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज**

कोरबा/नवप्रदेश। जिले से एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है। पूर्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितिन चैरसिया पर बीते दिनों कुछ युवकों द्वारा जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगा है। आरोप है कि हमलावरों ने जानबूझकर उनके उस पैर पर हमला किया, जिसमें पहले से फ्रैक्चर होकर रॉड लगी हुई थी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नितिन चैरसिया पिता स्वर्गीय तुलसी राम चैरसिया (उम्र 38 वर्ष) हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रामपुर कोरबा के निवासी हैं। वे ठेकेदारी का कार्य करते हैं और पूर्व में जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। घटना 7 जनवरी 2026 की रात करीब 8.15 बजे की बताई जा रही है।

नितिन चैरसिया ने पुलिस को बताया कि शिवम पाण्डेय, फरदीन, अभिषेक और तेजसकृजो उसी कॉलोनी के रहने वाले हैं और आपस में दोस्त हैं-ने उनका रास्ता रोककर गाली-गलौच की और हाथ-मुक्का व लात-घूंसे से मारपीट की। पीड़ित के अनुसार, आरोपी युवक कॉलोनी में तेज रफ्तार से बाइक चलाते हैं, जिससे कुछ दिन पहले उनका करीब पांच वर्षीय पुत्र दुर्घटना का शिकार होते-होते बचा था।

न्यूज गैलरी

आईआईटीटीएम ग्वालियर में सिरपुर के 17 गाइडों का विशेष प्रशिक्षण प्रारंभ

रायपुर/नवप्रदेश। सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) के विशेष प्रयासों से सिरपुर के 17 स्थानीय गाइडों को एक माह के विशेष पर्यटन प्रशिक्षण के लिए भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) ग्वालियर भेजा गया है। यह आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सिरपुर जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल पर पर्यटन को अधिक सुदृढ़ और पेशेवर स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ आईआईटीटीएम ग्वालियर के निदेशक द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रशिक्षित स्थानीय गाइड किसी भी पर्यटन स्थल की पहचान को नई ऊँचाई तक ले जाते हैं। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से विरासत पर्यटन, गाइडिंग कौशल, आगंतुक प्रबंधन, स्टोरी टेलिंग, सांस्कृतिक व्याख्या और जिम्मेदार पर्यटन जैसे विषयों पर केंद्रित है। यह पूरा कार्यक्रम सिरपुर की पर्यटन आवश्यकताओं और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद गाइड अपने क्षेत्र में लौटकर पर्यटकों को बेहतर, तथ्यपरक और आकर्षक अनुभव प्रदान कर सकें।

केके श्रीवास्तव और देवेंद्र डड़सेना को ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जेल में बंद तांत्रिक केके श्रीवास्तव और देवेंद्र डडसेना ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ईओडब्ल्यू ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट की याचिका लगाई थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 13 जनवरी तक ईओडब्ल्यू की रिमांड में सौंप दिया है। इस दौरान अधिकारी शराब घोटाले से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर उनसे पूछताछ करेंगे। शराब घोटाला मामले में अब तक पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर समेत कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

ननि जोन 9 की कार्रवाई, 3000 वर्गफीट शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 9 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। निगम आयुक्त विश्वदीप के आदेश एवं जोन 9 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा के निर्देश पर नगर निवेश विभाग की टीम ने अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान लगभग 3000 वर्गफीट क्षेत्र में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से निर्मित व्यवसायिक दुकान और मकान को जेसीबी मशीन की सहायता से तोड़कर हटाया गया। इस कार्रवाई में कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता सैय्यद जोहेब और उप अभियंता अतुल बंसल उपस्थित रहे। नगर निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई से शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध कब्जों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर कल को स्वामी विवेकानंद प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। युवाओं के आध्यात्मिक प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी 2026 को पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे स्वामी विवेकानंद सरोवर बूढ़ातालाब के मध्य निलाभ उद्यान परिसर स्थित विशालकाय ध्यानमग्न प्रतिमा के समक्ष होगा। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जोन क्रमांक 4 का सहयोग रहेगा। कार्यक्रम के माध्यम से स्वामी विवेकानंद के विचारों और आदर्शों को स्मरण कर युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगर निगम ने शहरवासियों एवं युवाओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर होगा पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

रायपुर/नवप्रदेश। भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर 11 जनवरी 2026 को पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे जीई मार्ग स्थित शास्त्री चौक के पास प्रतिमा स्थल पर संपन्न होगा। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जोन क्रमांक 4 का सहयोग रहेगा। कार्यक्रम में शास्त्री जी के योगदान और उनके सिद्धांतों को याद करते हुए उन्हें सादर नमन किया जाएगा। नगर निगम ने आम नागरिकों से कार्यक्रम में भाग लेकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया है।

नाली पर सामग्री रखने और गंदगी फैलाने पर जोन 5 ने लगाया 11,200 का जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। जनशिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर निगम जोन 5 के स्वास्थ्य विभाग ने ठाकुर प्यारेलाल वार्ड क्रमांक 39 में नियम उल्लंघन पर जुर्माना लगाया। निगम आयुक्त के आदेश एवं स्वास्थ्य अधिकारी तृप्ति पाणीग्रही तथा जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के निर्देश पर कार्रवाई की गई। निरीक्षण में पाया गया कि भवन स्वामी सोनू सुन्दरियां द्वारा निर्माण सामग्री नाली के ऊपर रखी गई थी, जिससे गंदा पानी सड़क पर बह रहा था और राहगीरों को परेशानी हो रही थी। इस पर भवन स्वामी पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा तीन दुकानदारों पर गंदगी फैलाने के कारण कुल 1,200 रुपये का जुर्माना किया गया। कुल 11,200 रुपये की वसूली मौके पर की गई और संबंधितों को भविष्य में नियमों का पालन करने की कड़ी चेतावनी दी गई।

मुख्यमंत्री साय ने ई-प्रगति पोर्टल का किया शुभारंभ

सुशासन एवं नवाचारों के लिए 5 विभाग एवं 5 जिलों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

रायपुर/नवप्रदेश। गुड गवर्नेंस कागजों पर नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव और अधिकारियों के काम-काज में दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी नवा रायपुर में आयोजित मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 कार्यक्रम को सम्बोधित करतेभुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 में सुशासन एवं नवाचारों के लिए 5 विभागों एवं 5 जिलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने ई-प्रगति पोर्टल का भी शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से अब छत्तीसगढ़ के सभी विभागों के 25 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले निर्माण कार्यों की निगरानी की जाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से निर्माण की मंजूरी से लेकर बजट, मजदूरी, भुगतान, एमआईएस, स्ट्रक्चर लेवल सहित सभी पहलुओं की मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुड गवर्नेंस का उद्देश्य यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को बुनियादी सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। पंचायतों में शुरू किए गए अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को आधार, पेंशन, बैंकिंग और बिल भुगतान जैसी सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। हमारी सरकार ने तकनीकी नवाचारों के माध्यम से नागरिकों तक सुशासन की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अनेक पहल की हैं। इसी क्रम में आज ई-प्रगति पोर्टल का शुभारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य की वृहद परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। इस पोर्टल से योजनाओं की प्रगति का डेटा रियल-टाइम में उपलब्ध होगा। सभी विभागों, जिला प्रशासन तथा मुख्यमंत्री कार्यालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इससे राज्य में ई-गवर्नेंस को और मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को योजनाओं का लाभ समय पर और सहज रूप से प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने सभी कलेक्टरों, सचिवों एवं संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति को नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद, श्रद्धेय अटल जी की अंत्योदय की अवधारणा और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व से हमने सुशासन को गहराई से समझा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने देश का पहला सुशासन एवं अभिसरण विभाग बनाया है, जो सभी योजनाओं के समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन का केंद्र है। पिछले दो वर्षों में हमने 400 से अधिक नीतिगत सुधार किए, पुराने अनुपयोगी नियम-कानून समाप्त किए और कई में संशोधन किए। इन सुधारों से प्रदेशवासियों का जीवन सरल हुआ और प्रशासन अधिक कुशल बना। आज मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के माध्यम से 5 जिलों और 5 विभागों के नवाचारी प्रयासों को सम्मानित किया गया है।

मंत्री राजवाड़े द्वारा 436 समूहों को जिम्मेदारी के दावे पर सवाल

रेडी टू ईट का संचालन महिला समूहों को सौंपने के दावे हवा हवाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रेडी टू ईट का संचालन महिला स्व सहायता समूहों को देने के मामले में राज्य सरकार अब तक घोषित छह जिलों में कोई ठोस निर्णय नहीं कर पाई है। विधानसभा में हुई घोषणा के बाद दो साल बाद भी केवल एक रायगढ़ जिले में ही सिर्फ दस परियोजनाओं में समूहों को काम सौंपा जा सका है। वहीं दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा ब्लॉक में ही एक परियोजना को सौंपा जा सका है। समूहों के चयन की प्रक्रिया बीते एक साल से चल रही है लेकिन अब तक चयनित सभी छह जिलों में घोषणा का क्रियान्वयन हवा हवाई ही साबित हुआ है। दूसरी तरफ विभागीय मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े अपने दो साल की उपलब्धियां गिनाते हुए 436 महिला समूहों को संचालन की जिम्मेदारी सौंपने के दावे करती रही हैं।

पोषण आहार व्यवस्था के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री ने प्रदेश में 436 महिला स्व सहायता समूहों को उत्पादन और आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपे जाने के दावे किए थे। हैरानी की बात है कि विभाग अब तक इन समूहों का ब्यौरा तक मुहैया नहीं करा पा रहा है। विभाग के अफसर यह बता पाने की स्थिति में नहीं हैं कि किन जिलों में किन समूहों को चयनित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक अब तक चयनित सभी छह जिलों में समूहों द्वारा रेडी टू ईट के संचालन का काम शुरू नहीं हो पाया है। समूहों के चयन के मामले में ही कई स्थानों पर विवाद की स्थिति रही है। इसके चलते जिला स्तर पर प्रक्रिया रद्द भी की जा चुकी है। गौरतलब है कि बीते अप्रैल माह में ही छह जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर महिला स्व सहायता समूहों को संचालन की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लेते हुए विधिवत आदेश भी जारी किए गए थे। तब से लेकर अब तक सभी जिलों में समूहों के चयन की प्रक्रिया ही पूरी नहीं हो पाई है। विभाग और सरकार ने केवल रायगढ़ जिले के कुछ ही परियोजनाओं में समूहों को काम सौंपकर अपनी पीठ थपथपा ली है। यहां भी सौ फीसदी काम समूहों को नहीं मिल पाया।

इन जिलों में होना है संचालन

प्रदेश के रायगढ़, दंतेवाड़ा, बलौदा बाजार, सूरजपुर, बस्तर और कोरबा जिले में महिला स्व सहायता समूहों को उत्पादन और आपूर्ति समेत पूरा संचालन का काम सौंपने का निर्णय लिया गया है। समूहों को यह काम परियोजना स्तर पर सौंपा जाना है। विभाग द्वारा इस मामले में किसी तरह की जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

समूहों के चयन में जटिल शर्तें: महिला समूहों के चयन के लिए राज्य शासन ने ऐसी जटिल शर्तें तय की हैं कि इनमें सामान्य और कम टर्न ओवर वाले समूह कहीं टिक नहीं पा रहे हैं। समूहों को रेडी टू ईट निर्माण और संचालन के अलावा फोर्टिफाइड आटा निर्माण की भी जिम्मेदारी भी सौंपने के आदेश जारी किए गए थे।

रायपुर मास्टर प्लान गड़बड़ी पर फिर शासन की क्वेरी

■ **बिना बदलाव के ही मौजूदा मास्टर प्लान प्रभावशील फील्ड जांच में बड़े पैमाने पर मिल चुकीं गड़बड़ियां**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर निवेश क्षेत्र विकास योजना (मास्टर प्लान) पुनर्विलोकन-2031 को लेकर मिली अनियमितताओं व गड़बड़ियों की शिकायतों की जांच 2 साल बाद भी पूरी नहीं हुई है। लगातार जांच पर जांच चल रही है। राज्य शासन द्वारा हाल ही में मास्टर प्लान को लेकर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग को दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं। लंबे समय से जांच प्रक्रियाधीन होने के कारण बिना किसी गड़बड़ी सुधार के ही मौजूदा मास्टर प्लान लागू है और उसी आधार पर मकानों के नक्शे पास हो रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में रायपुर मास्टर प्लान-2031 लागू हुआ था। तब रायपुर मास्टर प्लान 2031 के प्रारूप पर डेढ़ हजार से ज्यादा दावा आपत्तियां आई थीं। वहीं, मास्टर प्लान लागू होने के बाद भी कई शिकायतें प्राप्त हुईं।

गड़बड़ी व अनियमितताओं की शिकायत के बाद आवास मंत्री ने करीब 2 साल पहले जांच के निर्देश दिए थे। संचालक नगर व ग्राम निवेश की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति द्वारा जांच रिपोर्ट तैयार की गई थी, लेकिन मास्टर प्लान को लेकर सुझाव व दावा-आपत्तियां आने का सिलसिला जारी रहा। बताया गया है कि जांच कमेटी की रिपोर्ट शासन के समक्ष अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है। जबकि जांच पूरी होने के बाद ही मास्टर प्लान में कई बड़े बदलाव किए जाएंगे।

मास्टर प्लान में गड़बड़ियों की फील्ड जांच में भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाई गई हैं। जांच के मुताबिक रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके में स्थित खोखो तालाब सहित शहर के कई पुराने तालाब सहित शहर की केके रोड, मालवीय, एडवर्ड व गुढ़ियारी रोड समेत 70 से अधिक सड़कें भी मास्टर प्लान से गायब हैं। इसके अलावा देवेंद्रनगर स्थित एक ट्रस्ट की जमीन का भू-उपयोग परिवर्तन कर मिश्रित भू-उपयोग किए जाने के मामले में एफआईआर भी हो चुकी है।

बिल्डरों व खास लोगों को लाभपहुंचाने का आरोप

मास्टर प्लान में बड़े बिल्डरों व व्यक्ति विशेष को लाभपहुंचाने का आरोप है। बिल्डरों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लग चुका है, मगर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है।

आम आदमी पार्टी की 'छत्तीसगढ़ बचाबो यात्रा' आज से

20 हजार 363 गांवों तक पहुंचने का लक्ष्य

रायपुर/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी (आप) की 'छत्तीसगढ़ बचाबो यात्रा' रविवार 11 जनवरी से शुरू होगी। यात्रा का पहला चरण ब्लॉक और जिला स्तर पर तय किया गया है। यात्रा का उद्देश्य जनआंदोलन खड़ा करना और पार्टी संगठन का विस्तार करना है। आप के कार्यकारी अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि पिछले दो महीने से यात्रा को लेकर अलग-अलग बैठकें हुई। प्रदेश प्रभारी संदीप पाठक भी बैठक में शामिल हुए। उनके निर्देशानुसार प्रदेश के 450 में नियुक्ति की गई और प्रदेश की 11664 ग्राम पंचायतों व 20363 गांवों तक यात्रा के जरिए पहुंचने की रूपरेखा बनाई गई। उन्होंने दावा कि इस यात्रा के बाद छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी एक नए रूप में नजर आएगी। यात्रा को लेकर लोकसभा व जिला स्तर पर भी बैठकों का आयोजन हो चुका है। आगामी नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए चर्चा भी हुई है। श्री जायसवाल ने कहा कि यात्रा के जरिए आप नेता व कार्यकर्ता गांव, ब्लॉक, जिला स्तर तक लोगों के बीच पहुंचेंगे। उनके मुद्दों पर चर्चा करेंगे और पार्टी की रीति-नीति की जानकारी देंगे, ताकि पार्टी से नए लोग जुड़ें और मजबूती प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यात्रा में केवल जनहित के मुद्दों, पारदर्शी प्रशासन, ईमानदार राजनीति के अपने मूल सिद्धांतों को लोगों के बीच लेकर जाएंगे, ताकि चुनावों में एक मजबूत व विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर सके।

जोन 5 की कार्रवाई, अनुमति के विपरीत बन रहे व्यवसायिक भवन को तोड़ा

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत कुशालपुर रिंग रोड नंबर 1 में अनुमति के विपरीत बनाए जा रहे व्यवसायिक भवन पर निगम ने कार्रवाई की है। निगम आयुक्त विश्वदीप के आदेश एवं जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। नगर निवेश विभाग की टीम ने अभियान चलाकर निर्माणाधीन भवन को तोड़कर हटाया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके और उप अभियंता टिकेन्द्र चंद्राकर उपस्थित रहे। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति या स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने किया 'ADHYAY – The Women Who Lead' का विमोचन

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ की महिला उद्यमिता, नेतृत्व और नवाचार की प्रेरक यात्राओं को समर्पित कॉफी टेबल बुक 'ADHYAY – The Women Who Lead' का रायपुर स्थित श्रीराम बिज़नेस पार्क में आयोजित कॉस्मो एक्सपो के दौरान विमोचन किया। कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी श्री राकेश चतुर्वेदी, कॉस्मो एवं रोटरी के पदाधिकारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। यह विशेष प्रकाशन छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर तैयार किया गया है, जिसमें राज्य की प्रगति, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक बदलाव में योगदान देने वाली 25 महिला उद्यमियों की जीवन यात्राओं को संजोया गया है। संपादक उचित शर्मा और उनकी टीम ने इसका संपादन किया है।

कार्यक्रम के दौरान पुस्तक में सम्मिलित सभी महिला उद्यमियों को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित किया। यह सम्मान उनके साहस, नेतृत्व, नवाचार और उद्यमशील योगदान के लिए प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर ADHYAY कॉफी टेबल बुक की सराहना करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की जीवंत गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का दस्तावेज़ बनेगी। उन्होंने इस तरह के दस्तावेज़ीकरण को महिला उद्यमिता के लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक बताया।

बीजापुर के पंच-सरपंचों ने की सौजन्य भेंट

वनमंत्री कश्यप से बीजापुर के पंच-सरपंचों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। वनमंत्री श्री केदार कश्यप से बीजापुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंचों ने आज नया रायपुर स्थित उनके निवास/कार्यालय में सौजन्य भेंट की। ये सभी जनप्रतिनिधि निमोरा स्थित ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर आए हुए हैं।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की नींव हैं और पंच-सरपंच ग्रामों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने भेंट के दौरान जनप्रतिनिधियों के नन्हे बच्चों के प्रति मंत्री श्री कश्यप का वात्सल्य और स्नेह विशेष रूप से मन को स्पर्श करने वाला रहा।

वनमंत्री श्री कश्यप ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास, सुशासन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत विकास योजना सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसी के साथ उन्हें सूचना का अधिकार (ऋ्ञद्ध) जैसे अधिकारों के बारे में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसका समुचित निर्धारण अपने कार्यकाल में करें।

श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गरीब, किसान और मजदूर हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वीबी-जी राम जी योजना समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, इसका क्रियान्वयन सुचारू और बेहतर तरीके से करें। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों की पारदर्शिता और समयबद्धता से ही जनता का विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने सभी पंच-सरपंचों को अपने-अपने गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया और हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

अटल जी के व्यक्तित्व का काव्य पक्ष

-नीरज मनजीत

मार्च, 2000। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में राजकीय भोज आयोजित किया गया था। भोज के पूर्व अपने औपचारिक संबोधन में राष्ट्रपति क्लिंटन ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सम्मान में कहा कि "अगर दुनिया में अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कुछ और कवि हृदय राजनेता हो जाएं, तो दुनिया के आधे मसले सुलझ जाएंगे और यह दुनिया कहीं अधिक सुंदर और शांतिपूर्ण जगह होगी।" वैश्विक समुदाय के एक शक्तिशाली राष्ट्रप्रमुख द्वारा अपने समकक्ष के दूसरे प्रभावशाली कवि मन के राजनेता की प्रतिष्ठा में कहा गया इससे सुंदर और कोई कथन हो नहीं सकता। क्लिंटन के इन शब्दों के आलोक में अटल जी के विराट राजनीतिक व्यक्तित्व की छाया में छिपे और एक हद तक अचर्चित उनके कवि व्यक्तित्व को देखा जा सकता है। दरअसल 1998 में भारत ने तमाम वैश्विक दबावों को दरकिनार करते हुए पोखरण में पांच श्रृंखलाबद्ध परमाणु परीक्षण किए थे। क्लिंटन इस बात से प्रभावित थे कि ऐसे सख़्त फ़ैसले लेने वाला राजनेता एक संवेदनशील कवि कैसे हो सकता है।

अटल जी की कविताओं में आशा-निराशा, जय-पराजय, खालिस संघर्ष, मानवीय संवेदनाओं और उच्चतम जीवन मूल्यों की बहुत ही सुंदर अभिव्यक्ति देखी जा सकती है। वे प्रांजल-समृद्ध, संस्कृतनिष्ठ, सुरुचिपूर्ण हिंदी में कविताएं रचते हैं। वे राष्ट्रप्रेम से भरे मानवीयता के पक्षधर कवि हैं, जिनकी भाषा, शैली और अभिव्यक्ति में भारतीय संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक दार्शनिक दृष्टि झलकती है। जब वे कहते हैं कि-- "आओ फिर से दिया जलाएँ/भरी दुपहरी में अँधियारा/सूरज परछाई से हारा/अंतरतम का नेह निचोड़ें/बुझी हुई बाती सुलगाएँ...." तब वे इसी दृष्टि का परिष्कार करते हैं।

अटल जी का कोमल कवि मन बहुत ही संवेदनशील है, जो उनसे बाहर के संसार के छल-कपट, आडम्बर से आहत होता है। "न मैं चुप हूँ, न गाता हूँ" कविता में उनके आहत मन की पीड़ा इन पंक्तियों में व्यक्त होती है--"सवेरा है मगर पूरब दिशा में/घिर रहे बादल/रूई से धुंधलके में/मील के पत्थर पड़े घायल/ठिठके पाँव/ओझल गाँव/जड़ता है न गतिमयता/कौरव कौन/कौन पांडव/टेढ़ा सवाल है/दोनों ओर शकुनि/का फैला/कूटजाल है/धर्मराज ने छोड़ी नहीं/जुए की लत है/हर पंचायत में/पांचाली/अपमानित है।" एक और कविता "क्या खोया क्या पाया" में लिखते हैं--"अपने ही मन से कुछ बोलें/क्या खोया, क्या पाया जग में/मिलते और बिछुड़ते मग में/मुझे किसी से नहीं शिकायत/यद्यपि छला गया पग-पग में/एक दृष्टि बीती पर डालें/यादों की पोटली टटोलें..."।

अटल जी बहुत ही सफल राजनेता थे। अपनी राजनीतिक यात्रा में अधिकांश समय वे शिखरों पर आसीन रहे हैं। ऐसे मक़ाम पर तक़रीबन सभी राजनेता निराशा की भावनाओं को छिपाकर बहादुरी का मुखौटा लगा लेते हैं। ऐसा करना उनके लिए जरूरी भी है, क्योंकि निराशा की अभिव्यक्ति को उनकी कमज़ोरी माना जा सकता है। मगर अटल जी अपनी निराशा को कुछ इस तरह शब्दों में ढालते हैं कि ये भावनाएं उनके दृढ़ लौह व्यक्तित्व को एक ख़ूबसूरत तरलता प्रदान करती हैं। ऐसी कुछ कविताओं में निराशा के क्षणों की उनकी भावनाएं अंतर्मन की गहराई से निकलकर बहुत ही सत्यनिष्ठा से व्यक्त हुई हैं। कविता "मैंने जन्म नहीं माँगा था÷ में वे लिखते हैं--"मैंने जन्म नहीं मांगा था/किन्तु मरण की मांग करुँगा/जाने कितनी बार जिया हूँ/जाने कितनी बार मरा हूँ/जन्म मरण के फेरे से मैं/इतना पहले नहीं डरा हूँ/अन्तहीन अंधियार ज्योति की/कब तक और तलाश करूँगा/मैंने जन्म नहीं माँगा था,/किन्तु मरण की मांग करूँगा।"

निराशा की ये अभिव्यक्ति उनकी कुछ ही कविताओं में दिखती हैं। उनकी ज़्यादातर कविताओं में अविचल जीवनराग, निडर राष्ट्रवाद और सकारात्मक आशावादी पुष्प खिले हुए हैं। ऐसे ही स्वर में उनकी कुछ पंक्तियां देखिए--"बाधाएँ आती हैं आएँ/घिरें प्रलय की घोर घटाएँ/पावों के नीचे अंगारे/सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ/निज हाथों में हँसते-हँसते/आग लगाकर जलना होगा/क़दम मिलाकर चलना होगा।÷ ये ऐसी पंक्तियां हैं जिनमें रक्त में ज्वाला भरने की शक्ति है और इन्हीं कविताओं में अटल जी का लौह व्यक्तित्व पूरी शिद्दत से हमारे समक्ष आता है। उनकी "कविता मौत से ठन गई" में उनके तेवर देखिए--"हर चुनौती से दो हाथ मैंने किये/आंधियों में जलाए हैं बुझते दिए/आज झकझोरता तेज़ तूफ़ान है/नाव भँवरों की बाँहों में मेहमान है/पार पाने का क़ायम मगर हौसला/देख तेवर तूफ़ाँ का, तेवरी तन गई/मौत से ठन गई।"

अटल जी की बहुत ही चर्चित कविता "दो अनुभूतियाँ" में दो विलोम भावनाओं की सटीक अभिव्यक्ति हुई है। पहली अनुभूति-- "गीत नहीं गाता हूँ/बेनक़ाब चेहरे हैं/दाग़ बड़े गहरे हैं/टूटता तिलिस्म आज/ सच से भय खाता हूँ/गीत नहीं गाता हूँ।"

दूसरी अनुभूति--"टूटे हुए तारों से फूटे बासंती स्वर/पत्थर की छाती मे उग आया नव अंकुर/झरे सब पीले पात/कोयल की कुहुक रात/प्राची मे अरुणिम की रेख देख पता हूँ/गीत नया गाता हूँ/टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी/अन्तर की चीर व्यथा पलको पर ठिठकी/हार नहीं मानूँगा,/रार नई ठानूँगा/काल के कपाल पे लिखता मिटाता हुन/गीत नया गाता हूँ।" अपनी एक और श्रेष्ठ कविता "न दैन्यं न पलायनम् " में कहते हैं--"कर्तव्य के पुनीत पथ को/हमने स्वेद से सींचा है/कभी-कभी अपने अश्रु और/प्राणों का अर्ध्य भी दिया है/किंतु अपनी ध्येय-यात्रा में/हम कभी रुके नहीं हैं/किसी चुनौती के सम्मुख/कभी झुके नहीं हैं/आग्नेय परीक्षा की

इस घड़ी में/आइए, अर्जुन की तरह/उद्घोष करें /‘न दैन्यं न पलायनम।’’

अंत में उनकी कविता "ऊँचाई" की कुछ प्रेरक दार्शनिक पंक्तियां देखिए, जिनमें वे भारत देश के वासियों के आव्हान करते हैं कि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आकाश छू लें, किंतु उनके कदम धरती पर जमे रहें--"धरती को बौनों की नहीं/ऊँचे क़द के इंसानों की ज़रूरत है/इतने ऊँचे कि आसमान छू लें/नए नक्षत्रों में प्रतिभा के बीज बो लें/किंतु इतने ऊँचे भी नहीं/कि पाँव तले दूब ही न जमे/कोई काँटा न चुभे/कोई कली न खिले।"

हास्य रचना : कब्रिस्तान में बारात

डॉ किशोर अग्रवाल

शादी विवाह केवल आसमान में तय नहीं होते नीचे भी शादी के जोड़े बनाने का धंधा जोरों पर है । पहले जो काम शौक से या बिरादरी में जिम्मेदारी समझकर किया जाता था इस सही जोड़े मिलाने के काम ने धंधे का रुख कब अख्तियार किया यह पता ही ना चला ।

हमीदा बी जब बेवा हुई तो उसने अपने जातीय तजुर्बे को देखते हुए इसी काम में हाथ आजमाने की ठानी । दो-तीन रिश्ते लगाए तो कुछ मुट्ठी गर्म हुई और धंधा चल निकला , उन्हें रिश्ते के लिए फोन आने लगे ।

एक दोपहर खाना खाकर हमीदा लेटी थी कि एक फड़कते हुए रिश्ते का फोन किस तरह उनकी हरारत दूर कर गया चलिए देखते हैं ।

उधर से - "हेलो मैं हमीदा आंटी से गुफ्तगू करना चाहता हूं।"

हमीदा- " हां बोलो मैं हमीदा ही बोल रही हूं ,तुम कौन बोल रहे हो और मेरा नंबर किसने दिया तुमको ?"

उधर से - "मेरी खाला की फुफुसे नंबर मिला मुझे आपका , आप रिश्ते लगाती हो ना?÷

हमीदा - "हां में रिश्ते लगाती हूं, कराती हूं मैं रिश्ते।"

उधर से - "वही तो, आंटी में रिश्ते के वास्ते ही फोन किया आपको।" हमीदा - "हां बोलो बोलो कैसा रिश्ता ढूंढ रहे हो और तुम हो कौन?"

उधर से - "मैं इत्तेफाक अली बोल रहा हूं ,यही मेरा नाम है।"

हमीदा - "इत्तेफाक से ही हो गए क्या मियां ;बताओ कैसा रिश्ता होना तुमको ?"

इत्तेफाक- " मैं अपने लिए ही रिश्ता देख रहा हूं ।"

हमीदा - " कितनी उम्र हो गई तुम्हारी ?"

इत्तेफाक -"35 साल का हो गया हूं मैं ।"

हमीदा-" उम्र तो ज्यादा ही लग रही है मियां पर ठीक है बोलो कैसी बीवी चाहते हो ,कैसा रिश्ता चाहिए तुमको ,तुम काम क्या करते हो जी?

इत्तेफाक - " मैं कफन का काम करता हूं , हां हां कफन का पूरा काम करता हूं ।

ए टू जेड सब चीज मिलती है कफन की मेरे दुकान पर। एक भी चीज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है। अल्हम्दुलिल्लाह बढ़िया चलता है मेरा काम ,कभी खत्म होने वाला काम नहीं है ,यहां लोगां आते हैं जाते हैं अपुन का धंधा बराबर चलता रहता है । अभी-अभी तो मैं बढ़िया घर भी बना लिया हूं दो मंजिल का मस्त ।"

हमीदा - "कफन बेच बेचकर घर बना लिए मियां?"

इत्तेफाक - "हओ उसी से बनाया आंटी , कोरोना के टाइम जरा ज्यादा काम हुआ तो उसी के मुनाफे से बनाया , जो भी हो जाए मेरा धंधा चलता ही रहता है ।"

हमीदा - "अच्छा तुम्हारे अब्बू क्या करते हैं ?÷

इत्तेफाक - "वालिद मेरे कबर खोदते हैं, मेरी ही लाइन का काम है। अंजुमन कमेटी के पीछे वाले बड़े कब्रिस्तान में सारी कबरें उन्हीं की खोदी हुई हैं, वह खुद तो सुपरवाइजर की पोजीशन पर आ गए हैं, उनके नीचे सब बच्चे रखे हैं उन्होंने , वे बड़ी बढ़िया कबर खोदते हैं।

हमीदा - "और तुम्हारी अम्मी? वे भी क्या तुम्हारे इसी धंधे में है?" इत्तेफाक - "हओ वह तो हाउसवाइफ हैं पर बचे समय में फूलों की माला बनाती हैं जो कब्र पर डाली जाती है ।"

हमीदा - "तुम्हारा पूरा खानदानी ही इसी धंधे में है क्या ?"

इत्तेफाक - "हां मेरे चाचा लोग भी दूसरे कब्रिस्तान में कब्र ही खोदते हैं डिवाइड कर लिए हम लोग वे हमारे साइड नहीं आते हम उनके साइड नहीं जाते3। लड़ाइयां वगैरह कुछ नहीं बढ़िया समझदार तरक्की पसंद खानदान है हमारा ।"

हमीदा - "ऐसे रिश्ते के लिए कौन अपनी लड़की देगा भाई?"

इत्तेफाक - " देखो आंटी रिश्ता तो चाहिए , शादी तो करनी है मेरे को, पढ़ी-लिखी हो तो अच्छा है ,कबर के ऊपर नाम लिखने का काम करेगी , पढ़ी-लिखी नहीं हो तो रूदाली का काम मिल जाएगा।" हमीदा - "ऐसा क्या , लड़की को भी तुम लोग यही काम कराओगे ?"

इत्तेफाक - "ऐसा कोई जरूरी भी नहीं है , वह चाहेगी तो करेगी नहीं तो घर बैठे खाएगी। मौतों की इतनी दावतें आती हैं कि घर में पकाना तक नहीं पड़ेगा । कोई टेंशन नहीं होगी उसको , आप तो रिश्ता देखो आंटी । मेरे रिश्तेदारों के भरोसे तो मेरी शादी होने से रही। मेरी तो उम्र ही निकल जाएगी ।"

हमीदा - "कौन देगा ऐसे लोगों को लड़की ?"

इत्तेफाक - "आंटी आप कोशिश करो ना प्लीज , मेरा वादा है आपसे कि जब आपका इंतकाल होगा मैं आपकी हर चीज फ्री करके दूंगा, अब्बू को भी फ्री में कबर खोदने को बोल दूंगा ।"

हमीदा - " माटी मिले , मेरी मौत और इंतकाल की बात करता है, रिश्ता करने की एवज में मेरी मौत के सपने देख रहा है । कभी मेरे नंबर पर दोबारा फोन मत करना ।"

कैसे-कैसे लोगां आ गए दुनिया में , देखो तो खुद के धंधे मौत मिट्टी से चल रहे हैं और इनको शादी भी कराना है , दिन ही खराब था। नींद भी खराब की और दिमाग भी । बड़बड़ाते हुए हमीदा ने फोन जमीन पर दे मारा ।

बड़ी अर्थव्यवस्था तैयार करता सौर ई : अपशिष्ट

विकास शर्मा

विगत दिनों के दो समाचारों ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचा है। पहला देश में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता 132 गीगावॉट को पार करने की और दूसरा रायपुर नगर निगम ने 310 टन ई-कचरा बेचकर ढाई करोड़ रूपए से अधिक कमाए। इस कचरे में सोना,चांदी, तांबा, एल्यूमिनियम समेत कई अन्य धातुएं थीं। गौर करने वाली बात है कि देश में ऊर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है और अनुमान के मुताबिक 2032 तक अधिकतम मांग 388 गीगावॉट होगी। भारत में अगले 30 वर्षों में वैश्विक औसत से डेढ़ गुना तेजी से ऊर्जा खपत बढ़ने की संभावना है। शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा पर ही सभी बल दे रहे हैं। इसमें सबसे अधिक जोर सौर ऊर्जा पर है।सीईए की रिपोर्ट के अनुसार देश में 2032 तक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 366 गीगावॉट और 2050 में 1700 गी.वॉ होगी। ऊर्जा सबलता की दिशा में बढ़ते विश्व और विशेषकर भारत के लिए सौर - ई अपशिष्ट एक चुनौती है और साथ ही आने वाले दिनों में बड़े अवसर पैदा करेगा।

सौर ई -अपशिष्ट का बढ़ता ग्राफ

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक है और साथ ही ई- अपशिष्ट उत्पादन के मामले में भी तीसरे स्थान पर है। विश्व में 2022 में 62 लाख मीट्रिक टन ई-कचरा उत्पादित हुआ जो 2030 तक 82 लाख मीट्रिक टन तक पहुँचने जा रही है। इसी प्रकार आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की रिपोर्ट का अनुमान है कि देश में 2023-24 में ही 17.51 लाख मीट्रिक टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ है। सौर पैनलों के बढ़ते उपयोग और भविष्य की योजना को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की एक कमेटी का अनुमान है कि वर्ष 2023 में जो 10 हजार मीट्रिक टन सौर-ई अपशिष्ट था वह 2030 में 34 हजार मीट्रिक टन और 2050 तक यह 1.9 लाख मीट्रिक टन तक जा पहुँचेगा। सौर ई-अपशिष्ट के मामले में राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडू और आँध्रप्रदेश आगे हैं।

सौर ई -अपशिष्ट का हिस्सा अहम धातु

आज देश में ई कचरा और उसमें भी सोलर पैनलों से उत्पन्न होने वाला सौर ई-कचरा चिंता का विषय है। भारत में सिलिकान आधारित सोलर पैनल अधिक उपयोग में आते हैं जिसके

अपशिष्ट में काँच के साथ ही कई महत्वपूर्ण धातु होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक इनमें लिथियम, सीसा, पारा, कैडमियम सिलिकॉन, तांबा, टेरेरियम, काँच, एल्युमिनियम आदि प्रमुख हैं। सौर ई-कचरे में सीसा,पारा और कैडमियम खतरनाक धातु भी हैं साथ ही कई महत्वपूर्ण एवं क्रिटिकल मिनरल की श्रेणी में शामिल हैं। अध्ययन के मुताबिक एक मेगावॉट सौर मॉड्यूल में लगभग 65 टन का वजन होता है और इसी के अनुपात में इसके कचरे का अनुमान लगाया जा सकता है।

उदासीनता से बढ़ेगा संकट

सौर ई-कचरे का निपटान एक चुनौती है और इसे लेकर उदासीनता आने वाली पीढ़ी के लिए संकट का कारण। 34 हजार मीट्रिक टन सौर ई ङ्ककचरे में से 1000 टन सिलिकॉन, 12-18 टन चांदी और 16 टन कैडमियम एवं टेलेरियम शामिल हैं। ई-कचरे में जिस प्रकार से खतरनाक धातु मिश्रित हैं इनके खुले में रहने से जल,मिट्टी एवं वायु प्रदूषण की आशंका है। ग्रीन हाऊस गैस का उत्सर्जन समेत कई अन्य खतरे भी बढ़ेंगे। सोलर पैनल के एल्यूमिनियम और सीसा से जल एवं मिट्टी का प्रदूषण होता है। इन धातुओं से प्रदूषित होने का मतलब है मानव जीवन समेत अन्य जीव जंतुओं के लिए अस्तित्व का संकट। कैंसर से लेकर न्यूरोलॉजिकल एवं स्वसन संबंधी समस्याओं के बढ़ने की आशंका भी रहती है। सीसा,पारा और कैडमियम इनमें हानिकारक धातु हैं जिनकी अनदेखी मानव जीवन के लिए घातक ही होगी।

सौर ई- कचरा प्रबंधन और कानून

देश ही नहीं विश्वभर में सौर ऊर्जा उत्पादन के विस्तार के साथ सौर ई-कचरा चिंता का विषय बना है और सरकारों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। सौर पैनल की आयु 25-30 वर्ष तक अनुमानित है। असल में पैनल के 80 प्रतिशत तक क्षमता से सौर ऊर्जा उत्पादन होने को ही पैनल का जीवन माना जाता है उसके बाद यह अपशिष्ट का हिस्सा बन जाता है। इस अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन एवं निपटान पर विश्वभर में लगातार शोध और जमीनी तौर पर प्रयास साथ ङ्क साथ चल रहे हैं। सौर ई - अपशिष्ट का तीन स्तर पर निपटान किया जा रहा है जो वेस्ट रिसाइकिल पर केन्द्रित है। भारत में बड़े सौर ऊर्जा उत्पादकों यथा एनटीपीसी, अडानी पॉवर, टाटा पॉवर, रिलायंस एनर्जी समेत कुछ अन्य शासकीय एवं निजी क्षेत्र की कंपनियाँ अपने स्तर पर इस ई-अपशिष्ट का निपटान करने का प्रयास कर रही हैं। इन सबके बावजूद ऐसे प्रयासों का अब लोकव्यापीकरण करने की आवश्यकता है। आईआरएनए के मुताबिक सौर पैनलों का 90 प्रतिशत तक रिसाइकिल किया जा सकता है। सरकार ने पर्यावरण संरक्षण कानून के अंतर्गत ई ङ्क अपशिष्ट प्रबंधन नियम ङ्क 2022 बनाया जिसमें विशेषकर सौर ई- अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी प्रावधानों को शामिल किया गया। इसका फोकस टेक , मेक , वेस्ट से आगे रीपेयर, रीयूज़ एंड रिपीट के माध्यम से पुनर्चक्रण पर है।

रोजगार सृजन का बड़ा क्षेत्र

ग्राउंड माउंटेड हो या रूफटॉप दोनों प्रकार के सौर पैनल अब देश में तेजी से बढ़ रहे हैं। ई ङ्ककचरा प्रबंधन एक चुनौती होने के बावजूद रोजगार सृजन की बड़ी संभावना लेकर आया है। यह अगले दो दशक में भारत के अंदर 3700 करोड़ रूपए की अर्थव्यवस्था तैयार करेगा। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की इनेबलिंग सर्कुलर इकोनॉमी इन इंडियाज़ सोलर इंडस्ट्री विषयक रिपोर्ट में बताया गया है कि ई-अपशिष्ट का प्रबंधन सर्कुलर इकोनामी को बढ़ावा देने वाला है। रीसाइक्लिंग के माध्यम से प्राप्त कीमती धातुओं के साथ अन्य सामग्री का विभिन्न निर्माण उद्योगों में कच्चे माल के रूप में उपयोग हो सकता है। एकत्रीकरण, परिवहन एवं पुनर्चक्रण की इस व्यापक प्रक्रिया में रोजगार की बड़ी संभावना है। स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स के अनुसार देश में 10 लाख लोगों को अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है और अगले दस वर्ष के अंदर 30-35 लाख अतिरिक्त रोजगार इस क्षेत्र में सृजित होने का अनुमान है। छ्त्तीसगढ़ भी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। शासन की विभिन्न योजनाओं से प्रोत्साहित हो निजी और उद्योग जगत की भागीदारी से सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ा है। ऐसी स्थिति में भविष्य की चुनौतियों के लिए भी छत्तीसगढ़ तैयार होगा इसके संकेत रायपुर नगर निगम द्वारा ई-कचरे के पुनर्चक्रण के जरिए मिले हैं।

सूर्य की उपासना और नव-चेतना का पर्व

उमा त्रिवेदी

भारत विविधताओं का देश है, जहाँ हर त्योहार प्रकृति के साथ हमारे गहरे संबंध को दर्शाता है। इन्ही में से एक प्रमुख पर्व है मकर संक्रांति। आमतौर पर यह पर्व प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है, तो इस खगोलीय घटना को ‘मकर संक्रांति’ कहा जाता है। इस पर्व का धार्मिक और आध्यात्मिक दोनों ही दृष्टि से देखा जाए तो महत्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है । हिंदू धर्म में मकर संक्रांति को ‘देवताओं का दिन’ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं, जो पिता-पुत्र के प्रेम का प्रतीक है। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए ‘उत्तरायण’ (सूर्य का उत्तर की ओर झुकाव) का ही प्रतीक्षा की थी, क्योंकि माना जाता है कि इस समय शरीर त्यागने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से, इस दिन से सूर्य उत्तरायण की ओर गति करना शुरू करता है। इसके परिणामस्वरूप दिन लंबे और रातें छोटी होने लगती हैं। यह समय ऋतु परिवर्तन का संदेश देता है; कड़ाके की ठंड धीरे-धीरे कम होने लगती है और वसंत के आगमन की सुगबुगाहट शुरू हो जाती है। खेती-किसानी की दृष्टि से भी यह नई फसल के स्वागत का समय होता है।

दान और खान-पान की परंपरा

मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का विशेष महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार, सर्दियों में तिल और गुड़ का सेवन शरीर को ऊर्जा और गर्माहट प्रदान करता है। ‘तिल-गुड़ घ्या आणि गोड-गोड बोला’ की कहावत सामाजिक समरसता और मधुर संबंधों पर जोर देती है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, खिचड़ी का सेवन और दान-पुण्य करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि हम सांस्कृतिक विविधता की दृष्टि से देखे तो एक देश, अनेक नाम। यह पर्व पूरे भारत में अलग-अलग नामों और रिवाजों के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे ‘खिचड़ी’ या ‘मकर संक्रांति’ कहते हैं, जहाँ पतंगबाजी का विशेष उत्साह रहता है। पंजाब में यहाँ एक दिन पहले ‘लोहड़ी’ के रूप में अग्नि पूजन किया जाता है। तमिलनाडु में इसे ‘पोंगल’ के रूप में फसल उत्सव की तरह मनाया जाता है। असमः यहाँ इसे ‘माघ बिहू’ कहा जाता है। वही गुजरात में उत्तरायण’ के नाम से प्रसिद्ध, यहाँ का अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव विश्वभर में विख्यात है। अर्थात हम कह सकते हैं कि मकर संक्रांति का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सिखाता है कि जिस प्रकार सूर्य निरंतर आगे बढ़ता है, हमें भी अपने जीवन के विकारों को त्याग कर प्रेम, मिठास और दानशीलता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपको मिश्रित फल प्रदान करेगा। आज कार्य व्यस्तता अधिक रहने से थकान एवं शारीरिक शिथिलता अनुभव होगी आज जिस कार्य को करना चाहेंगे।

वृष : आज का दिन आपको मध्यम फलदायक रहेगा। प्रातः काल से ही स्वास्थ्य सामान्य रहने पर भी आलस्य अधिक रहेगा।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए अशांत रहेगा। दिन के पहले भाग में ही किसी परिजन या रिश्तेदार से तीखी झड़प होने के आसार बनेंगे आपका स्वभाव शांत रहेगा लेकिन व्यवहार की लापरवाही कलह कराएगी।

कर्क : आज का दिन आपको धनलाभ कराएगा। आज दिन भर शारीरिक एवं मानसिक स्फूर्ति बनी रहेगी जसका सीधा असर कार्यो में देखने को मिलेगा। लंबी यात्रा की योजना आज मन मे ही रह जायेगी।

सिंह : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वभाव से संतोषि रहेंगे जिससे किसी भी कार्य को देखभाल कर ही करेंगे जोखिम लेने से आज हानि भी हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा से थकान होगी।

कन्याः आपका आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। आज दिन भर स्वास्थ्य बना रहेगा लेकिन विपरीत लिंगीय और अनैतिक कार्यो के प्रति आकर्षण आज कुछ अधिक ही रहेगा विवेक से काम ले अन्यथा जहाँ से सम्मान मिलना है।

तुलाः आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल फलदायक रहेगा। शारीरिक रूप से दिन उतार चढ़ाव वाला रहेगा सेहत पल पल में बनती बिगड़ती रहने से कार्यो के प्रति उत्साह नही बना पाएंगे।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आज आपकी दिनचार्य योजना बद्ध नही रहेगी जो भी कार्य करेंगे।

धनु : आज का दिन आपके लिये कार्यसफलता वाला रहेगा बीते दिनों से जिस कार्य को लेकर भागदौड़ कर रहे थे आज उसके पूर्ण होने से आय के नए मार्ग खुलेंगे।

मकर : आज का दिन आपके लिये मिला-जुला फल देगा। दिन के आरंभिक भाग में सुस्ती रहेगी मध्यान के समय ही कार्यो को थोड़ी बहुत गंभीरता से लेंगे कार्य क्षेत्र पर अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से आपका स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है। दिन के आरंभ से ही कार्य के प्रति उत्साह की कमी रहेगी।

मीन : व्यापारिक दृष्टिकोण से आज का दिन आपको शुभफलदायक रहेगा। कार्य क्षेत्र पर सुव्यवस्था रहने से लोगो को शीघ्र आकर्षित कर लेंगे अन्य लोगो की तुलना में आपका काम अधिक पसंद किया जाएगा।

QUIZ TIME

1) भारत के किस राज्य में आदि पेरूक्कु मानसून महोत्सव मनाया जाता है जिसमें देवी पार्वती की पूजा भी शामिल है?

2) दरूबरू मिस्टर इंडिया प्रतियोगिता यह दुनिया में पुरुषों के लिए सबसे बड़ी और सबसे सम्मानित प्रतियोगिता है। यह प्रतियोगिता किस राज्य में मनाया जाता है?

3) दिल्ली में स्थित जंतर-मंतर का निर्माण किसने करवाया था?

4) ओडिशा के संबलपुर में समलेई मंदिर परियोजना का उद्घाटन हाल ही में किसके द्वारा किया गया?

5) भारतीय सेना की पहली महिला सूबेदार हाल ही में कौन बनीं हैं?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) तमिलनाडु (2) गोवा (3) जयपुर के राजा सवाई जयसिंह (4) प्रधानमंत्री मोदी (5) प्रीति रजक

मनरेगा कानून में सुधार के नाम पर मोदी सरकार ने खत्म कर दी रोजगार की गारंटी:कांग्रेस

■ ग्रामीण श्रमिकों से छीना काम का अधिकार, फायदा कुछ नहीं, सिर्फ झांसा : कुंवर सिंह निषाद

■ तीन काले कृषि कानूनों की तरह मनरेगा में बदलाव से ग्रामीणों को नहीं मिलेगा लाभ

दुर्ग/ नवप्रदेश। मनरेगा कानून में परिवर्तन को श्रमिक विरोधी कदम बताते हुए कांग्रेस ने अगले डेढ़ माह तक लगातार आंदोलन का ऐलान किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर दुर्ग में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, मनरेगा आंदोलन प्रभारी राजेंद्र साहू, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार किये। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश भर के 12 करोड़ मनरेगा मजदूरों के अधिकारों को कुचल कर रख दिया है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दुर्ग शहर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकीवाल, भिलाई कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, नीता लोधी, पूर्व सभापति राजेश यादव, अय्यूब खान सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

विधायक कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि मनरेगा योजना में किया गया बदलाव महात्मा गांधी के आदर्शों पर कुठाराघात है, मजदूरों के अधिकारों को सीमित करने वाला निर्णय है। मोदी सरकार ने लोकसभा में बिल पास कर दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है। गरीब मजदूरों से काम का अधिकार छीनने की जान-बूझकर की गई कोशिश है। मनरेगा योजना संविधान के आर्टिकल 21 से मिलने वाली अधिकारों पर आधारित गारंटी थी।

मनरेगा बचाओ संग्राम प्रभारी प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा कि मनरेगा योजना दो दशकों से करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए लाइफलाइन रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह ग्रामीणों के आर्थिक आधार को मजबूती देता रहा। इसे खत्म कर नया बीवी जीरामजी लागू कर ग्रामीण श्रमिकों के काम के अधिकार को समाप्त कर दिया गया है। मोदी सरकार के काले कृषि कानूनों की तरह इस योजना से भी ग्रामीण मजदूरों को कोई लाभ नहीं मिलेगा।

दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि अभी तक मनरेगा के तहत रोजगार की गारंटी थी। अब इस योजना को चलाना या न चलाना सरकार की मर्जी पर निर्भर होगा। राकेश ने दुर्ग जिले के आंकड़े बताते हुए कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के दौरान मनरेगा के तहत 42 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य था। पिछले साल इसे घटाकर 32 लाख मानव दिवस कर दिया गया। इस साल सिर्फ 18 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य दिया गया है। जिले में सक्रिय मनरेगा मजदूरों की संख्या डेढ़ लाख है। वर्तमान में मनरेगा के तहत जिले के मात्र 10 हजार मनरेगा मजदूरों को काम मिल रहा है। पूर्व के वर्षों में इस सीजन में 40 से 50 हजार मजदूरों को काम मिलता था। काम न मिलने पर ग्रामीण मजदूर काम की तलाश में छत्तीसगढ़ से पलायन करने पर मजबूर होंगे।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और जिला कांग्रेस भिलाई अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि मनरेगा के तहत 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती थी।

अब केंद्र सिर्फ 60 प्रतिशत राशि देगी। राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब है। जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही मनरेगा योजना बंद होती जाएगी। 100 दिन से 125 दिन का रोजगार केवल सरकार की चालाकी है। छत्तीसगढ़ के 70 प्रतिशत गांव में भाजपा की सरकार आने के बाद से अघोषित तौर पर काम नहीं दिया जा रहा है। मोदी सरकार बनने के बाद पिछले 11 सालो में मनरेगा में काम देने का राष्ट्रीय औसत मात्र 38 दिनों का है। मोदी सरकार के कार्यकाल में कभी भी 100 दिन काम नहीं दिया गया।इसी तारतम्य में 11 जनवरी से मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू होगा। रविवार को गांधी प्रतिमा के सामने कांग्रेसी एक दिवसीय उपवास रखकर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस में अल्ताफअहमद, नासिर खोखर, हरीश ठाकुर, पालेश्वर ठाकुर, सुशील भारद्वाज, मोहित वाल्दे, करीम खान, पोषण साहू, भोला महोबिया, विजेंद्र भारद्वाज, प्रेमलता साहू, निकिता मिलिंद, लोचन यादव, धर्मेंद्र साहू, घनश्याम साहू सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे ।

कदम संस्था का महापौर बीजारोपण महोत्सव आज

दुर्ग/ नवप्रदेश। सामाजिक संस्था कदम द्वारा महापौर बीजारोपण महोत्सव का आयोजन 11 जनवरी को बीआईटी कॉलेज में किया जाएगा। कदम संस्था के सदस्यों ने आज महापौर अल्का बाघमार से मुलाकात कर अंस रोपण को लेकर जानकारी दी। इस दौरान एमआईसी देवनारायण चंद्राकर, लीना देवांगन, नीलेश अग्रवाल, सरिता साहू, ललिता ठाकुर, लोकेश्वरी ठाकुर व कदम संस्था के सदस्यगण मौजूद रहे।

महापौर अलका बाघमार ने बताया कि (अंस) बीज रोपण निःशुल्क है। स्कूल के टीचर व बच्चों के संपर्क में रहते हुए उनसे वर्तमान में बीज से बनते पौधे की स्थिति का जायजा लिया जाता है। जिन बच्चों को बीज की आवश्यकता है उन्हें फिर से बीज के पैकेट्स दिये गये हैं। ताकि बीजारोपण महोत्सव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले सकें और अपने पौधे के माध्यम से पुरस्कार प्राप्त कर सकें। विकसित पौधों का छात्रवार पंजीयन किया जाएगा और बीजरोपण महोत्सव एक ऐतिहासिक व अभिनव नवाचार के रूप में याद रखा जाएगा।

अंस बीजारोपण का उद्देश्य का यह है कि बाल अवस्था से ही बच्चों के स्वभाव में प्रकृति के प्रति लगाव हो। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि बच्चों के द्वारा रोपे गए बीज से 15-20 दिनों बाद पौधा अंकुरित होता है, जिसे बच्चा पालता-पोसता और बड़ा करता है। इस दरम्यान विद्यार्थी में बीजारोपण के माध्यम से सृजन, धैर्य और देखरेख के साथ जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।इस अभियान में सभी बच्चों, शिक्षको और पालकों से सहयोग की अपील की गई है। बीजारोपण अभियान में अपने विकसित पौधों को लेकर आने वाले बच्चों को सम्मान पत्र, उपहार से सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान लक्की ड्रॉ के माध्यम से विशेष पुरस्कार दिया जायेगा।

रूआबांधा मैदान पर आवास निर्माण के विरोध में पांचवे दिन भी धरना

■ यहां की बस्ती के निवासी लगातार आवास योजना को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

भिलाई/ नवप्रदेश।। रिसाली नगर निगम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा तालपुरी ब्लॉक-3 के तहत आवासीय व व्यावसायिक परिसर निर्माण की योजना का विरोध पांचवे दिन भी जारी रहा। यहां की बस्ती के निवासी लगातार आवास योजना को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। निवासियों का कहना है कि सरकारी योजना की आड़ में उनके वर्षों पुराने घरों को तोड़ा जा रहा है। उनकी बसाहट उजाडने की तैयारी की जा रही है।

बस्तीवासियों ने कहा कि उन्होंने अपने संसाधनों से मकान बनाए हैं। राजेंद्र प्रसाद चंदन, राजेंद्र रजक सहित अन्य प्रभावितों का कहना है कि अधिकांश लोग गरीब तबके से हैं। उन्हें वर्ष 1998 में आवासीय पट्टा दिया गया था, जिसके बाद कई परिवारों ने अपने सीमित संसाधनों से मकान बनाए थे। यहां 57 घरों को तोडने की तैयारी की जा रही है।

वर्ष 2015 में यहां 25 से 30 सीटर सुलभ शौचालय का निर्माण किया गया था, जिसे अब निर्माण कार्य के लिए तोड़ा जा रहा है। रुआंबांधा का मैदान बस्ती के बच्चों के खेलने का एकमात्र स्थान है। यहीं पर साप्ताहिक बाजार लगता है और मंदिर भी स्थित हैं। सर्व समाज संस्था रूआबांधा व समस्त महिला संगठन की ओर से प्रभावित परिवारों ने मांग करते हुए कहा कि सरकार अपने निर्णय पर पुनर्विचार करे। नोटिस वापस लेकर यथास्थिति बनाए रखे। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।इधर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल वृत्त के उपायुक्त आरके राठौर ने बस्तीवासियों के आरोपों को भ्रामक बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएसपी से गृह निर्माण मंडल ने यह जमीन खरीदी थी। यहां पर तालपुरी भिलाई में ब्लॉक-सी का निर्माण विधिवत लेआउट प्लान, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की स्वीकृति, भवन अनुज्ञा और रेरा पंजीकरण के बाद नियमानुसार शुरू किया गया है। परियोजना के तहत करीब 150 से 200 परिवारों ने घर खरीदने के लिए पंजीयन कराया है, जिन्हें समय सीमा के भीतर मकान उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इस योजना में कमजोर एवं निम्न आय वर्ग से लेकर मध्यम आय वर्ग तक के हितग्राहियों के लिए आवास शामिल हैं।

राठौर का कहना है कि प्रस्तावित आवासीय निर्माण की जमीन पर सिर्फ 18 घर अतिक्रमण की जद में आते हैं। 57 घर तोड़े जाने की बात सही नहीं है। सीमांकन के बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया गया है। फिलहाल सामने की खाली जमीन पर ही काम किया जाएगा। 18 घरों को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट के आदेश के बिना किसी भी प्रकार की तोडफ़ोड़ नहीं की जाएगी। न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

गृह निर्माण मंडल के अनुसार, रूआबांधा मैदान में प्रस्तावित योजना के तहत 3.75 एकड़ भूमि पर कुल 321 यूनिट का निर्माण किया जाना है। इसमें 280 आवासीय और 41 व्यावसायिक परिसर शामिल हैं। इस परियोजना को 2 से 3 सालों के अंदर पूर्ण कर हितग्राहियों को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल बैरिकेडिंग कर निर्माण कार्य की तैयारी शुरू कर दी गई है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन

भिलाई / नवप्रदेश। सेल-बीएसपी के राजभाषा विभाग द्वारा 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार और विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जेएन ठाकुर उपस्थित रहे। समारोह में ऑनलाइन माध्यम से संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारीगण, मुख्य महाप्रबंधकगण, समस्त विभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारीगण सहित हिंदी प्रेमी व हिंदी सेवी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य रेपिड एंड ब्लिट्ज फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 24 से

भिलाई / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य रैपिड एंड ब्लिट्ज फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन 24 व 25 जनवरी को अग्रसेन भवन सेक्टर-6 भिलाई में किया जाएगा। प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का आयोजन जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा अग्रसेन जनकल्याण समिति के सहयोग से किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमंत खुटे और जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने बताया कि प्रतियोगिता में आकर्षक नगद पुरस्कार, ट्रॉफी और शतरंज साहित्य प्रदान किए जाएंगे। रैपिड शतरंज स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 15,000 नगद व ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार 11,000 नगद और ट्रॉफी, तृतीय पुरस्कार 7,000 नगद व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। चतुर्थ पुरस्कार 5000 नगद और ट्रॉफी, पंचम पुरस्कार 3000 नगद व शतरंज साहित्य, षष्ठम पुरस्कार 2000 नगद व शतरंज साहित्य, सप्तम से दशम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को 1500 - 1500 रुपए नगद पुरस्कार के साथ शतरंज साहित्य देकर सम्मानित किया जाएगा।

गुरुदेव सोहनलाल बापजी का 12 जनवरी को समाधि दिवस

दुर्ग / नवप्रदेश। चालीसगांव महाराष्ट्र के संत गुरुदेव सोहनलाल बापजी के 25 वें समाधि दिवस पर 12 जनवरी को श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर सुबह 10.30 बजे महाआरती की जाएगी। गुरुदेव के जीवन पर आधारित कथा और भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। दोपहर में महाप्रसादी (भंडारा) का वितरण किया जाएगा। समस्त धार्मिक कार्यक्रम भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में आयोजित किए गए हैं। समाधि दिवस पर दुर्ग जिले के अलावा प्रदेश भर से श्रद्धालु जुटते हैं। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव के प्रमुख रमेश कुमार जैन व पायल जैन ने यह जानकारी देते हुए गुरुदेव के समाधि दिवस पर श्रद्धालुओं से शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

सेल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर सेल 24 को

भिलाई / नवप्रदेश। सेल-बीएसपी के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा सेल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'रन फॉर सेल' 24 जनवरी को सुबह 8 बजे से जयंती स्टेडियम इंदिरा प्लेस, भिलाई में 5 किलोमीटर पैदल चाल/दौड़ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य सेल परिवार के सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, फिटनेस व खेल भावना को प्रोत्साहित करना है।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली श्रेणियों को सेल प्रशासनिक कार्यालय द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक के अनुसार बालिका/महिला एवं बालक/पुरुष वर्ग में विभाजित किया गया है। बालिका/महिला वर्ग में कक्षा छठवीं तक, कक्षा सातवीं से बारहवीं तक, बारहवीं से 45 वर्ष तक, 46 वर्ष से 60 वर्ष तक और भूतपूर्व कर्मचारी (सेवानिवृत्त) श्रेणियाँ शामिल हैं। बालक/पुरुष वर्ग में भी कक्षा छठवीं तक, कक्षा सातवीं से बारहवीं तक, बारहवीं से 45 वर्ष तक, 46 वर्ष से 60 वर्ष तक तथा भूतपूर्व कर्मचारी (सेवानिवृत्त) श्रेणियाँ निर्धारित की गई हैं।

सड़क पर कटार लेकर बर्थडे-सेलिब्रेशन, नाबालिग निकले आरोपी, केस दर्ज

भिलाई / नवप्रदेश। सड़क के बीच कटार से केक काटकर बर्थडे सेलिब्रेशन करने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। छावनी थाना इलाके के कैम्प 2 भिलाई स्थित बैकुण्ठ धाम तालाब के पास कुछ युवक हाथों में धारदार कटार लेकर सड़क पर केक काट रहे थे। हाथों में पटाखे लेकर आतिशबाजी कर रहे थे। इसका वीडियो वायरल हुआ।छावनी थाना में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक विनय रजक ने बताया कि वीडियो 9 जनवरी को पुलिस के संज्ञान में आया। घटना रात करीब 1 बजे से 2 बजे के बीच की है। वीडियो के अनुसार सार्वजनिक मार्ग पर वाहन खड़ा कर जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान हथियारों का प्रदर्शन और पटाखों की आतिशबाजी की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर छावनी थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सड़क पर चाकू और कटार के साथ केक काटने और आतिशबाजी करने वाले ज्यादातर युवक नाबालिग हैं। छावनी सीएसपी प्रशांत कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई है। वे नाबालिग पाए गए हैं। मामला दर्ज कर सभी के सामाजिक पृष्ठभूमि की जानकारी जुटाई जा रही है। नाबालिग होने के कारण कानून के तहत विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

फिल्टर प्लांट में लगेगा नया मोटर पंप

- गर्मी से पहले दुर्ग की वाटर सप्लाई व्यवस्था होगी मजबूत

दुर्ग/ नवप्रदेश। आगामी गर्मी के सीजन में शहरवासियों को जलसंकट से राहत दिलाने नगर निगम ने वाटर सप्लाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने की ठोस योजना तैयार कर ली है। इस बार गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत न होने देने इंटकवेल और फिल्टर प्लांट में नए मोटर पंप लगाए जाएंगे।

नगर निगम के जल विभाग के अफसरों ने बताया कि इंटकवेल में 120-120 एचपी क्षमता के दो नए मोटर पंप स्थापित किए जाएंगे, जिससे कच्चे पानी की आपूर्ति क्षमता में वृद्धि होगी। फिल्टर प्लांट में 97.33 लाख रुपये की लागत से एक अतिरिक्त मोटर पंप लगाया जाएगा, ताकि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

मोटर पंपों की खरीदी के लिए शासन से 29 अगस्त 2025 को स्वीकृति मिल चुकी है। तकनीकी परीक्षण व निविदा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर तकनीकी विशिष्टताओं में आवश्यक सुधार किए गए हैं। सक्षम स्वीकृति में विलंब के कारण निविदा प्रक्रिया को दोबारा प्रारंभ किया गया है, जिसे जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होते ही मोटर पंपों की स्थापना का कार्य तेज़ी से किया जाएगा। निगम के इन प्रयासों से नागरिकों को इस वर्ष जल संकट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

महापौर अलका बाघमार ने आगामी गर्मी के सीजन से लोगों को जलसंकट की समस्या से निजात दिलाने के लिए मोटर पंप खरीदी का प्रस्ताव शासन को भेजा। शासन ने 3 पंप के लिए राशि स्वीकृत की। 1.94 करोड़ की लागत से इंटकवेल में 120-120 एचपी के दो मोटर पंप लगाए जाएंगे। फिल्टर प्लांट में 97.33 लाख की लागत से एक मोटर पंप लगाया जाएगा।

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि इंटकवेल और फिल्टर प्लांट के लिए तीन मोटर पंप खरीदे जाने है। निविदा शर्तों की स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है।

बीएसपी में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारी पुरस्कृत

'शाबाश' श्रेणी -2 के अर्धवार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भिलाई / नवप्रदेश। सेल-बीएसपी में कर्मचारियों के सकारात्मक योगदान, नवाचारपूर्ण कार्य संस्कृति और सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'शाबाश' श्रेणी - 2 अर्धवार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संयंत्र भवन में किया गया। समारोह के माध्यम से संयंत्र की उत्पादकता, सुरक्षा और उत्कृष्ट कार्य करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार ने पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र व उपहार प्रदान कर उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन की सराहना की। कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने संयंत्र में सुरक्षित कार्य परिस्थितियों के महत्व पर विशेष बल दिया। सभी कर्मचारियों से सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और यह सतत व स्थायी उत्पादकता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उतई में नशीली दवाओं की खरीदी-बिक्री करने वाले 3 गिरफ्तार

उतई / नवप्रदेश।। पुलिस ने नशीली दवाओं के अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए उतई में 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से ट्रामाडोल युक्त प्रतिबंधित नशीली टैबलेट की बड़ी खेप बरामद की गई है। ग्राम सेलुद स्थित धान मंडी के पास आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उतई थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नीले रंग की बाइक पर सवार कुछ युवक धान मंडी के पास नशीली टैबलेट बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। जिसमें त्रिलोकी यादव (27), निवासी ग्राम सेलुद सतनामी पारा, थाना उतई जिला दुर्ग, चेमन विश्वकर्मा (20) और हकीम खान (24), दोनों निवासी इंदिरा नगर कुरूद, थाना कुरूद जिला धमतरी शामिल हैं।

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने भाजपा संगठन चलाएगा जनजागरण अभियान

दुर्ग/ नवप्रदेश। जिला भाजपा की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने जनजागरण का आव्हान किया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में अनुशासन के साथ पार्टी संगठन के कार्य करने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोड़ा उपस्थित रहे। बैठक में विगत वर्ष संपन्न हुए कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी दिनों में संगठनात्मक कार्यों के संपादन को लेकर रूपरेखा तय की गई। बैठक में संगठन पदाधिकारीयों ने 1 साल की उपलब्धि भरे कार्यकाल पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर कौशिक ने कहा कि भाजपा सदैव राष्ट्रवादी विचारधारा के आधार पर कार्य करती है। जनमानस को बताना है कि सामाजिक-आर्थिक विकास 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के मंत्र पर केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार कार्य कर रही है। विश्व की चौथी अर्थ व्यवस्था बनने के साथ ही चंद्रयान जैसी सफलता, मेक इन इंडिया जैसे कार्यों की जानकारी आम जन को देना है। विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए 'आत्मनिर्भरता और जन-भागीदारी' के लिए हमें समय-समय पर जन जागरण करना होगा

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि संगठन में हमेशा समन्वय अनुशासन में रहकर कार्य आवश्यक है। यह साल चुनौतियों भरा रहा। सभी कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से कई मील के पत्थर हासिल किए गए हैं। सभी कार्यकर्ता चरैवेति-चरैवेति मूल मंत्र के आधार पर कार्य करते हुए संगठन के समस्त कार्य को संपादन करेंगे और संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, मनोज सोनी, हर्षा चंद्राकर, राजीव पांडेय, गायत्री वर्मा, गिरेश साहू, नवीन पवार, शैलेंद्र शेंडे, हिमा साहू, शैलेंद्री मंडावी, ओमप्रकाश सेन, ध्रुव सचदेव, सैयद आसिफ अली, राहुल पंडित, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, रजनीश श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह राजपूत, मंडल भाजपा अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, कमलेश फेकर, मनमोहन शर्मा, हरीश चौहान, कौशल साहू, ब्रह्म भट्ट, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अरविंदर खुराना, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष खेमलाल देशलहरे, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत, मोर्चा महामंत्रीगण उपस्थित रहे ।

स्कूल नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में विवाद

दुर्ग / नवप्रदेश। । स्कूल नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में विवाद के बाद राजस्थान की टीम वापस लौट गई है। प्रतियोगिता के दौरान राजस्थान की टीम ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ की टीम में ओवरएज खिलाड़ियों को मैच खिलाया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 14 वर्ष के आयु वर्ग की थी। छत्तीसगढ़ की टीम में 21 वर्ष तक के खिलाड़ी खेल रहे थे।राजस्थान की टीम ने लिखित में शिकायत की है। इसके बाद भी उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। खिलाड़ियों के आधार और पहचान पत्र की जांच भी नहीं की गई। आरोप लगाया गया है कि छत्तीसगढ़ की ऑफिशियल टीम ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

न्यूज गैलरी

जगन्नाथपुर में सड़क हादसे में एक की मौत

बालोद/ नवप्रदेश। बालोद जिले के बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जगन्नाथपुर में शनिवार की शाम को एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई । जानकारी अनुसार पिरिद के रहने वाले एक 28 वर्षीय युवक भेलसिंह यादव की घटना स्थल पर मौत हो गई। वही उनके साथ बाइक पर सवार घायल युवक पोषण यादव उम्र 17 वर्ष का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सांकरा ज में इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को दोनों घुमका की ओर से एक हीरो होंडा सीडी 100 बाइक में सवार होकर जगन्नाथपुर की ओर आ रहे थे। तभी शाम को करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच जगन्नाथपुर के प्रवेश स्थल बांध के निकट मोड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और नाली किनारे जाकर गिर गए। मौके पर ही भेलसिंह यादव की मौत हो गई। मृतक भेल सिंह यादव जगन्नाथपुर के ही रहने वाले ग्वाल यादव के बेटी दामाद है। हादसे की प्रमुख वजह तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक बाइक चलाना माना जा रहा है। बाइक चालक मृतक ने हेलमेट भी नहीं पहना हुआ था। मृतक भेलसिंह यादव इलेक्ट्रिशियन का काम करता था।

नीलू शर्मा फैंस क्लब द्वारा आयोजित राजनांदगांव प्रिमियर लीग सीजन 2 का भव्य फाइनल संपन्न

राजनांदगांव /नव प्रदेश।नीलू शर्मा फैंस क्लब के तत्वावधान में आयोजित सीजे राजनांदगांव प्रिमियर लीग (त्रक्क) सीजनङ्ग2 का फाइनल मुकाबला बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। फाइनल मैच में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में सी आर एस सोनकर राजनांदगांव की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया, वहीं न्यू स्टार सिंघोला राजनांदगांव की टीम उपविजेता रही।फाइनल मैच के अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नीलू शर्मा जी (अध्यक्ष पर्यटन मंडल, कैबिनेट मंत्री दर्जा) के द्वारा किया गया में कार्यक्रम मुख्यअतिथि के रूप महापौर श्री मधुसूदन यादव रहे ।

युक्तियुक्तकरण प्रताड़ित शिक्षकों ने मांगी मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में इच्छा मृत्यु की अनुमति

■ **जीवन जीने के मौलिक अधिकार का हनन होने और परिवार की बिगड़ी माली स्थिति के कारण उठा रहे ये कदम**

बालोद/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के युक्तियुक्तकरण प्रताड़ित शिक्षकों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को एक खुला पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने अपनी व्यथा व्यक्त की है। शिक्षकों का कहना है कि युक्तियुक्तकरण की आड़ में अधिकारियों की मनमानी और अपारदर्शिता ने उन्हें सड़कों पर आवाज़ उठाने को विवश कर दिया है। इन प्रताड़ित शिक्षकों में बालोद जिले के शिक्षक भी शामिल है। जिन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में आवेदन देकर अब इच्छा मृत्यु की मांग तक भी कर दी है। शिक्षकों का आरोप है कि बिना दावा-आपत्ति के दूषित सूची पर जबरन काउंसलिंग की जा रही है, जो प्राकृतिक न्याय, सेवा नियमों और शासन की घोषित प्रक्रिया का उल्लंघन है।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी न मूल संस्था में कार्य करने दिया जा रहा है और न ही पिछले 6-7 माह से वेतन दिया जा रहा है, जो जीवन जीने के मौलिक अधिकार का हनन है। शिक्षकों ने कहा कि 2008 के सेटअप के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है और सदन में असत्य कथन किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री समन्वय के आदेश के बाद भी नई मनमानी की जा रही है, जो सरकार की बदनामी का कारण बन रही है। शिक्षकों ने कहा कि वे जीवन जीने के मौलिक अधिकार का हनन होने से और परिवार की बिगड़ी माली स्थिति को मद्देनजर रखते हुए मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में इच्छा मृत्यु की अनुमति मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई, तो वे आत्महत्या करने के लिए मजबूर होंगे। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे उनकी समस्याओं को सुनें और अधिकारियों की मनमानी को रोकें। उन्होंने कहा कि वे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रख रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि सरकार उनकी बात सुनेगी।

मोदी सरकार ने मजदूरों के पेट पर मारी लात : फूलोदेवी नेताम

■ **मनरेगा को ध्वस्त करने की साजिश बताकर ली प्रेसवार्ता**

राजनांदगांव / नव प्रदेश।राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री फूलोदेवी नेताम ने मोदी सरकार पर मजदूर विरोधी और गरीब विरोधी नीतियां अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा की मूल आत्मा को खत्म कर देश के करोड़ों ग्रामीण मजदूरों से काम का संवैधानिक अधिकार छीन लिया है।

आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने मनरेगा में किए गए हालिया बदलावों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला करार दिया। फूलोदेवी नेताम ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) कांग्रेस सरकार की ऐतिहासिक देन रही है जिसने देश के सबसे गरीब परिवारों को सम्मानजनक रोजगार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर लोकसभा में बिल पास कर दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना को कमजोर कर दिया है। यह सिर्फ योजना में बदलाव नहीं बल्कि गरीब मजदूरों से उनका अधिकार छीनने की साजिश है जिसे कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा एक केंद्रीय कानून था जिसमें लगभग 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती थी। अब नया ढांचा लागू कर केंद्र-राज्य हिस्सेदारी 60:40 कर दी गई है। राज्य को पहले अपनी 40त्न राशि जमा करनी होगी तभी केंद्र फंड जारी करेगा पहले 50त्न मैचिंग ग्रांट की बाध्यता थी फूलोदेवी नेताम ने कहा कि राज्यों की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। ऐसे में यह व्यवस्था मनरेगा को धीरे-धीरे बंद करने का रास्ता खोल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अब राज्यों पर ङ्क.क्क.त्र.ऊ.त. के नाम पर लगभग 50,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालना चाहती है । इससे राज्य सरकारें मजबूर होकर या तो काम घटाएंगी या मजदूरों को रोजगार देना ही बंद कर देंगी फूलोदेवी नेताम ने भाजपा के उस दावे को भी खारिज किया जिसमें 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन रोजगार देने की बात कही गई है।

छत्तीसगढ़ के 70त्न गांवों में अघोषित रूप से काम बंद मोदी सरकार के 11 सालों में राष्ट्रीय औसत सिर्फ 38 दिन रोजगार एक भी साल 100 दिन काम नहीं दिया गया उन्होंने कहा कि यह सब कागजी जुमले हैं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। फूलोदेवी नेताम ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में मनरेगा ने करोड़ों गरीब परिवारों को भुखमरी से बचाया। आज उसी योजना को खत्म करना यह साबित करता है कि यह सरकार गरीब मजदूरों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अब तक मनरेगा संविधान के अनुच्छेद 21 से जुड़े काम के अधिकार पर आधारित था। लेकिन नया फ्रेमवर्क इसेः कंडीशनल स्कीम केंद्र द्वारा नियंत्रित योजना सरकार की मर्जी पर निर्भर सहायता में बदल देता है। फूलोदेवी नेताम ने भाजपा पर भगवान राम के नाम पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि V.B.G.RAM.G. का पूरा नाम है विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) इसका भगवान राम से कोई संबंध नहीं है। पूरे साल काम मांगने का अधिकार न्यूनतम मजदूरी की गारंटी पंचायत के माध्यम से स्थानीय काम मेट और रोजगार सहायक की मदद मजदूरी का 100त्न भुगतान केंद्र सरकार द्वारा जी राम जी अब कोई कानूनी गारंटी नहीं चुनिंदा गांवों में ही काम फसल कटाई के मौसम में काम बंद मजदूरी सरकार तय करेगी।

काम का स्थान सरकार तय करेगी मेट और रोजगार सहायक समाप्त मजदूरी का 40त्न बोझ राज्य सरकार पर। प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से पूर्व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्री किशन खंडेलवाल, पूर्व विधायक भूनेश्वर बघेल, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, कुतुबुद्दीन सोलंकी, ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव, शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, राजेश कुमार चंपू, थानेश्वर पाटिला, कुलबीर सिंह छाबड़ा, अमित चंद्रवंशी, अशोक पंजवानी, वीरेंद्र चंद्राकर, आदि।

जंबूरी आगमन पर राकेश यादव ने किया राज्यपाल का अभिनंदन

बालोद/ नवप्रदेश।। छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका का ग्राम दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवरङ्करेंजर जंबूरी के उद्घाटन में पहुंचे थे। जहां हेलीपेड आगमन पर जिला मुख्य आयुक्त राकेश कुमार यादव ने उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया। श्री यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल शामिल हुए माननीय राज्यपाल के आगमन के लिए आभार जताया है। साथ ही उन्होंने आयोजन की जानकारी देते हुए कहा कि बालोद जिले के ग्राम दुधली में गुरुवार से भारत का पहला राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी भव्य रूप से शुरू हो गया। यह ऐतिहासिक आयोजन 9 से 13 जनवरी तक चलेगा। जंबूरी का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय व राज्य स्तर के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय जंबूरी में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ कुछ विदेशी दलों के करीब 15 हजार रोवर-रेंजर भाग ले रहे हैं। जंबूरी का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भावना, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय को मजबूत करना है। आयोजन स्थल पर तंबू नगरी बसाई गई है, जहाँ प्रतिभागियों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। जंबूरी के दौरान साहसिक गतिविधियाँ, सामाजिक सेवा कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, कौशल विकास कार्यशालाएँ और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्थानीय संस्कृति और परंपराओं की झलक भी विभिन्न कार्यक्रमों में देखने को मिल रही है।

प्लास्टिक के थोक विर्क्रेताओं सहित चिल्हर दुकानों में चला अभियान

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर निगम की कार्यवाही जारी

■ **9 हजार रूपये जुर्माना वसूल, 12.5 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक की जप्ती**

राजनांदगांव /नव प्रदेश। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाये जाने कार्यवाही पर नगर निगम सख्ती बरत रही है और प्रतिदिन अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग पर कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में आज प्रतिबंधित प्लास्टिक का विक्रय करने एवं उपयोग करने वाले दुकानदारों पर कार्यवाही करते हुये 3 थोक प्लास्टिक विक्रेताओ सहित 12 दुकानों पर 9 हजार रूपये जुर्माना कर 12.5 किलो पालीथिन जप्त करने की कार्यवाही किये। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्रत्येक व्यक्ति व पशु-पक्षियों को प्लास्टिक के नुकसान से बचाने शासन द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध करने कडे कदम उठा रही है। शासन के मंशानुरूप नगर निगम द्वारा भी प्रतिदिन अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है।

निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर कहा कि आज प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के साथ साथ मानव जीवन सहित जीव जन्तु के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डाल रहा है, नुकसान से बचाने शासन द्वारा इसके विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। शासन मंशानुरूप नगर निगम का स्वास्थ्य अमला शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय नहीं करने प्रतिदिन समझाईस दे रहे है, समझाईस उपरांत विक्रय व उपयोग करते पाये जाने पर कडी कार्यवाही की जा रही है।

संभाग स्तरीय बैठक में वन कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर उभरा आक्रोश

खैरागढ़ / नव प्रदेश।। खैरागढ़ में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में वन कर्मचारियों की वर्षों से लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री मूलचंद शर्मा, दुर्ग संभाग अध्यक्ष श्री शिरीष ब्रह्मभट्ट, संभाग सचिव सुश्री बंजारे, जिला अध्यक्ष दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, मोहलाङ्कमानपुर, कवर्धा सहित संभाग के समस्त जिला पदाधिकारी, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में वेतन विसंगति, सेटअप पुनरीक्षण, लंबित मांगें, नियम-विरुद्ध पदोन्नति तथा प्रशिक्षण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को क्रमशः 3, 2 एवं 1 वेतनवृद्धि दिए जाने के प्रावधान पर विस्तार से चर्चा की गई।वरिष्ठ पदाधिकारी श्री लाल हर्ष बहादुर सिंह एवं अन्य वरिष्ठजनों ने संघ के इतिहास, संघर्ष एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों को संगठित संघर्ष का मार्गदर्शन दिया।बैठक में सभी जिला अध्यक्षों ने एक स्वर में कहा कि वाजिब एवं न्यायोचित मांगों की लगातार उपेक्षा, नियम-विरुद्ध पदोन्नतियाँ तथा कुछ जिलों को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति से कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। सदस्यों ने मांग की कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच, पूर्ण पारदर्शिता एवं निश्चित समय-सीमा में समाधान किया जाए।सदस्यों ने स्पष्ट रूप से बयान दिया कि प्रांत द्वारा नियम-विरुद्ध पदोन्नति के मामलों को हल्के में लिए जाने से जमीनी कार्यकर्ता नाखुश और आहत हैं। कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि वे प्रांत के विरोधी नहीं हैं, लेकिन उपेक्षा और अन्याय किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेंगे।

पेज 1 का शेष

छत्तीसगढ़ के निर्माण में...

के साथ ही परोपकार का भी कार्य करता है। क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य बहुत प्रशंसनीय हैं। ये बहुत खुशी की बात है कि यह एक्सपो मध्य भारत का सबसे बड़ा एक्सपो है, जिसमें 300 से अधिक स्टॉल हैं। इस विशाल आयोजन का लाभ निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को मिलेगा।

साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हो रहा विकास: अग्रवाल

रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ को लगभग 8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ये बहुत खुशी की बात है कि रोटरी क्लब द्वारा आयोजित इस एक्सपो का यह 16वां वर्ष है। रोटरी क्लब सेवा से जुड़ी एक संस्था है। रोटरी क्लब द्वारा पोलियो निर्मूलन के कार्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

25 महिला उद्यमियों को सम्मानित

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में मोबाइल आई क्लीनिक की एम्बुलेंस का लोकार्पण किया। उन्होंने विभिन्न सेक्टर्स में विशिष्ट योगदान दे रही 25 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया और इन महिला उद्यमियों पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राकेश चतुर्वेदी, श्री राम गर्ग सहित रोटरी क्लब ऑफ कॉस्मोपॉलिटन रायपुर के सदस्यगण व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बड़ी सौगातः मंडी शुल्क...

हमारे पूर्वजों ने छत्तीसगढ़ को सोच-समझकर ÷धान का कटोरा÷ कहा था और आज प्रदेश इस नाम की सार्थकता सिद्ध कर रहा है। चावल छत्तीसगढ़ के खानपान का अभिन्न हिस्सा रहा है और यहां हजारों किस्मों की धान की प्रजातियां उगाई जाती हैं।

छत्तीसगढ़ से 90 देशों को करीब एक लाख टन चावल का किया जा रहा है निर्यात

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे चावल के प्रसंस्करण और निर्यात को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से वर्तमान में लगभग 90 देशों को करीब एक लाख टन चावल का निर्यात किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा...

कोलकाता उच्च न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की, यह आरोप लगाते हुए कि उन्होंने पुलिस की मदद से जैन के घर से एजेंसी के कब्जे में मौजूद साक्ष्यों को हटा लिया।

टीएमसी का आरोपः चुनावी रणनीति पर हमलाः टीएमसी का आरोप है कि ईडी का उद्देश्य भ्रष्टाचार की जांच नहीं बल्कि चुनावी रणनीति और गोपनीय डेटा चुराना है। ममता बनर्जी ने कहा कि ईडी अधिकारी सुबह 6 बजे पहुंचे, जबकि वह 11:45 बजे मौके पर आईं। उन्होंने केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग और विपक्षी पार्टी बीजेपी को कई राज्यों में सत्ता दिलाने का आरोप लगाया।

दुनिया की दिग्गज...

में हुई बैठक में ट्रंप ने कहा कि निवेशक वेनेजुएला में पूरी सुरक्षा और स्थिरता के साथ काम करेंगे। उनका कहना था कि अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं और कंपनियां अमेरिका के साथ सीधे सौदे करेंगी। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि दशकों पहले अमेरिका ने अपनी तकनीक और पूंजी से वेनेजुएला का तेल उद्योग खड़ा किया था, जिसे बाद में छीन लिया गया। अब अमेरिका उन परिसंपत्तियों को फिर से मजबूत करेगा।

सुरक्षा और नशीले पदार्थों पर असर

बैठक में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि यह अभियान अमेरिका को अधिक समृद्ध, शक्तिशाली और सुरक्षित बनाएगा। उनका दावा था कि इससे अमेरिका में ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों में भी कमी आएगी। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि वेनेजुएला जाने वाली कंपनियों को सुरक्षा की पूरी गारंटी दी जाएगी।

नई सत्ता से कैसै रिश्तों के संकेत?

ट्रंप ने अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के नेतृत्व को लेकर कहा कि फिलहाल वे अमेरिका के सहयोगी नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि अमेरिका नहीं चाहता कि रूस और चीन वेनेजुएला में प्रभाव बढ़ाएं। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका वहां लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कैसे बदले समीकरण?

यह बैठक उस पृष्ठभूमि में हुई है, जब हाल ही में अमेरिकी कार्रवाई में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। दोनों पर ड्रग तस्करी और नार्को-आतंकवाद के आरोप हैं और वे न्यूयॉर्क में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। इसके बाद डेल्सी रोड्रिगेज को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया गया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला के घटनाक्रम पर अमेरिका करीबी नजर रखेगा।

योगी ने लगाई ...

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जगद्गुरु महामंडलेश्वर सतुआ बाबा के शिविर में साधु-संतों के साथ भोजन करेंगे। उसके बाद आईसीसीसी सभागार में माघ मेला की समीक्षा बैठक करेंगे। मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या के प्रमुख स्नान पर्वों की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

मांसाहारी भोजन की बिक्री और होम डिलीवरी पर रोक

अयोध्या में अब राम मंदिर परिसर के चारों ओर 15 किलोमीटर के दायरे में किसी भी तरह के मांसाहारी भोजन की बिक्री और होम डिलीवरी पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम आस्था और धार्मिक भावनाओं की रक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है।

क्या थी शिकायत?

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पंचकोसी परिक्रमा क्षेत्र में ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप्स के माध्यम से नॉन-वेज भोजन की आपूर्ति को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों में बताया गया था कि प्रतिबंधित क्षेत्र में पर्यटकों और स्थानीय लोगों तक मांसाहारी भोजन पहुंचाया जा रहा है।

शराब की दुकानें हो रही संचालित

गौरतलब है कि अयोध्या नगर निगम ने अयोध्याङ्कफैजाबाद को जोड़ने वाले 14 किलोमीटर लंबे राम पथ पर मांस और शराब की बिक्री बंद करने का फैसला लिया था। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब बिक्री पर यह प्रतिबंध अब तक प्रभावी रूप से लागू नहीं हो सका है और राम पथ क्षेत्र में कई शराब की दुकानें अब भी संचालित हो रही हैं।

शनिवार सुबह का है मामला

यह घटना आज सुबह की बताई जा रही है। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध रखी है। सूत्रों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू से जांच कर रही हैं, ताकि किसी भी तरह की अफवाह या कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

यंग लीडर्स डायलॉग 2026...

संस्कृति से प्रेरित यह युवा शक्ति 'विकसित भारत' के अपने विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि भारत की विकास यात्रा में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने की बड़ी पहल के तहत दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी 2026) का दूसरा एडिशन चल रहा है।

ओडिशा में हादसाः हवाई ...

जांच शुरू कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को स्थिति के बारे में बता दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे डायरेक्टर भी जल्द ही दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे।

4 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे सवार

वहीं बीजू पटनायक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर प्रसन्ना प्रधान ने कहा कि फ्लाइट भुवनेश्वर से राउरकेला जा रही थी। राउरकेला से 10 किमी पहले इसकी क्रैश लैंडिंग हुई। इसमें 4 यात्री और 2 क्रू मेंबर थे। सभी सुरक्षित हैं। यह फ्लाइट इंडिया वन एयरलाइंस की है। फ्लाइट नंबर सी-208 है।

हादसे तुरंत बाद मौके पर पहुंची राहत टीम

विमान के दुर्घटनाग्रस्त होते ही स्थानीय लोगों ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। कुछ ही देर में पुलिस-प्रशासन ने भी पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार यह एक प्राइवेट ऑपरेटर द्वारा राउरकेला और भुवनेश्वर के बीच चलने वाली नियमित उड़ान थी।

PM AASHA योजना से किसानों को राहत

धमधा समिति में MSP पर सोयाबीन की खरीदी

धमधा/नवप्रदेश। केंद्र सरकार की महत्वाकां प्रधानमंत्री आशा (PM AASHA) योजना के अंतर्गत संचालित प्राइस सपोर्ट स्कीम किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना के तहत सेवा सहकारी समिति धमधा में न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्स्क) पर सोयाबीन की खरीदी जारी है।

आज समिति में कृषक ज्वाला गिरी गोस्वामी, धमधा द्वारा चार एकड़ की उपज से 20 क्विंटल सोयाबीन का विक्रय किया गया। वहीं कृषक गौकरण गिरी गोस्वामी ने दो एकड़ भूमि से उत्पादित 10 क्विंटल सोयाबीन का विक्रय किया। इसके साथ ही ग्राम पेंडी निवासी कृषक राम खिलावन / जयराय साहू द्वारा 7.50 क्विंटल सोयाबीन समिति में विक्रय किया गया। विक्रय हेतु पंजीयन कराया गया। सरकारी योजना के तहत पारदर्शी व्यवस्था से की जा रही खरीदी से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। क्षेत्र के किसानों ने केंद्र सरकार की इस योजना को कृषि हितैषी बताते हुए संतोष व्यक्त किया है।

प्रश्न पत्र को लेकर विरोध, हिंदू संगठन ने किया प्रदर्शन

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद में महासमुंद के बाद स्कूली परीक्षा को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कक्षा चौथी के अंग्रेजी प्रश्न पत्र में भगवान राम के नाम के कथित अपमान का मामला सामने आया है। जानकारी सामने आते ही हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। विहिप, अखिल भारतीय हिन्दू परिषद, बजरंग दल और विद्यार्थी परिषद ने संयुक्त रूप से शनिवार को तिरंगा चौक में प्रदर्शन कर जिला शिक्षा अधिकारी का पुतला फूंका और कार्यवाही के लिए एसडीएम कार्यालय पहुंच कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा इसके बाद गरियाबंद सिटी कोतवाली पहुंचकर एफआईआर करने शिकायत दर्ज कराई है।

मालूम हो कि गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड में आयोजित अर्धवार्षिक परीक्षा के दौरान कक्षा चौथी के अंग्रेजी प्रश्न पत्र में एक ऐसा सवाल सामने आया। जिसे लेकर भगवान राम के नाम के अपमान का आरोप लगाया जा रहा है। जैसे ही यह सवाल शिक्षकों और अभिभावकों की नजर में आया, मामले ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि प्रश्न पत्र तैयार करने में न तो सावधानी बरती गई और न ही धार्मिक भावनाओं का ध्यान रखा गया। मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश देखने को मिला। गरियाबंद विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर, अखिल भारतीय हिन्दू परिषद, प्रदेश महामंत्री परस देवांगन, बजरंग दल के जिला संयोजक मोहित साहू और विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक क्षितिज नारायण तिवारी सहित संगठनों ने शिक्षा विभाग पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले महासमुंद जिले में भी स्कूली परीक्षा को लेकर विवाद सामने आ चुका है, लगातार हो रही इन घटनाओं ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बहरहाल जांच के बाद ही यह साफहो पाएगा कि यह गलती थी या लापरवाही। लेकिन सवाल यह है कि छोटी कक्षाओं की परीक्षाओं में ऐसी गंभीर चूक कैसे हो रही है ? और क्या जिम्मेदारों पर वास्तव में कोई ठोस कार्रवाई होगी।

जुआ खेल रहे 8 लोगों को पुलिस ने पकड़ा

महासमुंद/नवप्रदेश। खल्लारी पुलिस ने कोमा नाला के पास जुआ फड़ पर छापामार कार्रवाई कर आठ जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से नकद, मोबाइल और दोपहिया वाहन समेत कुल 2 लाख 17 हजार 240 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर कुछ जुआरी भाग निकले, जबकि आठ को मौके पर ही पकड़ लिया गया। जिसमें पुलिस ने बागबाहरा निवासी दामोदर बघेल (29), बोईरगांव निवासी नरेश कुमार साहू (30), बागबाहरा निवासी ज्ञानेंद्र बहादुर (24), कन्हारपुरी निवासी शंकर लाल सतनामी (28), शांतिनगर बागबाहरा निवासी संजय कुमार डोंगरे (31), एमकेबाहरा निवासी ओमप्रकाश साहू (32), हरीशचंद्र पटेल (24) एवं कोमा निवासी मनीष चंद्राकर (56) के विरुद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

एकलव्य में प्रवेश के लिए 7 तक ऑनलाइन आवेदन

महासमुंद/नवप्रदेश। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शिल्पा साय ने बताया कि प्रवेश से संबंधित नियमावली, प्रवेश नीति एवं ऑनलाइन पंजीयन की संपूर्ण जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 07 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन भरे गए आवेदन पत्र में यदि किसी प्रकार की त्रुटि रह जाती है तो उसका सुधार 08 फरवरी से 10 फरवरी तक किया जा सकेगा। प्रवेश परीक्षा का आयोजन 01 मार्च को किया जाएगा। साय ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर आवेदन कर इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाएं। एकलव्य विद्यालयों में छात्रों को आवास, भोजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेलकूद एवं सर्वांगीण विकास की उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिलता है।

तम्बाकू नियंत्रण : 33 दुकानों का कटा चालान

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में तम्बाकू नियंत्रण को लेकर कार्रवाई की गई। संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा जिला चिकित्सालय खरोरा के समीप स्थित तम्बाकू विक्रय दुकानों सहित पिटियाझर एवं कुम्हारपारा क्षेत्रों में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कोटपा अधिनियम 2003 के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की। औषधि निरीक्षक प्रियंका दीवान ने कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,धारा 06(अ) नाबालिगों को तम्बाकू उत्पाद की बिक्री एवं उपयोग पर प्रतिबंध और धारा 06(ब)शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू बिक्री पर प्रतिबंध के उल्लंघन मामलों में कुल 33 चालान काटे ।

बुजुर्ग पिता के शौच करने पर बेटे ने पीटकर उतारा मौत के घाट

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम झगरेनडीह में एक युवक ने आक्रोश में अपने 80 वर्षीय बुजुर्ग पिता की लकड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। मामले में सांकरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

पुलिस के अनुसार झगरेनडीह निवासी कृष्ण कुमार बरिहा ने सांकरा थाने में शिकायत की है कि उनके पिता भोला राम बरिहा (80) मंझला भाई आनंद कुमार बरिहा के साथ घर के बगल में अलग रहते थे।

साहू समाज का इतिहास वैभवशाली रहा है और इसे और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाना होगा: साव

जिला एवं तहसील साहू संघ महासमुंद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

महासमुंद/नवप्रदेश। जिला एवं तहसील साहू संघ महासमुंद का शपथ ग्रहण समारोह आज बीटीआई रोड स्थित कर्मा भवन में आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में ताम्रध्वज साहू, विशिष्ट अतिथि रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, कसडोल विधायक संदीप साहू, महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, पूर्व केबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, चुन्नीलाल साहू, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विपिन साहू, जिला साहू संघ अध्यक्ष ढालूराम साहू, नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, येतराम साहू सहित सामाजिक पदाधिकारी एवं समाज के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि साहू समाज एक संगठित और अनुशासित समाज के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि समाज का इतिहास अत्यंत वैभवशाली रहा है और इसे और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच बनाने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री साव ने कर्मा भवन में शेड निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का गठन एक अच्छी परंपरा की शुरुआत है, जो समाज के लिए शुभ संकेत है। महासमुंद जिला कृषि, रोजगार और संसाधनों के मामले में समृद्ध है और यहां किए जा रहे कार्यों का संदेश अन्य जिलों तक जाना चाहिए।

अति विशिष्ट अतिथि ताम्रध्वज साहू ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी अपने व्यवहार में नम्रता रखें तथा नशा, दिखावा एवं अन्य सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने की दिशा में पहल करें।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने सामाजिक संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि समाज की बुराइयों को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा।इस अवसर पर नव नियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई गई। नव नियुक्त जिला अध्यक्ष ढालूराम साहू ने अपने उद्बोधन में मां कर्मा एवं राजिम भक्तिन माता के आशीर्वाद का स्मरण करते हुए कहा कि वे शिक्षा को बढ़ावा देने, संगठन में पारदर्शिता लाने तथा सामाजिक समरसता स्थापित करने के तीन संकल्पों के साथ कार्य करेंगे।

प्रशासनिक टीम ने जब्त किए 1420 कट्टा अवैध धान

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली व बागबाहरा विकासखण्ड क्षेत्रों में संयुक्त टीम ने 1420 कट्टा अवैध धान जब्त किया है। सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत एसडीएम अनुपमा आनंद के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने ओड़िशा राज्य से अवैध रूप से धान परिवहन करते हुए कोचिया विद्या मिरि के पिकअप वाहन को पकड़ा। वाहन में 70 कट्टा धान लोड पाया गया। मौके पर ही धान सहित वाहन को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई हेतु थाना सिंघोड़ा के सुपुर्द किया गया। वहीं बागबाहरा विकासखण्ड में एसडीएम नमिता मारकोले के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने ग्राम छुईहा में अवैध धान परिवहन के दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई की। पहले मामले में एक ट्रक को रोककर जांच की गई, जिसमें लगभग 600 कट्टा धान अवैध रूप से परिवहन करते पाया गया। जब्त धान को नियमानुसार मंडी के सुपुर्द किया गया। इसी गांव में दूसरी कार्रवाई के दौरान एक अन्य वाहन से लगभग 750 कट्टा अवैध धान जब्त किया गया, जिसे मंडी में जमा कराते हुए आगे की वैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं खरीदी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। प्रशासन ने अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विनाश पर सृजन की जीत का प्रतीक है सोमनाथ मंदिर: येतराम

- तुरी आनंद आश्रम स्थित चंडीकेश्वर मंदिर में भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया रूद्राभिषेक

महासमुंद/नवप्रदेश। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत आज जिले भर के शिवालयों में महा रूद्राभिषेक व दीपोत्सव का आयोजन किया गया। सभी मंडलों, नगरों में भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सोमनाथ मंदिर के प्रति हमारी अटूट आस्था के 1000 वर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य पर जिला भाजपा ब्लॉक मंडलों, नगरों, गाँवों में स्थित शिव मंदिरों में रूद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना व दीप प्रज्ज्वलित किये। भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बागबाहरा नगर स्थित चंडीकेश्वर महादेव मंदिर तुरी आनंद आश्रम में वैदिक मंत्रोच्चार व श्रद्धा-भक्ति के साथ पूजा-अर्चना एवं रूद्राभिषेक किया। उन्होंने भगवान भोलेनाथ को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा एवं पुष्प अर्पित कर राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा जनकल्याण की कामना की।

जिलाध्यक्ष साहू ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत के स्वाभिमान की वह अमर गाथा है जो बार-बार पुनर्स्थापित हुई। मंदिर को 17 बार खंडित करने वाले आक्रमणकारियों का झूठा दंभ हर रोज उतनी ही बार कुचला जाता है, जितनी बार अडिग खड़े सोमनाथ मंदिर पर भगवा ध्वज लहराता है। यह मात्र मंदिर नहीं है, यह इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि भारत की श्रद्धा असीमित है और उसमें पुनर्जीवन की अपार शक्ति निहित है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपने अस्तित्व के साथ हमारी आस्था का उत्सव सोमनाथ मंदिर का यह उत्सव हम देख पा रहे हैं। प्रधानमंत्री की ÷विकास भी और विरासत भी÷ की नीति ने भारत की गौरवशाली परंपराओं को दिव्यता और भव्यता के साथ नई ऊर्जा प्रदान की है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल अतीत का स्मरण नहीं, आत्मविश्वासी और पुनर्जागृत भारत की घोषणा है। जिलाध्यक्ष साहू ने आगे कहा कि आज से ठीक एक हजार साल पहले विदेशी आक्रांता सुल्तान महमूद ने सोमनाथ पर आक्रमण किया था। तीन दिन के कड़े संघर्ष के बाद 11 जनवरी, 1026 को मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया। सोमनाथ मंदिर में कई बार हमलावरों ने आक्रमण कर इसे खंडित करने का दुस्साहस किया। लेकिन, वे भारतीय चेतना को खत्म नहीं कर पाये। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 75 वर्ष पूर्व इस गौरवशाली मंदिर का पुनरूद्धार किया।

दो थाना क्षेत्र से साढ़े 17 लाख रुपए का गांजा बरामद

महासमुंद/नवप्रदेश। कोमाखान पुलिस ने गांजा परिवहन के दो अलग-अलग मामलों में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब साढ़े 17 लाख रुपए मूल्य का 35 किलो गांजा, वाहन एवं मोबाइल फोन जब्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट 20 (बी) के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने टेमरी नाका के पास बैरिकेडिंग कर वाहनों की चेकिंग शुरू की।

इसी दौरान ओडिशा की ओर से आ रही सफेद रंग की टोयोटा कार डी एल 10 सी ई 1640 को रोका गया। कार में सवार तीनों युवक पुलिस पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संदेह के आधार पर जब वाहन की तलाशी ली गई तो डिक्की में बोरियों के भीतर 30 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने सीसरखास, थाना महम, जिला रोहतक हरियाणा निवासी विकास सिंह (30), भिवानी हरियाणा निवासी प्रमोद माहोर (28) और नफ्जगढ़, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली निवासी प्रशांत डागा (24) को गिरफ्तार किया। आरोपी गांजा को ओडिशा के भवानीपटना से हरियाणा के रोहतक ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों से 30 किलो गांजा (कीमत 15 लाख) टोयोटा कार और मोबाइल जब्त किया है।

बाइक से 5 किलो गांजा जब्त

एक अन्य मामले में 8 जनवरी को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने टेमरी नाका के पास लाल-काले रंग की बाइक सीजी 04 डी आर 1169 को रोका। तलाशी के दौरान बोरी से 5 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 2.50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस मामले में तितलीगढ़, थाना जूनागढ़, जिला कालाहांडी ओडिशा निवासी श्रवण कुमार मेहर (22), चिचईगढ़, थाना जूनागढ़, जिला कालाहांडी ओडिशा रोहित कुमार मेहर (23) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गांजा के साथ बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

ओडिशा यात्री से चलती ट्रेन में मोबाइल छीनकर दिया धक्का, दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आया

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद में एक चलती पैसेंजर ट्रेन से मोबाइल छीनकर एक यात्री को धक्का दे दिया गया। इस घटना में यात्री के दोनों पैर ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान ओडिशा के नुआपड़ा जिले के कादोमेरी गांव निवासी संतू मांझी (45) के रूप में हुई है, जिन्हें गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। संतू मांझी रायपुर से टिटलागढ़ जा रही पुशपुल पैसेंजर ट्रेन में सवार थे और अपने मोबाइल पर कुछ देख रहे थे। जब ट्रेन महासमुंद में बिठौबा टॉकीज के पीछे से गुजर रही थी, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। धक्का लगने से संतू मांझी ट्रेन से नीचे गिर गए और उनके दोनों पैर ट्रेन चपेट में आ गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पटरी के पास रहने वाले लोगों ने उन्हें गिरते हुए देखा। स्थानीय पार्षद राहुल आंवड़े भी मौके पर पहुंचे और तत्काल डायल 112 को सूचना दी। पार्षद राहुल आंवड़े और अन्य स्थानीय नागरिकों की मदद से घायल को डायल 112 वाहन तक पहुंचाया गया। संतू मांझी के पैरों से अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था। उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाने के लिए वाहन में बिठाते ही वे बेहोश हो गए। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

प्रतियोगिता दूर-दराज से आई मंडलियों ने कराया भजन का रसपान

बोरी मेला मंडाई में दो दिवसीय मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन

धमधा/नवप्रदेश। ग्राम एवं तहसील बोरी मेला मंडाई के शुभ अवसर पर गांव में दो दिवसीय मानस गान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दूर-दूर से पहुंची मानस मंडलियों ने भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं और दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। आयोजन के दौरान ग्रामीणों ने भजन-कीर्तन का भरपूर आनंद लिया।

इस आयोजन को सफल बनाने में सरपंच टिकेश्वर देशमुख सहित ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। ग्रामीणों के सहयोग से बोरी में समय-समय पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, जिससे गांव की सांस्कृतिक परंपराएं जीवंत बनी हुई हैं।

मंच संचालन और निर्णायक मंडल

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन माधव देवांगन, शिव चरण साहू एवं सूरज देशमुख द्वारा किया गया।

वहीं प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में अरुण कौशिक, धनेश साहू एवं नंद किशोर देशमुख ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नव जागृति क्रिकेट क्लब का सहयोग

कार्यक्रम का आयोजन नव जागृति क्रिकेट क्लब एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी कलाकारों, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कई गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गोपेन्द्र राजपूत, पन्ना निषाद, प्रेमा देवांगन, मयंक देशमुख सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राग अनुराग' सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित

मानस गान प्रतियोगिता के साथ-साथ ऋराग अनुरागऋ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया।

खेल हमें विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाये रखना सिखाता है: संपत अग्रवाल

पिथौरा/नवप्रदेश। यंग क्रिकेट क्लब द्वारा सहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित ञ्ज 20 डियूज़ बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ कार्यक्रम बसना विधायक डा संपत अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुवा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद विशेष अतिथि नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी,भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल पार्षद मन्नूलाल ठाकुर विधायक प्रतिनिधि अनूप अग्रवाल सुरेंद्र पांडे पार्षद संतोष डडसेना रामकुंवर सिंहा भीमा रौतिया संदीप सेन कौशल मानिकपुरी पुष्पकांत पटेल ने खिलाड़ियो का परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ कराया।कार्यक्रम की सुरुवात बेहद आध्यात्मिक और गरिमामयी ढंग से हुई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक संपत अग्रवाल ने चैंपियन ट्राफी का अनावरण कर खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि के आसंदी से विधायक डा संपत अग्रवाल ने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुवे कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण की आधार शिला भी है मेरा लक्ष्य है कि बसना विधानसभा का हर युवा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहे जिसके लिये ऐसे खेल आयोजन आवश्यक है ऐसे आयोजन के के लिये आयोजक समिति बधाई के पात्र है ऐसे आयोजनों से ना केवल ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिलता है बल्कि युवाओं में अनुशासन और टिम भावना का विकास भी होता है उन्होंने कहा कि मैदान में उतरने वाला हर खिलाड़ी एक योद्धा होता है ।

न्यूज गैलरी

गोल्ड मैडल जीत कर लौटी खिलाड़ी का भव्य स्वागत

महासमुंद / नवप्रदेश। अंतरराष्ट्रीय बाल बैडमिंटन टेस्ट श्रृंखला में नेपाल को 3-0 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतने वाली महासमुंद की बेटी लक्ष्मी चंद्राकर के नगर आगमन पर नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी के नेतृत्व में बस स्टैंड में स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि बेमचा निवासी नरेश चंद्राकर की सुपुत्री लक्ष्मी चंद्राकर भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय बाल बैडमिंटन टेस्ट श्रृंखला में भाग लेने नेपाल के विराटनगर गई थीं। प्रतियोगिता में भारत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल को 3-0 से पराजित किया और लक्ष्मी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। श्री राठी ने लक्ष्मी की उपलब्धि को महासमुंद ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बताया। इस अवसर पर भाजपा नेता बसंत लूनिया, बैडमिंटन खिलाड़ी अंकित लूनिया, भाजपा नेता शरद मराठा, गौरव राठी, गुलशन राठी, वजीर अरोड़ा, अजय बाफना, मेहुल सूचक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

64वीं पुण्यतिथि पर अनोखी श्रद्धांजलि

नगरी / नवप्रदेश। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं झंडा सत्याग्रह (1923) के अग्रणी नायक की 64वीं पुण्यतिथि पर लीफआर्ट के माध्यम से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ग्राम मोदे, नगरी निवासी प्रसिद्ध लीफ आर्टिस्ट विकास शांडिल्य ने पीपल के पत्तों पर सूक्ष्म एवं जीवंत आकृतियाँ उकेरकर स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम इतिहास को सजीव कर दिया।इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर उन्होंने अपने साथियों के साथ नागपुर तक पैदल यात्रा की थी। वहां से चरखे युक्त भारतीय ध्वज लेकर आए और भेलवापानी में एक विशाल पेड़, जिसे आज भी ÷झंडा आमा÷ के नाम से जाना जाता है, पर तिरंगा फहराया। इसके साथ ही ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों के विरोध में गुप्त बैठकों का आयोजन कर जनजागरण का कार्य किया गया।लीफ आर्टिस्ट विकास शांडिल्य ने पीपल के पत्तों पर इन्हीं ऐतिहासिक क्षणों, झंडा सत्याग्रह और राष्ट्रप्रेम की भावना को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया। उनकी यह अनूठी कला न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष से जोड़ने का सार्थक प्रयास भी है।

युकां ने दी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी, सौंपा ज्ञापन

महासमुंद / नवप्रदेश। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमन चंद्राकर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा में गंभीर लापरवाही सहित विभिन्न शिकायत के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अर्धवार्षिक परीक्षा का समय सारिणी आनन-फानन में जारी कर और कक्षा 1 से 8 तक चल रही परीक्षा को औपचारिकतावश निभाया जा रहा है। अर्धवार्षिक परीक्षा में स्कूलों में प्रश्न पत्र नहीं भेजना, प्रश्न पत्र के स्थान पर पीडीएफ भेजना औपचारिकता को दर्शाता है। प्रश्नों को ब्लेक बोर्ड पर लिखा गया। विद्यार्थियों की अर्धवार्षिक परीक्षा पुनः प्रश्न पत्र प्रदान कर ली जाए और सभी स्कूलों में 15 दिवस के भीतर मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जाए अन्यथा कलेक्टर कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करने बाध्य होंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने फार्मर आईडी बनवाने की अपील

महासमुंद / नवप्रदेश। जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत कुल 1 लाख 30 हजार 367 किसान पंजीकृत हैं। इनमें से अब तक 1 लाख 3 हजार 983 किसानों द्वारा फार्मर आईडी बनवा ली गई है तथा 26 हजार 384 किसानों की फार्मर आईडी बनना शेष है। उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप ने बताया कि जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बनी है, उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी किस्त का लाभ नहीं मिल पाएगा। इसे गंभीरता से लेते हुए शेष सभी हितग्राही किसानों से शीघ्र फार्मर आईडी बनवाने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है, वे नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में जाकर फार्मर आईडी बनवा सकते हैं। इसके पश्चात बी-1 पर्ची की प्रति, आधार कार्ड की प्रति सहित आवश्यक दस्तावेज सत्यापन के लिए संबंधित पटवारी के पास जमा कर फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया पूर्ण कराना अनिवार्य होगा।उन्होंने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को अधीनस्थ मैदानी अमला के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं तथा फार्मर आईडी से वंचित किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें जागरूक करने कहा गया है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत

भाजपा ने भूतेश्वरनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर किया 1008 'ओम' मंत्रों का जाप

■ सोमनाथ मंदिर भारत की एकता और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक – अनिल चंद्राकर

गरियाबंद / नवप्रदेश। सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में आयोजित किए जा रहे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल भूतेश्वरनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1008 बार '?' मंत्र का जाप किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिंद्रानवागढ़ मंडल द्वारा किया गया, जिसमें सुबह 11 बजे भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भूतेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे। जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधिवत पूजा-अर्चना की और सामूहिक रूप से '?' मंत्र का जाप किया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है।

1026 में महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किया आक्रमण किया गया था। यह आक्रमण भारत की सनातन सभ्यता, संस्कृति और आस्था पर किया गया था। इतिहास की उस बर्बरता के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज भी भव्यता, गौरव और आत्मसम्मान के साथ खड़ा है। यह मंदिर हमारी अखंड सभ्यता और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के बाद इसका उद्घाटन किया गया, जो राष्ट्रीय पुनर्जागरण का प्रतीक बना। आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने और मंदिर के पुनर्निर्माण 75 वी वर्षगांठ पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहा है। यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और सामाजिक एकता को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आस्था और स्वाभिमान का जीवंत प्रतीक है। आज इस आयोजन के माध्यम से नया भारत अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और आत्मसम्मान को स्मरण करते हुए आगे बढ़ने का संकल्प ले रहा है।

गरियाबंद में स्कूली परीक्षा पर बवाल –

प्रश्न पेपर में राम नाम के अपमान का प्रयास, भारी आक्रोश

■ भगवान श्रीराम का अपमान बर्दाश्त नही किया जायेगा – योगेश शर्मा

गरियाबंद / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में अब महासमुंद के बाद गरियाबंद जिले में भी सरकारी स्कूल के एक परीक्षा पेपर में प्रश्न को लेकर लोगो में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखण्ड मे अर्धवार्षिक परीक्षा कक्षा चैथी के इंग्लिश विषय के प्रश्न पेपर में भगवान राम के नाम का अपमान किया गया है इसकी जानकारी लगते ही हिन्दू संगठन सहित क्षेत्र के वरिष्ठजनो ने इस मामले की गंभीर निंदा करते हुए जिम्मेदार शिक्षा विभाग के अधिकारी गरियाबंद जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य जिम्मेदार अफसरो पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है और इस मामले को लेकर मैनपुर नगर में पुतला दहन प्रदर्शन की तैयारी चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार कक्षा चौथी इंग्लिश प्रश्न पत्र में एक सवाल पूछा गया था कि ''मोना के कुत्ते का क्या नाम है ? इस वस्तुनिष्ठ प्रश्न के लिए दिये गये विकल्प में एक विकल्प के रूप में राम नाम लिखा गया था। जैसे ही इसकी जानकारी पालको और हिन्दू संगठन एवं वरिष्ठजनो तक पहुंची तो लोगो ने इस मामले को लेकर कड़ी निंदा करते हुए कहा है करोड़ो लोगो के आस्था के केन्द्र भगवान के नाम का प्रश्न पत्र में अपमान करने का प्रयास किया गया है जो घोर अपमानजनक है इस मामले को राज्य सरकार को तत्काल संज्ञान में लेना चाहिए और जिम्मेदार शिक्षा विभाग के अधिकारियो सहित जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद को तत्काल बर्खास्त कर कार्यवाही किया जाना चाहिए।

भगवान श्रीराम का अपमान बर्दाश्त नही किया जायेगा: योगेश शर्मा

भाजपा गरियाबंद जिले के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंडित योगेश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि एक दुःखद वाकया सामने आई जिसमें श्वान के नाम के चार विकल्पों में राम नाम का भी विकल्प दिया गया, यह एक दुःखद व निंदनीय कृत्य है प्रशासन को इस तरह के कृत्य पर तत्काल सख्त कार्रवाई किया जाना चाहिए भगवान श्रीराम भारत की आत्मा है।उनके नाम का इस तरह से अपमान जनक उल्लेख किया जाना शिक्षा विभाग की घोर लापरवाही व गैर जिम्मेदाराना हरकत को दर्शाता है। शिक्षा विभाग के इस कृत्य से शासन की छवि धूमिल हुई है इस कृत्य पर जिम्मेदारों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से मिलकर किया जाएगा। श्री शर्मा ने कहा शिक्षा विभाग का जिला प्रमुख होने के नाते जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी बनती है कि प्रश्न पेपर प्रकाशन के पूर्व पूरी तरह से उसकी जाँच पश्चात ही प्रकाशन की अनुमति दी जाए, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित समस्त जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से नहीं किया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव ने भी मामले पर नराजगी

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव ने बताया पालको के माध्यम से यह मामला सामने आया है जो काफी निंदनीय है प्रश्न पत्र में राम नाम के अपमान का प्रयास किया गया है। श्री ध्रुव ने कहा इस मामले की निष्पक्षता से जॉच किया जाना चाहिए इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार के शिक्षामंत्री से लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारी जिम्मेदार है परीक्षा प्रश्न पत्र के एक सवाल में भगवान श्रीराम के नाम पर एक आपत्तिजनक उल्लेख किया गया है जो किसी हाल मे बर्दाश्त नही किया जायेगा यह शिक्षा विभाग के कुत्सित मानसिकता को दर्शाता है इस गंभीर लापरवाही पर अब तक न ही शासन के मंत्री और सत्ता पक्ष के नेताओ की कोई प्रतिक्रिया नही आना भी गंभीर सवाल को पैदा करता है। श्री ध्रुव ने कहा इस गंभीर मामले पर भाजपा नेताओ की चुप्पी समझ से परे है भगवान श्रीराम समस्त मानव जाति और हमारे जीवन का आधार है हमारे अराध्य देव है और हम अपने अराध्य का अपमान बर्दाश्त नही करेंगे।

भुवनेश्वर चंद्राकर को मिली भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी

कवर्धा / नवप्रदेश। । संघर्ष, संगठन और जमीन से जुड़े नेतृत्व पर पार्टी का भरोसा, किसान मोर्चा को मिला मजबूत और भरोसेमंद चेहरा छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसान सरोकारों को नई धार देने वाला अहम फैसला सामने आया है। भाजपा के किसान संगठन किसान मोर्चा ने लंबे समय से जमीनी स्तर पर सक्रिय, संघर्षशील और संगठननिष्ठ नेता भुवनेश्वर चंद्राकर को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति केवल संगठनात्मक फेरबदल नहीं, बल्कि उस नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संकेत है, जिसने वर्षों तक किसान मुद्दों को प्राथमिकता दी और विपरीत परिस्थितियों में भी संगठन की आवाज को कमजोर नहीं पड़ने दिया।

भुवनेश्वर चंद्राकर की पहचान ऐसे नेता के रूप में बनी है, जो पद से अधिक अपने काम, व्यवहार और निरंतर सक्रियता से पहचाने जाते हैं। पंचायत स्तर की राजनीति से शुरू हुआ उनका सफर आज प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी तक पहुंचा है। इस पूरे सफर में उनका जुड़ाव गांव, किसान और सहकारिता से कभी कमजोर नहीं पड़ा। संगठन के भीतर उन्हें एक संतुलित, भरोसेमंद और जमीन से जुड़े नेतृत्व के रूप में देखा जाता है।

प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी, संगठन को मिला

अनुभव और भरोसे का संबल

प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलते ही किसान मोर्चा के भीतर यह स्पष्ट संदेश गया है कि संगठन अब अनुभव और संघर्ष को नेतृत्व की कसौटी मान रहा है। भुवनेश्वर चंद्राकर ने वर्षों तक किसान समस्याओं को केवल मंचों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें संगठनात्मक मुद्दा बनाकर मजबूती से उठाया। खाद-बीज संकट, फसल मूल्य, भुगतान में देरी और सहकारिता से जुड़े प्रश्नों पर उनकी निरंतर सक्रियता ने उन्हें किसानों के बीच विश्वसनीय चेहरा बनाया। प्रदेश स्तर पर उनकी भूमिका अब इन मुद्दों को और व्यापक मंच पर मजबूती से रखने की होगी।

पंचायत से संगठन तक मजबूत आधार, जमीन से जुड़ा नेतृत्व

भुवनेश्वर चंद्राकर की राजनीति की सबसे बड़ी ताकत उनका पंचायत और ग्रामीण अंचलों से जुड़ाव रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधि और संगठनकर्ता– दोनों भूमिकाओं को संतुलित तरीके से निभाया। गांव, किसान और सहकारिता उनकी राजनीति के केंद्र में रहे।

जायसवाल नीको इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चरौदा के प्रतिभावान छात्रों को किया पुरस्कृत

धरसीवां/ नवप्रदेश। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत जायसवाल नीको इंडस्ट्रीज लिमिटेड शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित है । नीको कंपनी द्वारा आसपास गांव के 500 से अधिक प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष पुरस्कृत करता है इसी कड़ी में आज कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा माल्यार्पण ,सरस्वती वंदना पश्चात स्कूल की छात्राओं द्वारा अतिथि स्वागत गीत माध्यम से किया गया तत्पश्चात स्कूल का प्रतिवेदन प्राचार्य एन के वर्मा ने दिया तत्पश्चात

प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री देकर पुरुस्कृत किया जिसमें कक्षा 1 से लेकर कक्षा 10 वीं तक के 43 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में अपने कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के अलावा एक विशेष बालिका को भी पुरुस्कृत किया कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि के रूप में आलोक पांडे अध्यक्ष मानव संसाधन विभाग जायसवाल नीको इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने अतिथि उद्बोधन में बताया कि एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री एस के स्वेन के मार्गदर्शन मे हमारा संस्थान सामाजिक सरोकार के कार्यो के लिए आस पास के गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है ।

उन्होंने ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन एवं कठिन परिश्रम से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है ।आप सभी हमारे देश के भविष्य हैं और आगे चलकर देश की उन्नति में आपकी भागीदारी होगी ।इसके लिए कठिन परिश्रम और शिक्षा ही माध्यम है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम पंचायत चरौदा के सरपंच संगीता ध्रूव , जनपद सदस्य पूजा वर्मा, कंपनी से मोहम्मद मोहिबुल्लाह खान उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन विभाग ने संबोधित किया कार्यक्रम मे शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष प्रदीप वर्मा, उपसरपंच सनत साहू , प्राचार्य एन के वर्मा ,प्रधान पाठक रंजीत वर्मा स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं नीको संस्थान से राम स्नेही गौराहा प्रबंधक मानव संसाधन विभाग राजेंद्र राठौड़ सहायक प्रबंधक मानव संसाधन विभाग सुशांत नायक ग्रामवासी एवं बच्चे बहुत अधिक संख्या में उपस्थित थे।

विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ ने बांटा शाल और कम्बल

भाटापारा/नवप्रदेश। शीतलहर के चलते नगर के मौसम में आई गिरावट को ध्यान में रखते हुए विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ जिला भाटापारा बलौदा बाजार के द्वारा भाटापारा शहर में स्थित श्री साई मंदिर के सामने बैठे गरीब,दिन दुखी,बेसहारा लोगो के मध्य पहुंचकर उन्हें ठिठुरती ठंड में कंबल ,शाल ओढ़ाकर अनुकरणीय सामाजिक कार्य किया,जिसकी नगर में भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है।

विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ जिला भाटापारा बलौदा बाजार की जिला अध्यक्ष उमा रेखू शर्मा के नेतृत्व में हुए नए वर्ष और मकर संक्रांति के अवसर पर गरीबों के मध्य किए गए शाल,कंबल वितरण के कार्य में उनकी टीम ने अपनी पूरी सहभागिता निभाते हुए इस कार्य में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।विदित हो कि जिला अध्यक्ष के रूप में जब से उमा रेखू शर्मा की नियुक्ति हुई तब से वे लगातार अपनी टिम के साथ अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन प्रदेश पदाधिकारियों के निर्देश पर करते आ रही है ।श्री साईं मंदिर के सामने गुरुवार को हुए विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ केशाल कंबल वितरण कार्यक्रम में श्रीमती अंजू भृगु ऊषाकिरण तिवारी ,श्रीमती किरण जोशी,श्रीमती मोहिनी चौबे सुनीता हट्टीका, सुलेखा शर्मा,बबीता भृगु, शिवानी शर्मा, उमा पटाक ,शशि पांडे,चंदा किरण शर्मा, पिंकी शर्मा ,मीता शर्मा ,वंदना शर्मा,उषा भृगु आशा पुरोहित बेला शर्मा सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

कबीरधाम प्राईवेट स्कूल संघ के तत्वाधान में

इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ

कवर्धा / नवप्रदेश। नगर के छीरपानी कॉलोनी मैदान में कबीरधाम प्राईवेट स्कूल संघ के तत्वाधान में इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन दिनांक 10 से 11 जनवरी तक किया गया है जिसमें नगर के श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल,गुरुकुल पब्लिक स्कूल, अभ्युदय स्कूल,अशोका पब्लिक स्कूल,दिल्ली पब्लिक स्कूल,संस्कार पब्लिक स्कूल,आदर्श विद्या मंदिर एवं रामकृष्ण पब्लिक स्कूल रवेली कुल आठ टीम सम्मिलित हुए है जिसके उद्घाटन समारोह में कबीरधाम प्राईवेट स्कूल संघ के पदाधिकारी राज्य के प्रांत उपाध्यक्ष पवन देवांगन,जिलाध्यक्ष डॉ.अश्वनी श्रीवास,जिला सीबीएसई स्कूल के

अध्यक्ष आदित्य चंद्रवंशी,कवर्धा शहर अध्यक्ष आशीष अग्रवाल,जिला सचिव लक्ष्मण चंद्रवंशी,जिला संरक्षक सपन चोपड़ा,जिला सहसचिव लोमश चंद्रवंशी,सदस्य कुंज बिहारी जी के उपस्थिति भव्य शुभारंभ कराया गया साथ ही जिलाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास ने सभी स्कूलों से आए खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दिए और कवर्धा शहर में यह प्रथम बार प्राइवेट स्कूल के बच्चों के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट खेल का आयोजन गया है जिसमें सभी खिलाड़ियों को एक अच्छा प्लेटफार्म दिन का कार्य किए है और उनके हुनर को निखारने का यह प्रयास किया जा रहा है, पहले दिन कुल चार मैच खेला गया जिसमे पहला मैच श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल कवर्धा विरुद्ध आदर्श विद्या मंदिर के बीच खेला गया जिसमे आरपीएस के टीम ने बैटिंग करते हुए 7 ओवर के मैच में 110 रन का एक बड़ा लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए आदर्श विद्या मंदिर के टीम ने मात्र 48 रन ही बना पाए और आरपीएस की टीम ने यह अपने नाम किया दूसरा मैच अशोका पब्लिक स्कूल विरुद्ध संस्कार पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया इसमें अशोका स्कूल की टीम ने 138 का रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमें संस्कार स्कूल की टीम ने मात्र 90 रन ही बना पाए तीसरा मैच दिल्ली पब्लिक स्कूल विरुद्ध रामकृष्ण पब्लिक स्कूल रवेली के बीच खेला गया इसमें रवेली की टीम ने 81 रन का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए डीपीएस की टीम ने 84 रन बनाकर इस मैच को अपने नाम किया वहीं चौथा मैच गुरुकुल पब्लिक स्कूल विरुद्ध अभ्युदय स्कूल के बीच खेला गया जो बहुत रोमांच भरा रहा गुरुकुल की टीम ने बैटिंग करते हुए 110 रन का लक्ष्य दिया परन्तु अभ्युदय की टीम ने मात्र 100 रन ही बना पाए और हार का सामना करना पड़ा ।

'मेरे सपनों का कवर्धा' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कवर्धा / नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा नगरवासियों एवं विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का विषय ÷मेरे सपनों का कवर्धा÷ निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अंतिम तिथि 18 जनवरी 2026 रखी गई है। यह प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। पहली श्रेणी आम नागरिकों के लिए तथा दूसरी श्रेणी कक्षा 10वीं से ऊपर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए निर्धारित की गई है।

सांदीपनी एकेडमी अछोटी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन

धमधा/नवप्रदेश। संगोष्ठी के द्वितीय दिवस का प्रारंभ तकनीकी सत्र से हुआ, जिसके अंतर्गत रिसोर्स पर्सन डॉ. नीरूपमा शर्मा ने इंडियन फिलोसोफिकल स्कूल (न्याय, मीमांसा, सांख्य) एण्ड लॉजिक फॉर ए रीजनिंग प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए, जिसे प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया। तत्पश्चात विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया। द्वितीय दिवस के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. बी. रघु विशिष्ट अतिथि डेकेश्वर वर्मा, विशेष अतिथि डॉ. अंकित राजपाल एवं डॉ. शिशिरकर्णा भट्टाचार्य उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. वी. रघु ने अपने वक्तव्य में शिक्षा, संस्कृति और तकनीक समन्वय को ही राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला की संज्ञा दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डेकेश्वर वर्मा ने ऐसे अकादमिक आयोजनों को ज्ञानवर्धन एवं बौद्धिक विकास का प्रभावी माध्यम बताया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रतिभागिता एवं प्रस्तुतिकरण के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तीन प्रतिभागियों को बेस्ट पेपर अवॉर्ड दिया गया। प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। संगोष्ठी के सफल आयोजन में संस्था के डायरेक्टर महेंद्र चौबे, मुख्य संरक्षक डॉ. दिव्या शर्मा द्वारा उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम की रिपोर्ट प्राचार्य डॉ. स्वाति वास्तव के द्वारा प्रस्तुत की गई, आयोजन सचिव डॉ. गुंजन शर्मा द्वारा समापन सत्र प्रस्तुत की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

रेल मंत्री के हाथों विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित हुए एस पी चौबे

भाटापारा स्टेशन में 9 साल तक थे पदस्थ

भाटापारा/नवप्रदेश। भारतीय रेल द्वारा आयोजित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कारङ्क2025 समारोह का आयोजन 09 जनवरी को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में किया गया। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए रेल अधिकारियों सहित रायपुर रेल डिविजन से सांध्य प्रदीप चौबे, स्टेशन अधीक्षक, रायपुर को भी सम्मानित किया गया इसके साथ ही उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को तीन प्रतिष्ठित शील्ड प्रदान की गईं, जिनमें ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन शील्ड, रेल मदद शील्ड तथा उत्कृष्ट गुणवत्ता शील्ड शामिल हैं।

इस सम्मान समारोह में तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे। रेल मंत्री द्वारा यह सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को प्रदान किया गया। यह उपलब्धि ज़ोन की उच्च परिचालन दक्षता, गुणवत्ता-उन्मुख कार्यसंस्कृति तथा यात्री-केंद्रित सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

समारोह में अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कारङ्क2025 के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर में कार्यरत श्री सांध्य प्रदीप चौबे, स्टेशन अधीक्षक, रायपुर को भी रेल मंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया। विदित हो कि श्री चौबे जुलाई 2007से जून 2016 लगभग 9साल तक भाटापारा में पदस्थ थे इसी दौरान भाटापारा से हथबंद तक तीसरी लाईन चालू हुआ था और अंबुजा और लाफार्ज साइडिंग में अंदर तक मालगाड़ी जाना भी इसी अवधि में चालू हुआ था।

विदित हो कि श्री सांध्य प्रदीप चौबे, स्टेशन अधीक्षक, रायपुर को नया रायपुर में ।।क्ष्टरु गति शक्ति कोचिंग टर्मिनल की न्यूनतम व्यवधान के साथ सफल कमीशनिंग सहित रेल संचालन में उनके सराहनीय योगदान के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कारङ्क2025 से सम्मानित किया गया। उनके कार्यों ने परियोजना निष्पादन एवं समन्वय में उत्कृष्ट मानक स्थापित किए हैं।

उत्कृष्ट सामूहिक प्रदर्शन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को प्रदान की गई तीनों शील्ड ट्रैफिक ट्रांसपोर्टेशन शील्ड, रेल मदद शील्ड तथा उत्कृष्ट गुणवत्ता (वर्कशॉप) शील्ड ङ्क मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर,यह सम्मान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कर्मचारियों की टीम भावना, परिचालन दक्षता, यात्री सेवा, संरक्षा, तकनीकी गुणवत्ता एवं निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

यह सम्मान समारोह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा, पेशेवर उत्कृष्टता एवं टीम भावना को रेखांकित करता है तथा भारतीय रेल के सुरक्षित, कुशल एवं यात्री-हितैषी भविष्य के निर्माण की दिशा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानपूर्वक अभिव्यक्त करता है।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामलेकीश्रेणी- राजस्व

संदर्भ - जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध
प्रकरण क्रमांक-RD202526430103900071

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी **गुरदीप सिंग धुग्गा पिता/पति-बलबीर सिंग धुग्गा पता-गायत्री मंदिर वार्ड, दुर्ग, परमजीतसिंग धुग्गा पिता/पति-बलबीर सिंग धुग्गा पता- गायत्री मंदिर वार्ड, दुर्ग, बलबीर सिंग धुग्गा पिता/पति-स्व. रनसिंग धुग्गा पता-गायत्री मंदिरवार्ड, दुर्ग** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक **1179/277(0.0200)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **परमजीतसिंग धुग्गा पिता/पति-बलबीर सिंग धुग्गा पता-गायत्री मंदिर वार्ड, दुर्ग, गुरदीप सिंग धुग्गा पिता/पति-बलबीर सिंग धुग्गा ,पता-गायत्री मंदिर वार्ड, दुर्ग** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **30/01/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय **न्यायालय तहसीलदार दुर्ग** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **07/01/2026** को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग

20 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद। बसना पुलिस ने ग्राम मुंगाडीह मजार डोंगरी के पास 20 लीटर महुआ शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब की अवैध बिक्री करने वाले आरोपी निवासी हेतराम भारद्वाज (57) के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

चावल उत्सव में शामिल हुई जनपद उपाध्यक्ष

महासमुंद। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर ग्राम बेलसोंडा स्थित शासकीय उचित मूल्य (राशन) दुकान में चावल उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान और श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि चावल उत्सव के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को समय पर, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से राशन वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रीत बाई धीवर ने कीं। उन्होंने अपने अध्यय उद्बोधन में कहा कि रजत जयंती वर्ष में आयोजित चावल उत्सव राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जिससे ग्रामीणों को घर-घर लाभ पहुंच रहा है और शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

टॉप 50 बकायादारों को डिमांड नोटिस जारी, नहीं पटाया टैक्स तो होगी कुर्की

डोंगरगांव/ नवप्रदेश। नगर पंचायत डोंगरगांव ने राजस्व वसूली को लेकर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। लंबे समय से करों का भुगतान न करने वाले शहर के टॉप 50 बकायादारों के खिलाफ निकाय प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इन सभी बकायादारों को छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 164 (3) के तहत डिमांड नोटिस जारी किया गया है। नगर पंचायत द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन 50 करदाताओं को 3 माह पूर्व ही बिल थमा दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद उनके द्वारा राशि जमा करने में कोई रुचि नहीं दिखाई गई। अब विभाग ने इन्हें 15 दिनों का अंतिम समय दिया है। यदि इस अवधि के भीतर कर की राशि जमा नहीं की जाती, तो अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार चल संपत्ति की कुर्की हेतु कुर्की वारंट जारी कर कार्यवाही की जाएगी।

श्रद्धा एवं गौरव के साथ मनाया गया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

नगरी। सिहावा स्थित श्री कणेश्वर मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी नगरी मंडल द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन भाजपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक कर ?कार मंत्रोच्चार किया। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जिला अध्यक्ष प्रकाश बैस ने सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर भारतीय संस्कृति, आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सोमनाथ मंदिर पर हुए ऐतिहासिक संघर्ष के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में इस पर्व को भव्य रूप से मनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंडल अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने कहा कि अनेक आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज भी देशवासियों की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601101000020

विषय- अ-6 अ सन-2025-2026
मामले की श्रेणी:- राजस्व
कुरूद प.ह.न. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-सुन्दरी देवी,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुन्दरी देवी पिता/पति/विभाग-राम सुवाहन प्रसाद पता-रिसाली द्वारा ग्राम - कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व् जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 183/1 रकबा 0.013 हे. भूमि में त्रुटिवश रकबा गलत दर्ज हो गया है जिसे सुधार कर सही रकबा दर्ज किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामान्तरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनाक 23/01/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है! निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा !

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/01/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक
कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.)
आम - सूचना

विषय - सीमांकन बाबत।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसीलदार के आ. क्र. 17750 दिनांक 21/07/25 के पालन में ग्राम बोरसी प.ह.नं. 39 श्रीमान एम. डी. रेड्डी जी पिता मुरे सिंध्दा रेडी जी निवासी 16/ए/23 सेक्टर-10 भिलाई द्वारा आवेदित ग्राम बोरसी स्थित भूमि खसरा नंबर 224/64 रकबा 0.018 हे. जिसकी सीमा उत्तर में सुखदेव राजपूत दक्षिण में सिंधुनावर एवं अन्य पूर्व में प्लाट नं-22 का भाग तथा पश्चिम में 25 फीट का रास्ता है। उक्त खसरा नंबर का सीमांकन दिनांक 13/01/26 को 03.00 बजे किया जावेगा। किसी भी व्यक्ति / संस्था को उक्त खसरा नंबर की भूमि में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आऊट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। तत्पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

जारी दिनांक - 08/01/26

राजस्व निरीक्षक
कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.)

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला-दुर्ग !!
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202601104700016/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री माधोराम साहू पिता स्व. धनवाराम साहू निवासी ग्राम ढौर तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 के द्वारा स्थित भूमि मौजा-ढौर प0ह0नं0 12 रा0नि0मं0 दुर्ग-01 तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर- 10,11, 24, 83, 309, 546, 556, 559 रकबा क्रमशः 0.07, 0.10, 0.08, 0.14, 0.03, 0.03, 0.0, 0.04 हे0 भूमि है। उक्त भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदारों के नाम से वर्तमान भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के सहखातेदार राम प्रकाश पिता धनवा का स्वर्गवास दिनांक 26/08/2025 को एवं उनकी पत्नी उत्तरा बाई पति- रामप्रकाश का स्वर्गवास दिनांक 23/11/2009 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेख से मृतक का नाम विलोपित कर उसके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम 1. खेमचंद साहू (पुत्र) 2. लोकचंद साहू (पुत्र) 3. उमा साहू (पुत्री) दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदारों का नाम राजस्व अभिलेख में यथावत् रखे जाने हेतु फौती नामांतरण आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा हो तो वह नियत दिनांक 30.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/01/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।
जारी दिनांक- 08/01/2026
सुनवाई दिनांक-30/01/2026

अति. तहसीलदार
दुर्ग-01

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202601101000034/3-6/वर्ष 2025-26 में **आवेदिका/आवेदक सुनील कुमार साव पिता सरोज साव निवासी सुपेला भिलाई** द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. **8066/29 रकबा 0.011 हे./1200 वर्गफीट** है। जो भूमिस्वामी **अनुपमा देवी पति सुनील कुमार साव** के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी **अनुपमा देवी पति सुनील कुमार साव** की मृत्यु दिनांक 22.09.2025 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27/01/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/01/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला-दुर्ग !!
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202601104700018/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री माधोराम साहू पिता स्व. धनवाराम साहू निवासी ग्राम ढौर तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 के द्वारा स्थित भूमि मौजा-ढौर प0ह0नं0 12 रा0नि0मं0 दुर्ग-01 तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर- 2629 रकबा 0.8500 हे0 भूमि है। जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदारों के नाम से वर्तमान भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के सहखातेदार राम प्रकाश पिता धनवा का स्वर्गवास दिनांक 26/08/2025 को एवं उनकी पत्नी उत्तरा बाई पति- रामप्रकाश का स्वर्गवास दिनांक 23/11/2009 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेख से मृतक का नाम विलोपित कर उसके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम 1. खेमचंद साहू (पुत्र) 2. लोकचंद साहू (पुत्र) 3. उमा साहू (पुत्री) दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदारों का नाम राजस्व अभिलेख में यथावत् रखे जाने हेतु फौती नामांतरण आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा हो तो वह नियत दिनांक 30.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/01/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।
जारी दिनांक- 08/01/2026
सुनवाई दिनांक-30/01/2026

अति. तहसीलदार
दुर्ग-01

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला-दुर्ग !!
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202512104700034/अ-6-अ/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जितेन्द्र कुमार नाहर पिता- श्री एन.सी. नाहर निवासी मालवीय नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा स्थित भूमि मौजा- चिखली प0ह0नं0 - 14 रा0नि0म0 - जेवरा सिरसा, तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर - 381 रकबा 1.33 हे. भूमि जितेन्द्र नाहर (H.U.f के नाम) से खरीदी गई थी, किन्तु वर्तमान बी-01, विवरण में यह भूमि जितेन्द्र कुमार नाहर (व्यक्तिगत नाम) से प्रदर्शित हो रहा है, जो कि एक गंभीर त्रुटि है। उक्त संबंध में त्रुटि सुधार कर उक्त भूमि में भूमिस्वामी जितेन्द्र नाहर (H.U.f) का नाम जो कि सही व सत्य है दर्ज किये जाने के संबंध में न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा हो तो वह नियत दिनांक 29/12/25 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं । समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 09/12/25 को यह उदघोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।
जारी दिनांक-09/12/2025
सुनवाई दिनांक- 29/12/2025

अति. तहसीलदार
दुर्ग-01

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी, रायपुर (छ.ग.)
// शपथ-पत्र नाम परिवर्तन हेतु //

मैं **आयुधालु विनोद नायडू** उम्र 52 वर्ष, पिता- स्व. ए.एस.पी. नायडू, निवासी - जीएफ -2 विनायक विला, गोमती इंडस्ट्रीज के पास, वार्ड नंबर -59, लक्ष्मी नगर, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि -

1. यह कि, मेरी पुत्री का वर्तमान नाम - ए. जान्हवी नायडू (A. JANHAVI NAIDU) जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक / शासकीय व अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में अंकित है।
2. यह कि, मैं अपनी पुत्री का नाम परिवर्तित कर नया नाम - आयुधालु जान्हवी नायडू (AYUDHALU JANHAVI NAIDU) रखना चाहता हूं।
3. यह कि, मेरे द्वारा इस संबंध में समाचार पत्र में नाम परिवर्तन का ईश्तहार का प्रकाशन करवाया जावेगा।
4. यह कि, भविष्य में मेरी पुत्री को नये नाम - आयुधालु जान्हवी नायडू (AYUDHALU JANHAVI NAIDU) पिता - श्री आयुधालु विनोद नायडू के नाम से जाना व पहचाना जावे एवं मेरे समस्त शैक्षणिक, शासकीय, अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में अंकित करवाने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

सत्यापन -

मैं, उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि इस शपथपत्र की कंडिका 01 से 04 तक में कहे गये कथन मेरी जानकारी में पूर्णतः सत्य व सही है, जिसे मैंने हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

आयुधालु विनोद नायडू
शपथकर्ता

समक्ष- श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय जिला दुर्ग (छ.ग.)
शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता मोहम्मद रेहान (MOHAMMAD REHAN) पिता मोहम्मद तौफीक MOHAMMAD TAUFIK), आयु 27 वर्ष, निवासी- इस्लाम नगर, सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूँ जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ -

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र मेरा नाम मो. रेहान (MO. REHAN) दर्ज है तथा आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा नाम रेहान (REHAN) दर्ज है एवं मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा पूरा नाम मोहम्मद रेहान (MOHAMMAD REHAN) है, जो कि सत्य व सही है।
3. यह कि मो. रेहान (MO. REHAN), रेहान (REHAN) & मोहम्मद रेहान(MOHAMMAD REHAN) तीनो नाम एक ही व्यक्ति का है, अर्थात् मेरे स्वयं का नाम हैं।
4. यह कि मैं अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय दस्तावेजों मे मेरा पूरा नाम मोहम्मद रेहान (MOHAMMAD REHAN) दर्ज करवाना चाहता हूं, जिसके संबंध में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

अतः यह शपथपत्र उपरोक्त कथन की सत्यता में गजट प्रकाशन हेतु सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना है।

सत्यापनः-

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि उक्त शपथपत्र की कुल कंडिका 01 से 04 में दी गई समस्त जानकारी मेरे निजी ज्ञान व विश्वास के अनुसार सत्य व सही है अतः आज दिनांक 08.01.2026 को अपना हस्ताक्षर कर दिया।

मोहम्मद रेहान (MOHAMMAD REHAN)
शपथकर्ता

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग-01 जिला-दुर्ग !!
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202601104700017/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री माधोराम साहू पिता स्व. धनवाराम साहू निवासी ग्राम ढौर तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 के द्वारा स्थित भूमि मौजा-ढौर प0ह0नं0 12 रा0नि0मं0 दुर्ग-01 तहसील व जिला दुर्ग छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नंबर- 13, 76 रकबा 0.11, 0.06 हे0 भूमि है। जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातदारों के नाम से वर्तमान भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के सहखातेदार राम प्रकाश पिता धनवा का स्वर्गवास दिनांक 26/08/2025 को एवं उनकी पत्नी उत्तरा बाई पति- रामप्रकाश का स्वर्गवास दिनांक 23/11/2009 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेख से मृतक का नाम विलोपित कर उसके स्थान पर उनके विधिक वारिसानों का नाम 1. खेमचंद साहू (पुत्र) 2. लोकचंद साहू (पुत्र) 3. उमा साहू (पुत्री) दर्ज किये जाने एवं शेष खातेदारों का नाम राजस्व अभिलेख में यथावत् रखे जाने हेतु फौती नामांतरण आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा हो तो वह नियत दिनांक 30.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/01/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।
जारी दिनांक- 08/01/2026
सुनवाई दिनांक-30/01/2026

अति. तहसीलदार
दुर्ग-01

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **27364** दिनांक **09.01.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652G01023** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **NEHA RAZA** पिता / पति श्री/श्रीमती **ABDUL JUBAID** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **FIROJ KHAN** पिता /पति श्री/श्रीमती **MAJID KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **27414** दिनांक **10.01.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652D00332** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **SANTOSH KUMAR MULCHANDANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **BISAN DAS MULCHANDANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **यशोदा साहू** पिता /पति श्री/श्रीमती **पति मनोज कुमार साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 6)
आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **27363** दिनांक **09.01.2026**
वार्ड का नाम- **60 - चंद्रशेखर आजाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652H0181A** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **NASRIN** पिता / पति श्री/श्रीमती **MO. KALIM** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SADAM KHAN** पिता /पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD KALIM KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

समक्ष- श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय जिला दुर्ग (छ.ग.)
शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता श्रीमान प्रदीप कुमार उम्र 31 वर्ष पिता विजय कुमार निवासी ग्रामः- कुथरेल तह.व जिला दुर्ग छ.ग. का निवासी हूं जो कि नि.लि. कथन शपथपूर्वक करता हूं-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि मेरे अंकसूची व दाखिला खारिज में मेरा नाम प्रदीप कुमार आ. विजय कुमार एवं मेरी माता का नाम इन्द्राणी दर्ज है जो सही एवं सत्य है।
3. यह कि मेरे पिता के दाखिला खारिज में मेरे पिता का नाम विजयनारायण आ. टीकाराम अंकित है एवं मेरे दादा के दाखिला खारिज में मेरे दादा का नाम टीकाराम आ. करिया दर्ज है।
4. यह कि मैं अपने प्रत्येक शासकीय व अशासकीय दस्तावेजो में अपने पिताजी के नाम में विजय कुमार दर्ज कराना चाहता हूं।
5. यह कि मेरा सही व वास्तविक नाम प्रदीप कुमार पिता विजय कुमार के नाम से गजट प्रकाशन करवाने इसी आधार पर मेरे शासकीय व अशासकीय दस्तावेजों में अंकित करवाने यह शपथ पत्र श्रीमान अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन -

मैं शपथकर्ता सत्यापित करता हूं कि शपथपत्र कि कुल कंडिका क्र.01 से लेकर 05 तक दी गई समस्त जानकारी सही एवं सत्य है अतः आज मैं दिनांक-08.01.2026 को स्थान दुर्ग में अपना हस्ताक्षर कर दिया।

प्रदीप कुमार
शपथकर्ता

श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)
शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता **अशोक पटेल पिता श्री गणेश पटेल उम्र 41 वर्ष, निवासी मकान नं. 299, वार्ड नं. 25, कैम्प 02, न्यू मछली मार्केट के पास, चटाई क्वाटर भिलाई जिला दुर्ग छ.ग.** निम्न लिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ।

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि मेरी पुत्री **सौम्या पटेल (SOUMYA PATEL)** का जन्म दिनांक 16/09/2012 को हुआ है, जिसका जन्म पंजीयन क्रमांक 17164 एवं पंजीयन दिनांक 16/09/2012 है।
3. यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक दस्तावेजो मे मेरी पुत्री का नाम **सौम्या पटेल (SOUMYA PATEL)** दर्ज है, जो कि सत्य एवं सही है, जबकि मेरी पुत्री के आधार कार्ड मे मेरी पुत्री का नाम **सौम्या पटेल (SOUMIYA PATEL)** दर्ज हैं।
4. यह कि मैं अपनी पुत्री के आधार कार्ड में अपनी पुत्री का पूर्ण **सौम्या पटेल (SOUMYA PATEL)** दर्ज करवाना चाहता हूँ।
5. यह कि उक्त शपथ पत्र छत्तीसगढ़ राजपत्र मे मेरी पुत्री के परिवर्तित पूर्ण नाम को प्रकाशित किये जाने हेतु साक्ष्य स्वरूप सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन -

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त कंडिका 1 से 5 तक का ब्यान मेरे स्वयं के जानकारी एवं मेरे विश्वास से सत्य एवं सही है। अतः आज दिनांक 07/01/2026 को स्थान दुर्ग मे अपना हस्ताक्षर कर दिया।

अशोक पटेल
शपथकर्ता

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), साजा जिला बेमेतरा (छ.ग.)
// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका शारदा अग्रवाल पति राकेश अग्रवाल निवासी ग्राम देवकर तहसील देवकर जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की ग्राम देवकर प.ह.नं. 11 तहसील देवकर स्थित भूमि ख.नं. 1708, 1713 रकबा 0.02, 0.01 हेक्ट., भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतू बी-1, नक्शा खसरा में आवेदन पेश किया गया है। जिसे संहिता की धारा 172 के तहत व्यपवर्तित किया जाना है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर दावा हो तो दिनांक 12/01/2026 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5.00 बजे तक दावा / आपत्ति पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),
मुहर **साजा जिला बेमेतरा**

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
'मिनी रत्न कम्पनी'
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

FORM NO. 14
[See Regulation 33(2)]
By Regd. A/D, Dasti failing which by Publication

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
2nd & 3rd floor, Sanchar Vikash Bhawan (BSNL Building), Near Head Post Office, Residency Road, Jabalpur-482001, MP

Demand Notice

NOTICE UNDER SECTIONS 25 TO 28 OF THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993 AND RULE 2 OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961.

RC/392/2024 **CENTRAL BANK OF INDIA** 05-12-2025
Versus
M/S KISAN TYRE WORKS THOMAS

To
(CD 1) **M/s. Kisan Tyre Works Thomas, Shri Joseph Thomas Shri Chanipllai Joseph,** Kawardha Road, Near Kalpana Tractor, Bemetara, Durg, Chhattisgarh
(CD 2) **Mr. Joseph Thomas**, Ward No. 13, Durg Road, Teh.-Bemetara, Durg, Chhattisgarh-0

This is to notify that as per the Recovery Certificate issued in pursuance of orders passed by the Presiding Officer, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR in **OA/965/2019** an amount of **Rs. 1521834.00 (Rupees Fifteen Lakhs Twenty One Thousands Eight Hundred Thirty Four Only)** along with pendentelite and future interest **@10.75 %** Simple Interest Yearly w.e.f. **18/06/2019** till realization and costs of **Rs. 18000 (Rupees Eighteen Thousands Only)** has become due against you (Jointly and severally/Fully/ Limited).

2. You are hereby directed to pay the above sum within **15** days of the receipts of the notice, failing which the recovery shall be made in accordance with the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and Rules there under.

3. You are hereby ordered to declare on an affidavit the particulars of yours assets on or before the next date of hearing.

4. You are hereby ordered to appear before the undersigned on **15/01/2026** at **10:30** a.m. for further proceedings.

5. In addition to the sum aforesaid, you will also be liable to pay:

(a) Such interests as is payable for the period commencing immediately after this notice of the certificate / execution proceedings.

(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and warrants and other processes and all other proceedings taken for recovering the amount due.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **05/12/2025**.

Recovery Officer
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JABALPUR

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)
अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : zoraipur.rec@ucobank.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रुप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक/सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **28/01/2026** को **11.00 बजे** से दोपहर **4.00 बजे** तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं। **बयाना राशि** प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी **28/01/2026, 3.00 बजे** के पूर्व सुनिश्चित की गई है। **ई-नीलामी की तिथि व समय- 28/01/2026** को सुबह **11.00 बजे** से उपरान्त **4.00 बजे** तक प्रत्येक 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 22/01/2026 एवं ई-नीलामी की तिथि: 28/01/2026

क्र. सं.	शाखा का नाम/ संपर्क विवरण	ऋणी एवं गारंटर का नाम	बकाया राशि / कब्जा का प्रकार	मांग सूचना/ कब्जा सूचना तिथि	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य व बयाना राशि
01	Bhilai Sector-I Mr. Shubhash 9805510068	श्रीमती नेहा मिश्रा एवं स्वप्निल मिश्रा	₹ 17.41 Lakh + उस पर लागू ब्याज / भौतिक कब्जा	25.05.2024 / 07.08.2025	स्वामित्व- नेहा मिश्रा पत्नी स्वप्निल मिश्रा, ख.नं. 9296, प.ह.नं. 14/19, सोनिया रेसिडेंसी, रामनगर, अम्बेडकर नगर वार्ड, कोहका, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग, फ्लैट नं. 204 द्वितीय तल) में स्थित आवासीय फ्लैट। क्षेत्रफल- 598 वर्गफीट.	16,64,000/- / 1,66,400/- / 25,000/-
02	Bhilai Sector-I Mr. Shubhash 9805510068	मेसर्स लीजर स्पेस	₹ 40.68 Lakh / भौतिक कब्जा	09.09.2024 / 28.05.2025	संपत्ति के मालिक- 1. श्रीमती स्वेता मित्रा पत्नी श्री पुलक, प्लॉट नं. 48, ख.नं. 372/3 एवं 372/1, इंजीनियरिंग पार्क, औद्योगिक क्षेत्र हथखोज, भिलाई, दुर्ग स्थित प्लांट एवं मशीनरी मेसर्स लीजर स्पेस की संपत्ति।	10,00,000/- / 1,00,000/- / 25,000/-
03	Palari Branch Mr. Gopal Badhei (9439331968)	मेसर्स ओम ट्रेडर	₹ 21.95 Lakh + ब्याज / सांकेतिक कब्जा	03.05.2024 / 23.08.2024	संपत्ति के मालिक- श्री बसावन लाल पुत्र श्री जेठूराम, वार्ड नं.12, शांति नगर, पलारी, जिला- बलौदा बाजार छ.ग. में स्थित एक आवासीय मकान। भूमि क्षेत्र- 2153 वर्ग फुट, निर्मित क्षेत्र- 1674 वर्गफीट.	22,00,000/- / 2,20,000/- / 25000/-
04	Civic Centre Bhilai (0298) Soumya Ranjan Sahu 8000545448	देशलहरे इंटरप्राईजेस प्रोप. संजय देशलहरे	₹ 8.72 Lakh + उस पर लागू ब्याज / सांकेतिक कब्जा	05/02/2022 / 24/05/2025	संपत्ति के मालिक- श्री संजय देशलहरे, खसरा नं. 469/1, प.ह.नं. 13/18, वार्ड नं. 5, साईं मंदिर के पास, गणेश नगर, नगर पालिक निगम, जामुल, जिला- दुर्ग (छ.ग.) 490024 में स्थित आवासीय भवन। क्षेत्रफल- 2184 वर्गफीट.	23,28,000/- / 2,32,800/- / 25000/-

ई-नीलामी की तिथि एवं समयः 28/01/2026, सुबह 11:00 बजे से शाम 4.00 बजे तक एवं संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समयः 22/01/2026, दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक। बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com पर दिए गए लिंक को देखें। इसके अलावा, संभावित बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ऊपर बताए गए शाखा प्रमुख से संपर्क कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को स्वीकार/अस्वीकार/रद्द करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है और इस संबंध में किसी भी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह प्रकाशन उपर्युक्त उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं/बंधककर्ताओं को 15 दिनों की नोटिस भी है।

दिनांक : 10.01.2026 स्थान : रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/यूको बैंक, रायपुर (छ.ग.)

न्यूज गैलरीं

सोमनाथ के स्थापना वर्ष में किया गया विशेष पूजा-पाठ

रायपुर/नवप्रदेश। सोमनाथ के मरम्मत एवं सुधार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा के द्वारा आज समस्त मंडलों में शिवालयों में पूजापाठ किया जा रहा है। भाजपा के कार्यालय मंत्री द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सोमनाथ जो कि गुजरात के प्रभाष पाटन क्षेत्र में हैं। यहां पर मोहम्मद खिलजी ने आक्रमण कर ध्वस्त कर दिया था। बाद में इसका पुनर्निर्माण अहिल्या बाई होल्कर ने किया था। देश आजाद होने के बाद तत्कालीन गृहमंत्री वल्लभ भाई पटेल ने किया था। जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भाग लिया था। सोमनाथ मंदिर दक्षिण ध्रुव तक इसका समुद्रतल तक फैला हुआ है। देश के प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। आज वे यहां पर विशेष पूजा-पाठ में पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ में आज सोमनाथ के जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर शिवालयों में विशेष पूजा-पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

5.76 बल्क लीटर अवैध देशी मदिरा व स्कूटी जब्त

रायपुर/नवप्रदेश। सचिव सह आबकारी आयुक्त आर. शंगीता के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर रायपुर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार में आबकारी विभाग जिला रायपुर द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। आबकारी टीम द्वारा दिनांक 08 जनवरी 2026 को ग्राम बाना, थाना आरंग अंतर्गत नवीन प्राथमिक शाला के सामने जांच के दौरान अवैध रूप से मदिरा का धारण एवं परिवहन करते हुए आरोपी को पकड़ा गया। जांच में ग्राम बाना, थाना आरंग, जिला रायपुर निवासी उजेंद्र बंजारे के अधिपत्य में पाए गए हीरो डेस्टिनी प्राइम स्कूटी की डिक्की से 32 नग पाव देशी मदिरा मसाला यूनिक, कुल 5.76 बल्क लीटर बरामद की गई। आबकारी विभाग द्वारा मौके से अवैध मदिरा सहित स्कूटी वाहन को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कराया गया। उक्त प्रकरण की विवेचना आबकारी उपनिरीक्षक प्रीति कुशवाहा द्वारा की जा रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि दिनांक 11 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे राजधानी शहर रायपुर में जीई मार्ग पर शास्त्री चौक के किनारे स्थित उनके प्रतिमा स्थल के समक्ष उनका सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को बूढ़ातालाब में विभिन्न कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में युवाओं के आध्यात्मिक प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद की जयन्ती राष्ट्रीय युवा दिवस दिनांक 12 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे राजधानी शहर रायपुर में स्वामी विवेकानंद सरोवर बूढ़ातालाब के मध्य निलाभ उद्यान परिसर स्थित विशालकाय ध्यानमग्न प्रतिमा के समक्ष उनका सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

गन्दा पानी सड़क पर बहने पर 10000 रूपये जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम को प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही एवं जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 5 अंतर्गत ठाकुर प्यारेलाल वार्ड क्रमांक 39 के क्षेत्र में भवन स्वामी सोनू सुन्दरियां द्वारा भवन निर्माण कार्य से सम्बंधित भवन निर्माण सामग्री को नाली के ऊपर रखा गया था।

जंबूरी छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए गौरव: डॉ.अनिल जैन

युवाओं में नेतृत्व और सेवा भाव का सशक्त मंच बनेगी जंबूरी : सीएम साय

मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने की भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सीएम हाऊस में पूर्व राज्यसभा सांसद, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए श्री जैन का स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पहली बार आयोजित हो रहे पाँच दिवसीय राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी आयोजन के लिए डॉ. अनिल जैन को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और इसे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए गौरव का विषय बताया।

युवा शक्ति का राष्ट्रीय स्तर पर होगा सशक्त प्रदर्शन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, डॉ. अनिल जैन के सक्षम नेतृत्व में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का राष्ट्रीय स्तर का आयोजन छत्तीसगढ़ में आयोजित होना राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह जंबूरी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भाव को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी मंच बनेगी। देश के विभिन्न राज्यों से आए रोवर-रेंजरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, सामाजिक और युवा शक्ति का राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त प्रदर्शन होगा।

'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी करेगी मजबूत

उन्होंने ने कहा कि, यह जंबूरी न केवल युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करेगी, बल्कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित करती रहेगी।

ये लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में सर्द हवाओं के कारण शीत लहर का प्रकोप

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में उत्तर में आ रही सर्द हवाओं के कारण शीत लहर चल रही है, जिसके चलते तापमान गिरते जा रहा है। रायपुर राजधानी में दो डिग्री तापमान कम हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार इस समय सबसे ज्यादा ठंड अम्बिकापुर में पड़ रही है। अम्बिकापुर मे आसपास मैनपाट तथा सामरी जैसे क्षेत्र हैं, जिसके कारण यहां पर न्यूनतम तापमान 4 डिग्री पहुंच गया है। इसके पश्चात जशपुर के पंडरापाठ बगीचा में भी तापमान निरंतर गिरता जा रहा है। कई स्थानों पर बर्फ जम गया है, कई स्थानों पर ओस के कारण स्थिति खराब है। रायपुर में भी तापमान गिरता जा रहा है, रायपुर में सूरज नहीं निकलने के कारण ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। लोग यहां पर गर्म कपड़े पहनकर निगल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन तक शीत लहर चलेगी। राजधनी के गर्म कपड़ों के दुकानों के सामने भारी भीड़ लगी है। मध्य छत्तीसगढ़ कहे जाने वाले दुर्ग, राजनांदगांव में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी दो दिनों तक ठंड का असर रहेगा।

दो राज्यों की बीच फंसी 10वीं-12वीं की अंकसूची

- छत्तीसगढ़ ने कहा- आवेदन भेजे गए, एमपी बोला-एक भी डंप नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। यदि आपने वर्ष 2000 के पहले दसवीं या बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और आपकी अंकसूची खो गई है तो डूप्लीकेट प्रति प्राप्त करने की उम्मीद मत रखिएगा। ऐसा हम छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के मध्य चल रही तनातनी के कारण कह रहे हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ के जिन विद्यार्थियों ने वर्ष 2000 के पूर्व दसवीं-बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उनकी अंकसूची में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल अंकित है।

मप्र मंडल अंकित लोगों की अंकसूची का मुद्रण मध्यप्रदेश ही करने के लिए अधिकृत है छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के पास वर्ष 2000 के पूर्व अंकसूची के लिए जो आवेदन आते हैं, उन्हें मध्यप्रदेश प्रेषित किया जाता है जो डंप हो रहे हैं। इधर, मप्र का दावा है कि बंटवारे में छत्तीसगढ़ को सभी रिकॉर्ड दिए जा चुके हैं। यहां ऐसा कोई भी आवेदन डंप नहीं है। बीते दो वर्षों से यही स्थिति है।

मप्र बोर्ड : छत्तीसगढ़ को सौंप चुके रिकॉर्ड

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी भूपेश गुप्ता ने पूरे प्रकरण पर कहा, जब मार्कशीट तैयार होती है, तब एक कॉपी बच्चे को दी जाती है, दूसरी मंडल के पास होती है, जिसे काउंटर फाइल बोला जाता है। उसी के आधार पर बच्चे को दूसरी बार मार्कशीट तैयार कर दी जाती है। वह रिकार्ड मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ विभाजन के बाद उस समय ही छत्तीसगढ बोर्ड को सौंप दिया गया था। मेरी जानकारी में ऐसा कोई आवेदन नहीं है कि रिकार्ड छत्तीसगढ़ बोर्ड में नहीं है या मार्कशीट नहीं दी जा रही है। यदि छत्तीसगढ बोर्ड को कोई परेशानी है तो वह यहां पर बात करें। जब उनके पास रिकार्ड मौजूद है तो यहां से किसी रिकार्ड की जरूरत ही नहीं है। विद्यार्थी वहां से मार्कशीट ले सकते हैं। हमारे यहां कोई आवेदन पेंडिंग नहीं है।

माइग्रेशन बुक भी नहीं

माशिम ने उन विद्यार्थियों की सूची प्रेषित की है, जिन्होंने 2000 के पूर्व परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें 1979, 1983, 1986 के भी विद्यार्थी हैं। सर्वाधिक संख्या 2000 सत्र के छात्रों की है। माशिम ने जो स्टेशनरी की सूची भेजी है, उसमें माइग्रेशन बुक भी शामिल है। पूर्व में विद्यालयीन पढ़ाई केवल 11 वीं कक्षा तक ही होती थी। ऐसे में पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर बनी अंकसूची भी मांगी गई है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड : थोक में खत भेज चुके छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा

मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने पूरे प्रकरण पर कहा, मध्यप्रदेश बोर्ड के जनसंपर्क अधिकारी को यदि जानकारी नहीं है, तो ऐसे बयान ना दें। हमने वर्ष 2000 के पूर्व की अंकसूची के लिए थोक में खत लिखे हैं। अपने आदमी भी इसके लिए भेजे थे। स्टेशनरी उनका दायरा है। यदि हमारे पास रिकार्ड है तब भी हम किसी अन्य बोर्ड की अंकसूची कैसे छाप सकते हैं? आवेदन पेंडिंग हैं, इसलिए आवेदनकर्ताओं को अंकसूची प्रदान करने में दिक्कतें हो रही हैं।

2024 से आवेदन

पुरानी स्टेशनरी समाप्त होने के बाद 2024 से ही माशिम द्वारा इसके लिए आवेदन प्रेषित किए जा रहे हैं। मामले को लेकर पत्र व्यवहार करने के अतिरिक्त छग माध्यमिक शिक्षा मंडल कई माह पूर्व अपना प्रतिनिधि भी भेज चुका है। यहां भी उन्हें निराश होकर ही लौटना पड़ा। छग माध्यमिक शिक्षा मंडल उन सभी विद्यार्थियों को वापस लौटा रहा है, जिन्होंने बंटवारे के पहले बोर्ड परीक्षा दिलाई थी और अब अपनी अंकसूची खो बैठे हैं। जो छात्र आवेदन कर चुके हैं, वे अपने आवेदन का स्टेट्स जानने नियमित रूप से पहुंचने रहे हैं। उन्हें पिछले दो वर्षों से स्टेशनरी ना होने की बात कहकर ही लौटाया जा रहा है। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, सैकड़ा की संख्या में आवेदन पेंडिंग हैं।

प्रधान डाकघर रायपुर में डाक एवं आधार सेवाओं का समय बढ़ा

रायपुर/नवप्रदेश। आम नागरिकों और कार्यरत लोगों को बेहतर तथा समयानुकूल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाक विभाग ने रायपुर में डाक एवं आधार सेवाओं के समय में विस्तार किया है। प्रवर अधीक्षक डाकघर, रायपुर संभाग श्री हरिश कुमार महावर ने जानकारी दी कि रायपुर प्रधान डाकघर में स्पीड पोस्ट बुकिंग की सुविधा अब रात्रिकालीन 10:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इस निर्णय से उन नागरिकों को विशेष लाभ मिलेगा जो कार्यालयीन समय के कारण डाक सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाते थे। उन्होंने बताया कि आधार अपडेटेशन की सुविधा को अधिक सुलभ बनाने के लिए अब यह सेवा कार्यालयीन दिवसों के साथ-साथ प्रत्येक रविवार को भी रायपुर जनरल पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध कराई जाएगी। इससे आधार से संबंधित संशोधन एवं अद्यतन कार्यों के लिए नागरिकों को अतिरिक्त समय और सुविधा प्राप्त होगी।

जिला स्तरीय जैविक खेती कृषि मेला का आयोजन

- रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर/नवप्रदेश। टाउन हॉल आरंग में जिला स्तरीय जैविक खेती कृषि मेला का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब रहे। अपने संबोधन में मंत्री खुशवंत साहेब ने कहा कि कृषि उत्पादन में रासायनिक उर्वरकों एवं जहरीले कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग अब एक खतरनाक स्तर तक पहुँच चुका है, जो मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए गंभीर रूप से हानिकारक है। उन्होंने कहा कि मानव और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए जैविक खेती ही एकमात्र प्रभावी विकल्प है। उन्होंने सभी कृषकों से जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि सतीश अवस्थी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए जैविक खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कृषकों से इस दिशा में आगे आने का आह्वान किया। जिला स्तरीय जैविक खेती मेले में जिले के लगभग 500 कृषकों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र से आए वैज्ञानिकों ने जैविक खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी। वहीं इफ्को से उपस्थित उप महाप्रबंधक द्वारा नैनो उर्वरक एवं नैनो डीएपी के उपयोग की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ड्रोन दीदी द्वारा ड्रोन के संचालन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। कृषि एवं उससे संबद्ध विभागों तथा निजी जैविक संस्थानों द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए।

एनआईटी रायपुर में मनाया गया 21वाँ स्थापना दिवस

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर में 09 जनवरी 2026 को 21वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम और श्रुति 25 कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक डॉ एन वी रमना राव उपस्थित रहे। इसके साथ ही डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) डॉ मनोज चोपकर, हेड, करियर डेवलपमेंट सेल , डॉ समीर बाजपाई , संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी, पूर्व छात्र, विद्यार्थी और उनके परिवारजन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत अतिथियों और विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई।

रामकृष्ण मिशन रायपुर में मनाई गई स्वामी विवेकानंद की जयंती

- भारत सरकार द्वारा 12 जनवरी को युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा कार्यक्रम
- युवाओं के लिए अनेक कार्यक्रम होंगे

रायपुर/नवप्रदेश। विवेकानंद आश्रम रामकृष्ण मिशन रायपुर में आज स्वामी विवेकानंद की जयंती पर विशेष पूजा पाठ एवं भजन तथा प्रसादी का कार्यक्रम हुआ। ज्ञात रहे 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जन्म दिवस युवा दिवस के रूप पूरे देश में मनाया जाता है। भारत के सुप्रसिद्ध विचारक, चिंतक एवं युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में धर्म संसद में जाकर हिन्दू धर्म की चर्चा की थी तथा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की नई पहचान दिलाई थी। भारत आने के पश्चात उन्होंने अपने गुरू स्वामी रामकृष्ण परमहंस की स्मृति में रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम की स्थापना की थी। रायपुर में भी वे कुछ दिनों के लिए वे अपने रिश्वेदार के यहां आए थे। विवेकानंद आश्रम रायपुर की स्थापना स्वामी आत्मानंद ने की थी। उन्होंने नारायणपुर में 100 एकड़ में आश्रम की स्थापना की थी, जिसके चलते यहां पर काफी विकास हो रहा है। मिशन के निर्देशानुसार हिन्दी तिथि के अनुसार विवेकानंद जी का 165 जन्म दिवस मनाया जा रहा है। इसके पश्चात यहां वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 25 तारीख से यहां पर भागवत का प्रवचन होगा।

भारत शासन के युवा कल्याण विभाग के निर्देश पर स्वामी विवेकानंद की जन्म दिवस 12 जनवरी को युवा दिवस के रूप मनाया जाता है। इस अवसर पर रविशंकर विश्वविद्यालय तथा अन्य सामाजिक संगठनों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। युवा दिवस के अवसर पर रविशंकर विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा आयोजित करने पर छात्रों में रोष है। इधर भारत सरकार और छत्तीसगढ़ युवा मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

अमिताभ बनाए गए मुख्य सूचना आयुक्त उमेश-शिरीष होंगे राज्य सूचना आयुक्त

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य सचिव रिटायर्ड आईएएस अमिताभ जैन को छत्तीसगढ़ शासन ने मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। इसी तरह, सचिव स्तर से रिटायर्ड आईएएस उमेश अग्रवाल और सीनियर जर्नलिस्ट डॉ. शिरीषचंद्र मिश्रा को राज्य सूचना आयुक्त के तौर पर नियुक्ति दी गई है। शुक्रवार को देर रात इस आशय के आदेश जारी किए गए हैं। उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से यह नियुक्ति मान्य होगी। जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त नियुक्ति केन्द्रीय सूचना आयोग में केन्द्रीय सूचना आयुक्त,सूचना आयुक्तों, राज्य सूचना आयोग में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्तों की पदावधि,

वेतन, भत्ते और सेवा के अन्य निबंधन और शर्तों के अधीन होगी।

मिले थे 72 आवेदन

छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग में राज्य सूचना आयुक्त के दो रिक्त पदों के लिए 72 लोगों ने 79 आवेदन किए थे। सात आवेदकों ने सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए दो-दो आवेदन भेजे, ताकि एक ना मिले तो दूसरा आवेदन मिल जाए। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य सूचना आयुक्त के रिक्त पद पर नियुक्ति के लिए बीते 4 मार्च को विज्ञापन जारी कर आवेदन मंगाए थे। इसके पश्चात सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आगे की कार्यवाही के लिए 79 आवेदनों की सूची बनाई थी। इनमें कई सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी व पत्रकार के नाम शामिल रहे। वहीं नवंबर माह में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मुख्य सूचना आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति के अनुभव मापदंडों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसमें राज्य शासन द्वारा सूचना आयुक्त के लिए अनुभव की अनिवार्यता सहित अन्य मापदंडों को चुनौती दी गई थी।

पीएससी परीक्षा परिणाम, हाईकोर्ट में आयोग ने लगाया कैबिएट

- परीक्षा परिणाम चयन परीक्षा स्थगित करने संबंधी याचिका दायर करने पर पीएससी का पहले पक्ष सुना जाएगा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य में 2025 के कुल 265 पद के लिए विज्ञापन दिया है। इसके पश्चात यहां पर परीक्षा परिणाम और चयन सूची के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका को देखते हुए अब पीएससी हाईकोर्ट की शरण में चला गया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार विज्ञापन क्रमांक 06/2025 दिनांक 26/11/2025 रोजगार नियोजन में प्रकाशित विज्ञान की तिथि 03/12/2025 के अनुसार परीक्षा दिनांक 12/12/2025 के द्वारा राज्य सेवा परीक्षा के कुल 265 पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं।

इसमें सरकार के डिप्टी कलेक्टर वित्त सेवा सहित अन्य विभागों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। लोकसेवा आयोग के अनुसार पिछले कई वर्षों में परीक्षा परिणाम तथा चयन को लेकर कई आवेदक कोर्ट में जा चुके हैं। इससे पीएससी की छबि को धक्का लगा है। पीएससी के अधिवक्ता सुदीप अग्रवाल द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष एक कैबिएट आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, इस हेतु यह सूचना पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। सचिव के अनुसार विज्ञापन के अंतर्गत विज्ञापित पद हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ किया जाना है। अभ्यर्थियों द्वारा किसी भी कारण को आधार बनाते हुए आयोग के उक्त परीक्षा के आयोजन, परीक्षा परिणाम, अंतिम चयन सूची परिणाम की कार्रवाही को निरस्त करने/स्थगित करने अथवा किसी भी प्रकार की कार्यवाही को अनुतोष को प्राप्त करने के लिए कोई भी रीट याचिका अथवा कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाती है तो ऐसी याचिका में आयोग को सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। इस कार्य के लिए आयोग ने वरिष्ठ अधिक्ता डॉ. सुदीप अग्रवाल को माननीय उच्च न्यायालय में अपना अधिवक्ता नियुक्त किया है। आयोग के सचिव के अनुसार कैबिएट आवेदन पत्र प्रस्तुत किए जाने के लिए यह सूचना पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है।

एक सप्ताह में एक करोड़ ने किया संगम स्नान..

प्रयागराज। स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेले में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। तीन से नौ जनवरी की दोपहर तक करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान किया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच मुख्यमंत्री पहली बार मेले में पहुंचेंगे। वह लगभग पांच घंटे 40 मिनट तक प्रयागराज में रहेंगे। संभावना है कि मुख्यमंत्री मेला क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी कर सकते हैं। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज कर दी गई है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए संगम नोज को भव्य रूप से सजाया गया है। सभी पांटून पुलों की सुंदरता बढ़ाई गई है और संगम में संचालित नावों को रंगों से सजाया गया है। नाविकों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना सुरक्षा जैकेट किसी भी श्रद्धालु को नाव पर न बैठाया जाए। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को लेकर भी व्यापक तैयारी की गई है। मेला अधिकारी ऋषिराज ने बताया कि पहली बार मेले को ऊर्जा चक्रों की थीम पर आधारित करते हुए सात सेक्टरों में विभाजित किया गया है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए घाटों की लंबाई पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ाकर 2.98 किमी कर दी गई है। पैदल श्रद्धालुओं के लिए अलग पांटून पुल निर्धारित किया गया है, ताकि आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'देश का बदला लेना होगा'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल शनिवार को 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अजीत डोभाल ने युवाओं से संवाद किया। डोभाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश को ऐसे मुकाम पर ले गए हैं कि अगर यह ऑटोपायलट पर भी चलता रहे, तो भी यह विकसित भारत बन जाएगा। एनएसए डोभाल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा, 'मेरा कार्यक्षेत्र अलग है, मेरा अनुभव अलग है, और युवाओं के साथ उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। आपमें से अधिकांश मुझसे 60 वर्ष से अधिक छोटे हैं, इसलिए मैं थोड़ा असमंजस में था कि आऊं या नहीं। मेरा जन्म स्वतंत्र भारत में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पूर्व भारत में हुआ था। मेरी जवानी तो कब की बीत चुकी है।' आज इतना कुछ बदल गया है कि मुझे सब कुछ पता नहीं है। लेकिन एक बात समान है, चाहे आप इसे महसूस करें या न करें - एक छोटी सी बात जो आपके जीवन की दिशा तय करती है।

'शक्तिशाली हैं तो आजाद रहेंगे' : डोभाल

'दुनिया भर में चल रहे सभी संघर्ष और युद्ध इसलिए हैं क्योंकि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं और इसके लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अगर आप शक्तिशाली हैं, तो आप स्वतंत्र रहेंगे। अगर आत्मविश्वास नहीं है, तो सारी शक्ति और हथियार बेकार हैं। आज हमारे देश में ऐसा नेतृत्व होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत हम सभी के लिए प्रेरणा है। जैसा कि नेपोलियन ने एक बार कहा था कि मैं एक भेड़ के नेतृत्व में 1000 शेरों से नहीं डरता, बल्कि एक शेर के नेतृत्व में 1000 भेड़ों से डरता हूं।'

दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस से भिड़े सांसद चंद्रशेखर

पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हुई धक्का-मुक्की, मेरठ जाने की जिद पर अड़े

गाजीपुर/ए.। दिल्ली से सटे यूपी के गाजियाबाद में गाजीपुर बॉर्डर पर उस समय राजनीतिक तनाव बढ़ गया, जब आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आज़ाद को उत्तर प्रदेश में प्रवेश से पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इसके बावजूद चंद्रशेखर आज़ाद ने पुलिस बैरिकेडिंग के बीच से भीड़ को चीरते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की और यूपी में प्रवेश का प्रयास किया।

गाजीपुर बॉर्डर पर रोके गए चंद्रशेखर आज़ाद: चंद्रशेखर आज़ाद मेरठ जा रहे थे, जहां वह उस दलित परिवार से मुलाकात करने वाले हैं, जिसकी महिला की हाल ही में हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि महिला ने अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की थी, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई, जबकि बेटी के अपहरण की भी सूचना सामने आई है। यह मामला सामने आने के बाद से ही विपक्षी दल सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही चंद्रशेखर आज़ाद का काफिला गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचा, पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस का कहना था कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए फिलहाल उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती, लेकिन समर्थकों की भीड़ जुटने के बाद माहौल गरमा गया और चंद्रशेखर आज़ाद खुद आगे बढ़ते हुए बैरिकेडिंग पार करने का प्रयास करने लगे।

दलित महिला की हत्या का मामला: इस दौरान पुलिस अधिकारियों से उनकी तीखी बहस भी हो गई। इस दौरान चंद्रशेखर आजाद यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि मैं एक चुना हुआ सांसद हूं और तुमलोग मुझसे बदतमीजी करोगे, मुझे धक्का मारोगे। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, कुछ देर तक पुलिस और समर्थकों के बीच नोकझोंक भी हुई। हालांकि स्थिति को संभालते हुए पुलिस ने किसी तरह हालात को नियंत्रण में रखा और किसी बड़े टकराव से बचाया।

मेरठ में क्या हुआ था

मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड गांव में गुरुवार सुबह करीब आठ बजे एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। एक महिला अपनी बेटी के साथ खेत की ओर जा रही थी, तभी आरोप है कि गांव के ही रहने वाले पारस ने अपने साथियों के साथ मिलकर हथियार के बल पर युवती का अपहरण कर लिया। जब मां ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बाद में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि आरोपी युवती को लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की खबर फैलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों में भारी गुस्सा देखा गया। चंद्रशेखर इसी पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे।

हिंदू ही बनेगा भारत का प्रधानमंत्री': असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की प्रतिक्रिया ने देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। सरमा ने साफशब्दों में कहा कि संवैधानिक रूप से भारत में कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री बन सकता है, लेकिन भारत एक हिंदू राष्ट्र और हिंदू सभ्यता वाला देश है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा हिंदू ही रहेगा। हिमंता बिस्वा सरमा का यह बयान ओवैसी के उस दावे के जवाब में आया है, जिसमें एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा था कि भविष्य में एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। ओवैसी ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र के सोलापुर में एक जनसभा के दौरान की थी, जहां उन्होंने भारत और पाकिस्तान के संवैधानिक ढांचे की तुलना करते हुए कहा था कि भारत का संविधान सभी समुदायों को समान अधिकार देता है।

अंकिता केस, विपक्ष का राज्य में बंद का ऐलान

सीबीआई जांच को लेकर क्या बोले माता-पिता

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में अभी भी पीड़ित परिवार को न्याय मिलना बाकी है। स्थानीय लोग पीड़ित परिजनों के साथ मिलकर वीवीआईपी को सजा दिलाने की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएम धामी ने इस पूरे मामले की जांच अब सीबीआई से कराने की सिफारिश भी कर दी है। हालांकि, अंकिता भंडारी के माता-पिता का कहना है कि सीएम धामी द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश करने का आदेश पत्र उन्हें नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि हमने सीएम धामी से मिलकर इस मामले की सुप्रीम कोर्ट के जज से भी जांच कराने की बात कही है। वहीं, दूसरी तरफ अंकिता को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर उत्तराखंड बंद की भी तैयारी कर रहे हैं। 11 जनवरी को अंकिता भंडारी न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर के तले उत्तराखंड बंद का आह्वान किया गया है। उत्तराखंड बंद में राजनीतिक दलों में कांग्रेस सीपीआई (एम) ,सीपीआई,उत्तराखंड क्रांति दल, आम आदमी पार्टी , के अलावा अन्य छोटे राजनीतिक दल और उत्तराखंड आंदोलनकारी संगठन इसके अलावा अन्य संगठन इस बंद को अपना समर्थन दिया है अंकिता भंडारी न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने सभी व्यापारिक संगठन, मजदूर संगठन कर्मचारी संगठन और टैक्सी और बस यूनियन के लोगों से 11 जनवरी के उत्तराखंड बंद का समर्थन मांगा है।

मलयालम भाषा विधेयक पर सियासी रार, दूसरी भाष पर लगेगी रोक?

तिरुवनंतपुरम। केरल के मलयालम भाषा विधेयक 2025 को लेकर कर्नाटक समेत कई जगहों पर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप यह लग रहा है कि यह कानून दूसरी भाषाओं पर जबरन मलयालम थोपेगा। ऐसे में बढ़ते विवाद को देखते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन सभी दावों को खारिज करते हुए इस विधेयक को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, वे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा द्वारा पारित यह कानून पूरी तरह समावेशी है और इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की विशेष सुरक्षा की गई है। एक्स पर पोस्ट में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि केरल की प्रगति हमेशा समानता, भाईचारे और समग्र विकास पर आधारित रही है। राज्य सरकार धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद जैसे संवैधानिक मूल्यों को पूरी मजबूती से बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मीरा भायंदर में भाजपा का घोषणापत्र जारी

ठाणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक नरेंद्र मेहता ने शुक्रवार को मीरा भायंदर नगर निगम (एमबीएमसी) चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। 15 जनवरी को होने वाले इन चुनावों के लिए पार्टी ने 'मीरा-भायंदर के विकास का संकल्प' लिया है। इसमें शहर को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए एक विस्तृत रोडमैप पेश किया गया है। पार्टी ने किये विकास के वादे महायुति के दो सहयोगी भाजपा

और शिवसेना नगर निकाय पर नियंत्रण पाने की दौड़ में हैं। घोषणापत्र में 'ट्रिपल इंजन' सरकार पर जोर दिया गया है, ताकि केंद्र और राज्य की सत्ता का लाभ स्थानीय विकास में मिल सके। पार्टी ने शहर को गड्ढों से मुक्त करने के लिए 100 से ज्यादा नई कंक्रीट सड़कें बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, मेट्रो रेल, दहिसर-भायंदर लिंक रोड और जेसल पार्क-घोड़बंदर कोस्टल रोड को पूरा करने की बात कही गई है, जिससे मुंबई की यात्रा का समय काफी कम हो सके। पानी की समस्या सुलझाने के लिए सूर्य परियोजना और 75 एमएलडी की नई योजना के जरिए 24 घंटे जलापूर्ति का भरोसा दिलाया गया है। पार्टी ने कहा कि अगर वह नगर निकाय में सत्ता में आती है, तो वह एक नया 300 बेड का सिविल अस्पताल स्थापित करेगी।

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

भारत-ईयू एफटीए के केंद्र में रहेंगे किसान और एमएसएमई

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स की दो दिवसीय यात्रा के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत को नई गति दी है। 8 और 9 जनवरी को हुई इस यात्रा के दौरान उन्होंने यूरोपीय आयोग के व्यापार व आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक के साथ उच्चस्तरीय वार्ता की, जिसमें लंबित मुद्दों को सुलझाने और समझौते को तेजी से आगे बढ़ाने पर मार्गदर्शन दिया गया। वार्ता के केंद्र में प्रस्तावित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता रहा। दोनों

पक्षों ने किसानों और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा पर जोर देते हुए भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया। मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ईयू एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो संतुलित और परस्पर लाभकारी हो। वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने बाजार पहुंच, वस्तुओं के नियम, सेवाओं सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। मंत्रीस्तरीय चर्चा से यह संकेत मिला कि शेष मुद्दों को रचनात्मक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए दोनों ओर मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद है। मंत्रीस्तरीय बैठक से पहले 6-7 जनवरी को वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की महानिदेशकसबाइन वेयंड के बीच उच्चस्तरीय विचार-विमर्श हुआ।

2025 में उर्वरक उत्पादन 524 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। भारत ने कृषि क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में देश की कुल उर्वरक जरूरतों का करीब 73 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उत्पादन के जरिए पूरा किया गया है। यह उपलब्धि उर्वरक आयात पर देश की निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि वह किसानों को सशक्त बनाने और देश भर में उर्वरकों की विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में घरेलू उर्वरक उत्पादन में निरंतर और स्थिर वृद्धि देखी गई है। यह वृद्धि यूरिया, डीएपी , एनपीके और एसएसपी सहित सभी श्रेणियों में दर्ज की गई है।

न्यूजीलैंड की इस गेंदबाज ने डब्ल्यूपीएल 2026 में रचा इतिहास

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग के चौथे सीजन की शुरुआत बेहद रोमांचक रही. पहले ही मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को हरा दिया. लेकिन मैच का असली आकर्षण मुंबई की अमेलिया केर रहीं, जिन्होंने गेंदबाजी में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी में खेले गए इस ओपनिंग मैच में आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 154 रनों का स्कोर खड़ा किया था. जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय टीम ने सिर्फ65 रन पर अपने 5 अहम विकेट गंवा दिए थे. लेकिन इसके बाद नादिने डी

क्लेर्क ने मोर्चा संभाला और 63 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलकर अपनी टीम को 3 विकेट से जीत दिला दी। भले ही मुंबई इंडियंस यह मैच हार गई हो, लेकिन उनकी स्टार लेग स्पिनर अमेलिया केर ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है. केर अब WPL के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं. उन्होंने इस मैच में धारदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में सिर्फ13 रन दिए और 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके. जैसे ही उन्होंने आरसीबी की बल्लेबाज ऋचा घोष को आउट किया।

शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' के टीजर पर यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शन

मुंबई। शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है एक नई फिल्म के साथ। इस बार ये जोड़ी ला रही है फिल्म 'ओ रोमियो'। घोषणा के बाद से ही दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आज फिल्म का टीजर सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल है। यूजर्स को टीजर काफी पसंद आ रहा है। जानते हैं 'ओ रोमियो' का टीजर देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दिए कैसे रिएक्शन 'ओ रोमियो' के टीजर में शाहिद कपूर एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं।

न्यूज गैलरी

बोर्ड परीक्षाओं के लिए बने 98 केंद्र, बैठेंगे 22 हजार से अधिक परीक्षार्थी

कोरबा/नवप्रदेश। जिले में बोर्ड परीक्षाओं के तैयारियों के मद्देनजर शिक्षा विभाग के द्वारा तैयार की गई परीक्षाओं की जानकारी के अनुसार इस वर्ष 98 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें 22 हजार 287 परीक्षार्थी परीक्षा दिलाएंगे। जिनके लिए प्रवेश पत्र का वितरण भी आने वाले समय में कर दिया जाएगा। 12वीं में बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष परीक्षार्थियों की संख्या कम हो गई है। बोर्ड परीक्षाओं के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा सितंबर माह से परीक्षा फार्म भराए जाने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई थी। जिले में परीक्षा केंद्रों के विस्तार को लेकर भी शिक्षा विभाग के द्वारा प्रस्ताव भेजे जाते रहे हैं। विभाग के प्रस्ताव पर प्रतिवर्ष 2 परीक्षा केंद्रों की स्वीकृति मिल रही है। इस वर्ष हाईस्कूल की परीक्षा में 12 हजार 771 परीक्षार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए हाईस्कूल परीक्षा के लिए 98 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसी तरह हायर सेकेण्डरी परीक्षा के लिए 9516 परीक्षार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है और इन परीक्षार्थियों के लिए 96 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। दोनों परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 22 हजार 287 है। परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए उड़नदस्ते दल का भी गठन किया जा रहा है। प्रत्येक ब्लॉक में एक उड़नदस्ता दल गठित होगा। जिले में 5 ब्लॉक हैं। ब्लॉकवार गठित 5 उड़नदस्ते दल के अलावा एक उड़नदस्ता दल जिला मुख्यालय में भी गठित किया जाएगा। सबसे अधिक परीक्षा केंद्र पोड़ी उपरोड़ा विकास केंद्र में बनाए गए हैं।

ठेका श्रमिक की मौत, एक साल बाद सुपरवाइजर के खिलाफ मामला दर्ज

कोरबा/नवप्रदेश। लगभग एक साल पूर्व साईलो गेवरा में काम करने के दौरान एक ठेका कर्मी के उपर लोहे का प्लेट गिर गया था, जिससे ठेका कर्मी की मौत हो गई थी। इस मामले में जांच उपरांत लापरवाह ठेका कंपनी के सुपरवाईजर के खिलाफपुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत विरेंद्र मरार 15 अक्टूबर 2024 को साईलो गेवरा में वेल्डिंग का काम कर रहा था कि 10:30 बजे लगभग उपर से लोहे का प्लेट विरेन्द्र मरार के उपर गिरा जिससे विरेन्द्र मरार के सिर में चोट लगा जिसे ईलाज हेतु जिला अस्पताल कोरबा में भर्ती किया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने साईलो गेवरा में वेलडिंग ठेकेदार सुब्रमनियम के अंतर्गत पीटी ठेका में सुपरवाईजर कार्तिक राम सूर्यवंशी के द्वारा बिना किसी सेफ्टी के वेलडिंग का काम कराया जा रहा था जिसके कारण मृतक विरेन्द्र मरार के उपर लोहे का प्लेट उपर से गिरने के कारण सिर में चोंट लगने से मौत हुई थी। पुलिस ने इसम मामले में लापरवाही बरतने वाले पेटी ठेकेदार के सुपरवाईजर कार्तिकराम सूर्यवंशी के विरुद्ध 106 (1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

रसायनज्ञ भर्ती परीक्षा आज, नकल रोकने उड़नदस्ता दल का गठन

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा रविवार 11 जनवरी को आयोजित होने वाली पर्यावरण संरक्षण मंडल के रसायनज्ञ के रिक्त पदों की लिखित भर्ती परीक्षा के लिए बस्तर जिला प्रशासन ने सुरक्षा और पारदर्शिता के कड़े इंतजाम सुनिश्चित किए हैं। बस्तर कलेक्टर एस. हरिस के निर्देशानुसार इस परीक्षा को पूर्णतः नकल मुक्त बनाने और अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकने के उद्देश्य से एक विशेष उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है, जो रविवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:15 बजे तक चलने वाली इस परीक्षा के दौरान सक्रिय रहेगा। प्रशासन का यह कदम प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए गठित इस उड़नदस्ता दल का नेतृत्व जगदलपुर के नायब तहसीलदार श्री डोमन लाल करेंगे, जिनके साथ सहयोग के लिए भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक ब्रजभूषण देवांगन और रक्षित केंद्र के सहायक उप निरीक्षक दिलीप साहू को भी तैनात किया गया है। यह टीम विशेष रूप से शहर के परीक्षा केंद्रों शासकीय दन्तेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय और शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल का औचक निरीक्षण करेगी।

गांधीनगर में युवक का शव मिलने से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर के गांधीनगर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध हालात में मिलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बबलू मंडल के रूप में हुई है, जो सुभाष नगर का रहने वाला बताया जा रहा है। शव मिलने की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। शव की स्थिति को देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज सामने आए हैं, जिनमें मृतक कुछ अज्ञात लोगों के साथ आता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस इन फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने और पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

भारत-न्यूजीलैंड मैच से पहले इस बार तगड़ा सुरक्षा घेरा तैयार

स्टेडियम के 13 गेट पर लोहे की रेलिंग, अवैध एंट्री पर पूरी तरह रोक

रायपुर/नवप्रदेश। शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 23 जनवरी को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस बार दर्शकों की अवैध एंट्री रोकने के लिए छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने कड़े कदम उठाए हैं। पिछले मैच में बिना टिकट दर्शकों की भीड़ स्टेडियम में कूदकर घुस गई थी, जिससे कई स्टैंड ओवरफ्लो हो गए थे। इस गलती से सबक लेते हुए अब 13 गेटों पर लोहे की रेलिंग लगाई जा रही है, ताकि सीढ़ियों के रास्ते कोई स्टेडियम में कूद न सके। सुरक्षा व्यवस्था के साथ दर्शकों की लाइन को सुव्यवस्थित रखने के लिए सभी

गेट्स पर रेलिंग लगाई जा रही है

टिकट जांच की प्रक्रिया को भी और मजबूत किया जा रहा है। मैच में अब केवल 14 दिन बचे हैं। ऐसे में क्रिकेट संघ का पूरा फोकस यह सुनिश्चित करने पर है कि इस बार किसी भी दर्शक को कोई असुविधा न हो। अभी स्टेडियम की बाहरी सुरक्षा और दर्शक व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है, इसके बाद मैदान की तैयारी शुरू होगी। दर्शकों से अपील रहेगी कि स्टेडियम में तय समय से पहुंचें, ताकि एंट्री में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विदेशी स्टाइल में सुरक्षा व्यवस्था होगी सख्त: पिछले मैच में एक दर्शक सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए विराट कोहली तक पहुंच गया था, जिससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चूक सामने आई थी। हालांकि उस समय भी गार्ड तैनात थे, लेकिन व्यवस्था कमजोर साबित हुई। इस बार छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने सुरक्षा को और कड़ा करने का फैसला किया है। सभी स्टैंड में गार्ड कुर्सी लगाकर दर्शकों की ओर मुंह करके बैठेंगे और हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। यह सिस्टम आमतौर पर विदेशों के स्टेडियमों में देखा जाता है, जिसे अब रायपुर स्टेडियम में भी लागू किया जा रहा है।

22 को रायपुर पहुंचेंगी दोनों टीमें

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 जनवरी को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहला मुकाबला 21 जनवरी को नागपुर में होगा, जिसके बाद दोनों टीमें 22 जनवरी को रायपुर पहुंचेंगी। जानकारी के मुताबिक, टीमें सुबह और दोपहर में रायपुर आएंगी और शाम को स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

मैदान की हर सीट होगी साफ

छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने तय किया है कि इस बार सभी सीटों की पूरी तरह सफाई की जाएगी, ताकि दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके। गोल्ड और सिल्वर टिकट वाले दर्शकों के लिए कुशन सीट की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे बैठने में आराम मिलेगा। वनडे मैच के बाद अब टी-20 मुकाबले के लिए स्टेडियम को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। फिलहाल मैदान के बाहरी हिस्से में काम चल रहा है। मैदान में पानी का छिड़काव किया जा रहा है और जल्द ही घास की बारीक कटाई की जाएगी। इसके बाद पिच को अंतिम रूप देने के लिए बीसीसीआई की विशेष टीम रायपुर पहुंचेगी। मैदान को अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार किया जाएगा।

सरकारी कर्मचारियों के इलाज के लिए लेनी होगी मान्यता

प्राइवेट अस्पतालों के लिए शुल्क निर्धारण, 50 हजार से 3 लाख रुपए तक का देना होगा शुल्क

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य के शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवार का इलाज करने मान्यता सूची में शामिल होने वाले प्राइवेट हॉस्पिटलों के लिए शुल्क का निर्धारण किया गया है। इसके लिए आवेदन करने वाले विभिन्न श्रेणी के हॉस्पिटलों को 50 हजार से 3 लाख रुपए तक शुल्क जमा करना होगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग समय-समय पर प्राप्त होने वाले आवेदन के आधार पर हॉस्पिटलों को मान्यता प्रदान करता है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में पिछले साल करीब दो सौ हॉस्पिटल पंजीकृत थे।

राज्य शासन अपने कर्मचारियों और उनके परिवार को निशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान करता है। इसके लिए राज्य के अलावा दूसरे प्रदेश के बड़े प्रायवेट अस्पतालों को भी योजना के लिए पंजीकृत किया गया जाता है। पिछले साल राज्य के करीब 134 और दूसरे राज्यों 60 से ज्यादा अस्पतालों को इसके लिए मान्यता

प्रदान की गई थी। सूत्रों के अनुसार सुविधाओं के विस्तार के लिए समय-समय पर प्राप्त होने वाले आवेदन के आधार पर मापदंड तय करने वाले हॉस्पिटलों को भी मान्यता दी जाती है।

अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा योजना में इंपैनल्ड होने वाले हॉस्पिटलों के लिए नियमानुसार शर्तों के साथ शुल्क का निर्धारण किया गया है। योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदन के आधार पर अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा और पात्रता होने पर उन्हें सरकारी कर्मचारियों के इलाज की अनुमति भी प्रदान की जाएगी। निर्धारित शुल्क के अनुसार 20 बेड के 200 बिस्तरों के हॉस्पिटलों के लिए 50 हजार से 3 लाख रुपए तक शुल्क निर्धारित किया गया है। साथ ही दंत चिकित्सा के लिए भी हॉस्पिटलों को योजना में शामिल होने प्रथम निरीक्षण के लिए एक लाख रुपए शुल्क देना होगा। इसके अलावा उन्हें निर्धारित जीएसटी की राशि भी देय होगी।

ऐसा होगा शुल्क

- 20 से 50 बेड वाले सिंगल बोर्ड स्पेशलिटी हॉस्पिटल के 50 हजार
- 20 से 50 बेड वाले सिंगल सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल 1 लाख
- 30 से 100 बेड वाले मल्टी बोर्ड स्पेशलिटी हॉस्पिटल डेढ़ लाख
- 30 से 100 बेड के मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल 2 लाख

प्रतिवर्ष रिनीवल का भी शुल्क

योजना के तहत प्रतिवर्ष पंजीकृत हॉस्पिटलों को योजना में बने रहने के लिए रिनीवल एवं निरीक्षण शुल्क भी देना होगा। विभिन्न श्रेणी के हॉस्पिटलों को 30 से एक लाख रुपये शुल्क देना होगा। जारी आदेश में इस बात का भी जिक्र है कि प्राइवेट हॉस्पिटलों द्वारा वार्षिक कैलेंडर का पालन नहीं किए जाने पर उन्हें प्रतिदिन एक हजार रुपए का विलंब शुल्क भी देना होगा। इसी तरह हॉस्पिटल का पता नाम बदलने के दौरान भी संचालनालय पर गठित समिति के निरीक्षण के लिए शुल्क देना होगा।

आबकारी विभाग की कार्रवाई, 8 लीटर महुआ शराब जब्त

रायगढ़/नवप्रदेश। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरूद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्र. सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त रायगढ़ (दक्षिण) द्वारा आज अवैध महुआ शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी टीम ने ग्राम घुघवा, थाना पुसौर में छापा मारते हुए। आरोपी कार्तिक कुंवर चौहान, उम्र 50 वर्ष, निवासी घुघवा, के आधिपत्य से कुल 08 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की। जब्त शराब में 2-2 लीटर क्षमता वाली हरे रंग की दो बोतलों में 4 लीटर एवं सफेद रंग की दो बोतलों में 4 लीटर महुआ शराब शामिल है, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 1600 रुपये बताया गया है। मौके पर आरोपी को गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत कायम किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में आबकारी उप-निरीक्षक याजेंद्र मेहर एवं आबकारी मुख्य आरक्षक लालसिंह कंवर का योगदान रहा।

राजधानी के विज्ञापन एजेंसी संचालक ने की खुदकुशी

- **फ्लैट में फंदे से लटका मिला शव**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में एक कारोबारी ने सुसाइड कर लिया है। मृतक की पहचान विज्ञापन एजेंसी के मालिक विश्वरंजन पुरोहित के रूप में हुई है। 10 जनवरी की सुबह न्यू राजेंद्र नगर स्थित उनके फ्लैट में फंदे से लटकी लाश मिली। मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है वह हाल ही में अपने व्यवसाय में हुए नुकसान और उससे जुड़े मानसिक तनाव से जूझ रहा था, हालांकि आत्महत्या की असली वजह की पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। मामले में पुलिस मर्ग कायम करके जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, विश्वरंजन पुरोहित अपने परिवार के साथ एक फ्लैट में रहते थे। इसी फ्लैट में उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत फ्लैट पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिवार के सदस्यों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में किसी तरह की आपराधिक संदिग्धता दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन जांच के बाद ही आत्महत्या की सही वजह स्पष्ट होगी।

1 घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड, लोगों में आक्रोश

आग से मिनी मार्केट की कई दुकानें जलकर खाक

आरंग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में स्थित सेक्टर 28 के मिनी मार्केट में भीषण आग लग गई। वहीं आग की चपेट में आने से पास में स्थित किराना स्टोर, कपड़ा दुकान जैसे 8, 9 दुकानें जलकर खाक हो गई। जिससें व्यापारियों को लाखों नुकसान हुआ है। इसके बाद इसकी सूचना दमकल की टीम को दी गई। सूचना मिलने के करीब 1 घंटे के बाद दमकल की टीम पहुंची और आग बुझाने में लग गई। वहीं दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन शुरुआती देरी की वजह से आग ने काफी तबाही मचा दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, और कई व्यापारी रो-रोकर बर्बाद हो चुके

सामान को देख रहे हैं। अभी तक किसी की जान जाने की खबर नहीं है, लेकिन नुकसान बहुत बड़ा बताया जा रहा है। आग का कारण शॉर्ट सर्किट या कोई अन्य वजह हो सकती है, जांच जारी है।

आग पर काबू पा लिया गया: व्यापारियों ने बताया कि, फायर ब्रिगेड को पहुंचने में करीब 1 घंटे लग गए, जिससे आग और भयावह हो गई। स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। आग पर काबू कर लिया गया है। पुलिस बल मौके पर तैनात है।

गैस चूल्हा रिपेयरिंग के दौरान बड़ा हादसा घर में लगी भीषण आग: वहीं 3 जनवरी को महासमुंद जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां आग की चपेट मे आने से 4 लोग झूलस गए। यह हादसा गैस चूल्हा बनाने के दौरान हुआ, जो बेहद खतरनाक था। इस हादसे में 2 साल की किंजल साहू बुरी तरह घायल हुई है। यह घटना बीती रात शुभाष नगर की बताई जा रही है।

दो साल की मासूम समेत चार झूलसे : मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात 9 बजे के आस-पास की यह घटना बताई जा रही है। महासमुंद मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 25 सुभाष नगर मे पूर्व पार्षद संदीप घोष के घर के पिछे बुजुर्ग दंपति खेलावन और चन्द्रिका के खपरैल घर में खाना बना रहे थे। इस दौरान घर के बुजुर्ग खेलावन और उनकी 55 वर्षीय पत्नी चन्द्रिका साथ में 35 वर्षीय बेटी लक्ष्मी बाई मौजूद थी। तभी खेलावन ने बाहर चूल्हे पर खाना बनाने के लिए अपनी बेटी लक्ष्मी को कहा। जिसके बाद लक्ष्मी ने कहा कि, गैस बनाने के लिए इण्डेन गैस से चूल्हा बनवाने के लिए सर्विस मैन को बुलाया है, थोड़ी देर में गैस बन जाएगा फिर खाना बनाएंगे।

शंकर नगर विद्या मंदिर स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों को ड्रग्स के नुकसान और क़ानूनी प्रावधानों के बारे में दी जानकारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के शंकर नगर विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल में ड्रग्स और इसके प्रभाव पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका मुख्य विषय 'ड्रग एडिक्शन पर जागरूकता' था। जिसका उद्देश्य स्कूल जाने वाले छात्रों और स्टाफ को इस मुद्दे पर जागरूकता की महत्वपूर्ण आवश्यकता के बारे में शिक्षित करना था। स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अविनाश कुमार दुबे, वरिष्ठ सिविल जज वर्ग, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का स्वागत स्कूल के प्रिंसिपल

विश्वदीप शुक्ला द्वारा किया गया। श्री शुक्ला ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों और मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए, छात्रों से आग्रह किया कि वे नशीले पदार्थों के खतरे से जुड़े हुए वक्ताओं की सलाह पर ध्यान दें। वक्ताओं ने स्कूल जाने वाले उम्र के दर्शकों से आग्रह किया कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें जो शरीर और मन दोनों को खराब करते हैं।इस कार्यक्रम में कई जानकारीपूर्ण सत्र और इंटरएक्टिव चर्चाएं शामिल थीं।

मुख्य वक्ता अविनाश दुबे ने नशीले पदार्थों के वितरण पर क़ानूनी प्रावधानों के बारे में दी जानकारी: मुख्य वक्ता अविनाश दुबे ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति में जोर दिया कि जो अक्सर आकस्मिक प्रयोग के रूप में शुरू होता है वह जल्दी ही जीवन बदलने वाली लड़ाई में बदल सकता है। उन्होंने नशीले पदार्थों के कब्जे और वितरण के आसपास के सख्त कानूनों और इसमें शामिल गंभीर दंडों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि न केवल नशे के लादक बल्कि उनके आसपास के निर्दोष लोग भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पीड़ित होते हैं।

'ड्रग एडिक्शन' विषय पर दिखाई गई स्किट: कार्यक्रम में आईटीएम विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा 'ड्रग एडिक्शन' विषय पर एक स्किट भी दिखाया गया। यह प्रभावशाली और दिलचस्प था, जिसमें कुल 12 छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया। डॉ. लक्ष्मी मूर्ति ने अपने इंटरएक्टिव सेशन में 'ड्रग्स को ना कहें' का संदेश दिया। बच्चे पूरी तरह से शामिल थे और इस महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान दे रहे थे। इसके बाद एक शॉर्ट फिल्म दिखाई गई जिसमें नशे की लादकता के परिणामों को दिखाया गया। डॉ. गुंजन मिश्रा, एचओडी, साइकोलॉजी, आईटीएम विश्वविद्यालय ने एक दिलचस्प सत्र में पियर प्रेशर को रेसिस्ट करने और 'नहीं' कहने का संदेश दिया।

स्कूल एक्जीक्यूटिव कमेटी ने साझा किए अपने अनुभव: संजय जैन, सीए, कोषाध्यक्ष, स्कूल एक्जीक्यूटिव कमेटी ने भी इस मामले से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। अंत में डॉ. जेलिस सुब्हान ने औपचारिक रूप से श्री दुबे और अन्य वक्ताओं को इस तरह के एक शानदार सत्र के लिए धन्यवाद दिया। यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जो 'ड्रग्स को ना कहें' संदेश को मजबूत करने में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। कार्यक्रम में आईटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अतिथियों में डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, प्रो-वाइस चांसलर, प्रो. डॉ. जेलिस सुब्हान, लॉ एचओडी, डॉ. शिवली श्रीवास्तव, कन्वीनर, डॉ. गुंजन मिश्रा, स्कूल ऑफसाइकोलॉजी, डॉ. दीपश्री चौहान और अन्य विशेषज्ञ शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com